THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 139 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण कृ.5/6 2080 रविवार, 6 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32** **मूल्य : 8 रुपये**

इमरान गिरफ्तार

> फैसले के बाद लाहौर से गिरफ्तार > 5 साल चुनाव नहीं लड़ पाएंगे पूर्व पाक पीएम

इस्लामाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तोशाखाना केस में इमरान खान को जिला-सत्र न्यायालय ने दोषी ठहराया है। उन्हें इस मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई है। बताया गया है कि सजा के एलान के बाद इस्लामाबाद पुलिस ने इमरान को लाहौर से गिरफ्तार कर लिया।

इस्लामाबाद की अतिरिक्त न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने इमरान पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि जुर्माना नहीं देने पर उन्हें और छह महीने तक जेल में रखा जाएगा। दिलावर ने अपने फैसले में कहा, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष के खिलाफ संपत्ति की गलत घोषणा करने के आरोप साबित हुए हैं।

अदालत के फैसले के बाद इस्लामाबाद पुलिस ने पंजाब पुलिस की मदद से इमरान को उनके लाहौर स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। इमरान के परिवार ने यह जानकारी दी। उनकी पार्टी ने बताया कि इमरान को पंजाब की ही कोट लखपत जेल ले जाया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष सहायक अताउल्लाह तरार ने इमरान की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा, यह बाद में तय किया जाएगा कि उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा जाएगा या कहीं और। वहीं, अब इमरान खान को लाहौर से इस्लामाबाद लाया जा रहा है। यह भी सामने आया है कि पीटीआई इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि तोशाखाना मामला पिछले साल पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) की शिकायत पर दायर किया गया था। ईसीपी इससे पहले इसी मामले में खान को अयोग्य करार दे चुकी थी।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पिछले साल 21 अक्टूबर को खान को झूठे बयान और गलत जानकारी देने के आरोप में सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था।

इमरान खान बोले, पार्टी का वोट बैंक बढ़ रहा है तो आप उसे कैसे कुचलेंगे :

गिरफ्तारी से पहले इमरान खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी अगले चुनावों में जीत हासिल करेगी। शहबाज सरकार सैन्य प्रतिष्ठान की जांच की आड़ में उनके समर्थकों के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई कर रही है।

चावल एक्सपोर्ट पर भारत के बैन से हाहाकार

> करोड़ों लोगों के भूखे मरने की नौबत

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने हाल में गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। देश में चावल की बढ़ती कीमत को थामने के लिए सरकार ने यह फैसला किया था। लेकिन इससे दुनियाभर में चावल की कीमत में भारी तेजी आई है। यूएन की फूड एजेंसी एफएओ (एफएओ) के मुताबिक जुलाई में राइस प्राइस इंडेक्स 2.8 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब 12 साल के हाई पर पहुंच गया है।

इसमें पिछले साल जुलाई के मुकबले 20 प्रतिशत तेजी आई है और यह सितंबर 2011 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मजबूत मांग और भारत के बैन से चावल की कीमत बढ़ी है। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। ग्लोबल एक्सपोर्ट में भारत की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत ने पिछले महीने गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। देश से एक्सपोर्ट होने वाले कुल चावल में गैर बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत है। भारत के अलावा थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया और पाकिस्तान चावल के प्रमुख एक्सपोर्टर हैं। चावल आयात करने वाले देशों में चीन, फिलीपींस, बेनिन, सेनेगल, नाइजीरिया और मलेशिया प्रमुख हैं। भारत के चावल पर बैन लगाने से अमेरिका में हड़कंप मच गया था। वहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और बैन की खबर सुनते ही वे स्टॉक जमा करने के लिए दुकानों पर टूट पड़े।

गेहूं और खाद्य तेल की कीमत :

इधर भारत ने चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाया तो उधर रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों से अनाज ले जाने वाले जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने वाले डील से किनारा कर लिया।

इससे जुलाई में खाने पीने की चीजों की कीमत में बढ़ोतरी हुई। एफएओ के मुताबिक जून की तुलना में जुलाई में फूड प्राइस इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत की तेजी आई। हालांकि यह पिछले साल जुलाई की तुलना में 12 प्रतिशत कम है लेकिन रूस के फैसले ने अनाज और सनफ्लावर ऑयल की कीमतों में उछाल ला दी है।

लोकसभा को राहुल की सदस्यता तत्काल बहाल करनी चाहिए : अधीर रंजन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र पर निशाना साधते हुए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को कहा कि जिस तेजी से पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को सांसद के रूप में अयोग्य घोषित किया गया, सुप्रीम कोर्ट द्वारा मोदी उपनाम टिप्पणी मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने के बाद निचले सदन को अब तुरंत इसे बहाल करना चाहिए। चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राहुल गांधी की सदस्यता जल्द से जल्द बहाल करने का अनुरोध किया, ताकि वह सदन की कार्यवाही में भाग ले सकें।

यहां अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। इसका मतलब है कि उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह जिम्मेदारी है। लोकसभा सचिवालय को इस पर ध्यान देना चाहिए। गुजरात अदालत के आदेश के एक दिन के भीतर राहुल गांधी को अयोग्य घोषित करने के लिए सरकार पर तंज करते हुए, चौधरी ने कहा, जिस गति से उन्होंने उन्हें अयोग्य घोषित किया था, उसी गति को उनकी सदस्यता बहाल करने में भी देखा जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार रात स्पीकर को फोन कर कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने पर रोक का पत्र सौंपने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं कल सुबह बात करूंगा। आज (शनिवार) सुबह मैंने लोकसभा अध्यक्ष को फिर से फोन किया और उन्होंने मुझे लोकसभा सचिवालय कार्यालय में दस्तावेज जमा करने के लिए कहा। मैंने लोकसभा सचिवालय को फोन किया और उन्होंने कहा कि कार्यालय बंद है। और इस प्रकार मैंने पूछा कि क्या मुझे इसे आज उनके पास जमा करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि इसे लोकसभा अध्यक्ष के पास जमा करें और आज छुट्टी है। उन्होंने कहा, जब मैंने पूछा कि पत्र जमा करने का दूसरा तरीका क्या है, तो उन्होंने कहा कि इसे डाक के माध्यम से भेजा जा सकता है।

कश्मीर में सेना के 3 जवान शहीद

कुलगाम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई। एनकाउंटर में सेना के 3 जवान घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान देर रात तीनों की मौत हो गई।

अधिकारियों के मुताबिक, कुलगाम के हलान जंगल में आतंकियों ने सेना के टैंट पर फायरिंग की थी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें 3 जवान घायल हो गए। हमले के बाद आतंकी कुछ हथियार लेकर भाग गए। आतंकियों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। माना जा रहा है कि हमला पीर पंजाल रेंज से घुसपैठ करके आए 3 आतंकियों ने किया था। उन्हें तलाशने के लिए ड्रोन्स भी लगाए गए हैं। इलाके में सर्च एंड डिस्ट्रॉय मिशन के लिए आर्मी की पैरा स्पेशल फोर्स को भेजा गया है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 5 मई को आतंकियों के साथ एनकाउंटर में 5 जवान शहीद हो गए थे। कांडी के जंगलों में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना पर सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच फायरिंग शुरू हो गयी, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे।

मणिपुर में 3 की मौत के बाद इंफाल में तनाव

इंफाल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षाबलों और मैतेई समुदाय के बीच पिछले 24 घंटे से झड़प जारी है। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। ये हिंसक झड़प टेराखोंगसांगबी कांगवे और थोरबुंग में हुई हैं। यह इलाका कुकी-मैतेई के बीच का बॉर्डर है, जो बफर जोन कहलाता है।

मोदी-योगी की बहनों की मुलाकात

एक-दूसरे से गले मिलीं, पीएम की बहन ने ऋषिकेश में नीलकंठ महादेव के दर्शन किए

ऋषिकेश, 5 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी की छोटी बहन बसंती बेन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी बहन शशि देवी आपस में मिलीं। बसंती बेन परिवार के साथ उत्तराखंड के ऋषिकेश गईं थी। बसंती बेन ने शशि देवी की तारीफ भी की।

प्रधानमंत्री मोदी की छोटी बहन बसंती बेन अपने पति और कुछ रिश्तेदारों के साथ उत्तराखंड के कोथार गांव में प्रसिद्ध नीलकंठ महादेव मंदिर और भुवनेश्वरी मंदिर में दर्शन करने गईं थी। मंदिर से वापस आते वक्त वे यूपी के सीएम की बड़ी बहन शशि देवी की दुकान में रुकीं। जहां दोनों ने मुलाकात की और एक दूसरे से गले भी मिलीं।

देश के दो बड़े नेताओं की बहनों ने साथ में समय बिताया। पीएम मोदी की बहन ने शशि देवी की विनम्र जीवनशैली की तारीफ की। दोनों नेताओं के परिवार सुर्खियों से दूर रहते है। शशि देवी उत्तराखंड के कोथार गांव में रहती है और मां भुवनेश्वरी प्रसाद भंडार के नाम से एक दुकान लगाती हैं। यहां वे सिंदूर, घंटियां और पूजा का सामान बेचती है।

चांद के ऑर्बिट में आया चंद्रयान-3 अब बस उतरना बाकी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इसरो ने बड़ी सफलता हासिल की है। चंद्रयान-3 ने चांद का ऑर्बिट पकड़ लिया है। अब चंद्रयान करीब 166 किमी x 18 हजार किमी की ऑर्बिट में यात्रा कर रहा है। ये चंद्रमा का ऑर्बिट है। इसके बाद अगला बड़ा दिन 17 अगस्त होगा। जब चंद्रयान-3 प्रोपल्शन और लैंडर मॉड्यूल अलग होगा। इसके बाद सिर्फ लैंडिंग बाकी रहेगी।

चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की बाहरी कक्षा पकड़ ली है। अब चंद्रयान-3 चंद्रमा के चारों तरफ 166 किमी x 18054 किलोमीटर की अंडाकार कक्षा में चक्कर लगाएगा। इसरो ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा के ऑर्बिट को पकड़ने के लिए करीब 20 से 25 मिनट तक थ्रस्टर्स ऑन रखा। इसी के साथ चंद्रयान चंद्रमा की ग्रैविटी में फंस गया। अब वह उसके चारों तरफ चक्कर लगाता रहेगा। इसे लूनर ऑर्बिट इंजेक्शन या इंसर्शन भी कहते हैं। चंद्रमा के चारों तरफ पांच ऑर्बिट बदले जाएंगे।

भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को 2 साल की जेल, टोरेंट अधिकारी से मारपीट की थी

इटावा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इटावा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को एमपी/एमएलए कोर्ट ने शनिवार को 2 साल की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई है। उन्हें 2011 के टोरेंट ऑफिसर से मारपीट करने के मामले में दोषी करार दिया गया है। 2 साल की सजा होने के बाद उनकी संसद की सदस्यता जा सकती है। कठेरिया केंद्रीय राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। टोरेंट पावर के सुरक्षा निरीक्षक समेधी लाल ने बताया कि 16 नवंबर 2011 को साकेत माल में बिजली चोरी संबंधित मामले का मैनेजर भावेश रसिक लाल शाह सुनवाई और निपटारा कर रहे थे। उसी दौरान स्थानीय सांसद राम शंकर कठेरिया अपने 10 से 15 समर्थकों के साथ कार्यालय में घुस गए और भावेश के साथ मारपीट की। इसमें उन्हें काफी चोट आई थीं।

हरियाणा हिंसा में अब पाकिस्तानी कनेक्शन

नूंह, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा की नूंह हिंसा में अब पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है। हरियाणा पुलिस की जांच में पाकिस्तानी यू-ट्यूबर जीशान मुश्ताक के बारे में पता चला है। उसने भड़काऊ वीडियो पोस्ट किए। पुलिस सूत्रों बताया कि यू-ट्यूबर ने अहसान मेवाती पाकिस्तानी के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बना रखा था। यूजर ने अपनी लोकेशन राजस्थान के अलवर बताई थी, हालांकि हकीकत में वह पाकिस्तान के इस्लामाबाद और लाहौर से वीडियो पोस्ट कर रहा था। जीशान ने पाकिस्तान एजुकेशन एवं रिसर्च नेटवर्क (पीईआरएन) के जरिए वीडियो अपलोड किए। इस सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क से पाकिस्तान के एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस को इंटरनेट दिया जाता है।

यह पाकिस्तान सरकार का ही हिस्सा है। जीशान ने मोनू मानेसर को मारने और नूंह में हिंसा के लिए उकसाया था। जिस दिन हिंसा जारी थी, उसी दिन आगजनी-तोड़फोड़ के फुटेज भी जारी कर रहा था। पुलिस को शक है कि जीशान का नूंह में मजबूत नेटवर्क है। पुलिस ने अब तक की जांच के आधार पर केस दर्ज करने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस कई ऐसे सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच कर रही है, जो हाल ही में बनाए गए हैं। इनसे लगातार भड़काऊ पोस्ट और वीडियो अपलोड किए गए हैं। इनमें से एक अहसान मेवाती का प्रोफाइल वायरल है। अब तक की जांच में पता चला है कि यह जीशान का प्रोफाइल है।

त्रिपुरा के स्कूल में छात्रा को हिजाब पहनने से रोका

लोग बोले-स्कूल से बाहर घसीटकर पीटा, प्रिंसिपल या टीचर बाहर नहीं आए

अगरतला, 5 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा के एक निजी स्कूल में हिजाब पहनकर आई छात्रा को अंदर जाने से रोक दिया गया। इसका विरोध साथी स्टूडेंट ने किया, तो कुछ लोगों ने उसके साथ स्कूल के बाहर मारपीट की। इस दौरान टीचर और स्कूल के अन्य लोग खड़े देख रहे थे, लेकिन कोई छात्रा को बचाने नहीं आया।

पुलिस ने कहा- प्रिंसिपल ऑफिस में छात्र ने तोड़फोड़ की थी

मामला सामने आने के बाद स्कूल के बाहर काफी विरोध-प्रदर्शन हुआ। एआईजी ज्योतिषमान दास का कहना है कि एक छात्र ने प्रिंसिपल ऑफिस में तोड़फोड़ की थी। इसके बाद जब वो स्कूल से बाहर निकल रहा था, तब विश्व हिंदू परिषद के कुछ लोगों ने उस पर हमला कर दिया। दास ने कहा कि इस मामले को धार्मिक हिंसा से न जोड़ें, पुलिस जांच कर रही है।

कोरोइमुरा हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल प्रियतोष नंदी ने घटना के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि सभी स्टूडेंट्स को स्कूल यूनिफॉर्म में आने का निर्देश दिया गया था। कुछ लड़कियों ने धार्मिक मान्यताओं की वजह से इसका विरोध किया। इसके बाद गुरुवार को कुछ लड़के भगवा कुर्ता पहनकर स्कूल पहुंचे, जब उन्हें टोका तो वे बोले कि हम यूनिफॉर्म में तब ही आएंगे जब सभी लोग इस नियम को मानें। नंदी ने बताया कि उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कुछ लोगों से इस मामले को लेकर बात भी की थी।

इलाके में पुलिस फोर्स तैनात, क्लॉस सस्पेंड की गई

पुलिस ने कहा है कि यह कोई सांप्रदायिक मुद्दा नहीं है। कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत जानकारी दी जा रही है। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया और जिन अकाउंट्स से फर्जी ट्वीट किए जा रहे हैं। उनकी जांच जारी है। इलाके में भारी पुलिस तैनाती है, यह विभिन्न समुदायों के सदस्यों वाली मिश्रित आबादी वाला इलाका है।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में मास्टरमाइंड सचिन का खुलासा

हत्या से पहले गैंगस्टर लॉरेंस ने विदेश भेजा कहा- यहां बड़ा कांड होने वाला है

अमृतसर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की साजिश में पकड़े गए गैंगस्टर लॉरेंस के भांजे सचिन थापन ने अब राज उगलने शुरू किए हैं। सचिन ने दिल्ली स्पेशल सेल की टीम को बताया कि यह पूरी प्लानिंग तिहाड़ जेल से शुरू हुई थी। लॉरेंस ने इस प्लानिंग में गोल्डी बराड़, सचिन और अनमोल को साथ जोड़ा था। इसीलिए अनमोल व सचिन को पुलिस से बचाने के लिए पहले ही विदेश भेज दिया था।

सचिन ने बताया कि लॉरेंस ने उसे फोन कर अनमोल व गोल्डी के संपर्क में रहने के लिए कहा था। इसके साथ ही आदेश दिया था कि वह विदेश चला जाए, यहां बड़ा कांड होने वाला है। यह आदेश मिलने के बाद उसका फेक पासपोर्ट बनाया गया और उसे दुबई भेज दिया गया। जहां उसका संपर्क गैंगस्टर विक्रम बराड़ से हुआ। दुबई जाने से पहले बता दिया गया था कि सिद्धू मूसेवाला का काम

करना है और अनमोल व गोल्डी बराड़ के संपर्क में रहे।

हथियारों को अपने पास रखा था सचिन ने

दिल्ली स्पेशल सेल के सामने सचिन ने ये भी खुलासा किया कि हत्या के लिए हथियार विदेश से आए थे। उसे हथियारों का इंतजाम करने को कहा था। गोल्डी बराड़ के कहने पर सचिन ने हथियारों को एक दिन अपने पास रखा था। उसे यह हथियार भिवानी में गोल्डी बराड़ का खास आदमी देकर गया था।

शूटर प्रियव्रत को बोल मंगवाई बोलेरो

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गोल्डी बराड़ ने सचिन को एक गाड़ी का इंतजाम करने को कहा था। सचिन ने राजस्थान के विदेश भाग चुके गैंगस्टर रोहित गोदारा से कहकर बोलेरो कार का इंतजाम किया था। राजस्थान नंबर की इस कार को शूटर प्रियव्रत व उसके साथी पंजाब लेकर आए थे। इसी कार का प्रयोग सिद्धू मूसेवाला की हत्या में किया गया।

दिल्ली के संगम विहार पते पर बना फर्जी पासपोर्ट

गैंगस्टर सचिन का फर्जी पासपोर्ट दिल्ली के संगम विहार इलाके के एक पते पर बनाया गया था। इस फर्जी पासपोर्ट में सचिन का नकली नाम तिलक राज टुटेजा लिखा था। इसकी जानकारी एजेंसियों को तब हुई, जब पुलिस ने गैंगस्टर्स के फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में पुलिस ने एक महिला समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया था।

खबरे जरा हटके

95 साल के दादा ने की शादी, खास कारण से जागी इस उम्र में ये इच्छा

इंसान को जीवन में एक पार्टनर जरुर चाहिए जो ताउम्र उसका साथ दे उसको समझे उसका ख्याल रखें. ये कपल एक-दूजे के बगैर अधूरे है और इस कमी का अहसास उस समय होता है जब दोनों में से कोई एक इस दुनिया से चला जाए. लेकिन कई लोग होते हैं जो समय देखकर दूसरी शादी कर लेते हैं और अपनी जीवन को दोबारा रिस्टार्ट करते हैं पर इसकी भी उम्र होती है. अगर उम्र ज्यादा हो जाए तो लोग इसके बारे में तरह-तरह की बातें करना शुरू कर देते हैं.

ऐसा ही एक मामला इन दिनों पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के मियांवाली जिले से सामने आया है. यहां मुहम्मद जकारिया नाम के एक शख्स 95 साल की उम्र में शादी की यहां हैरानी की बात यह है कि उन्होंने इसके लिए अपने बच्चों से सहमति ली. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मियांवाली के पखवाल चौक इलाके में रहने वाले मुहम्मद जकारिया अपनी पहली बीवी की मौत के बाद काफी अकेले पड़ गए थे.

क्यों जागी इस उम्र में इच्छा ?

साल 2011 में पत्नी की मृत्यु के बाद से वो अकेले रहने लगे. अपनी शादी को लेकर उन्होंने अपने बच्चों से जिक्र भी किया लेकिन उस समय उनके बच्चों ने समाज की फ्रिक का बहाना देकर इस इच्छा को सिरे से नकार दिया. बच्चों के फैसले के बाद वो और ज्यादा दुखी हो गए.हाल ही में कई सालों के बाद उनके सबसे छोटे बेटे ने उनकी इच्छा पूरी की और अपने लिए एक योग्य दुल्हन ढूंढ ली जिनसे उन्होंने शादी की. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुहम्मद ज़कारिया की दूसरी पत्नी भी विधवा और दोनों की शादी मियांवाली के एक हॉल में हुई. जहां दोनों काफी खुश नजर आए. इस बात की खबर जब लोगों को लगी तो उन्होंने इसको लेकर तरह-तरह की बातें करनी शुरू कर दी. किसी को ये बात सही लगी तो वहीं कई ऐसे लोग है जिन्होंने इस उम्र मे शादी के फैसले को गलत बताया.

ब्लू व्हेल नहीं, 4 करोड़ साल पहले ये थी सबसे बड़ी मछली

डायनासोर से भी ज्यादा था वजन

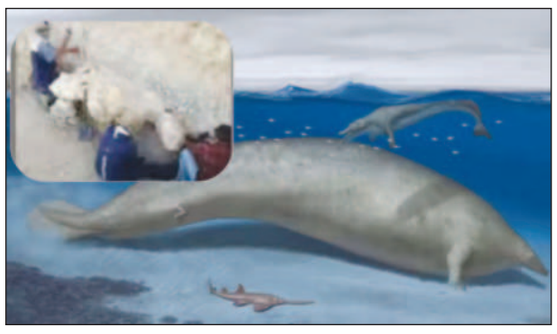

कुदरत की बनाई ये दुनिया रहस्यों से भरी पड़ी है और इस रहस्य के परत जब एक-एक करके खुलकर हमारे सामने आते हैं तो हम लोग हैरान रह जाते हैं. ऐसा ही एक रहस्य इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है. जिसके बारे में जानकर आज सारी दुनिया हैरान है. जब हम छोटे थे और चीजों के बारे में उतना नहीं जानते थे तो हमें यही बताया इस धरती पर सबसे बड़े प्राणी डायनासोर हुए है और मौजूदा समय में ब्लू व्हेल धरती के सबसे बड़े जीव है, लेकिन इन दिनों जो बात सामने निकलकर आई है वो उसने इन दोनों जीवों को अपने सामने बौना कर दिया.

दरअसल पेरू के एक रेगिस्तान में वैज्ञानिकों को इस धरती के सबसे बड़े जीव के बारे में पता चला है. ये जीव कोई और नहीं बल्कि एक मछली है.जिसका वजन लगभग 340 टन रहा होगा. इस वजन के हिसाब से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये जानवर ब्लू व्हेल से तीन गुना अधिक भारी रहा होगा. हालांकि ये कई हजार से पहले ही हमारी धरती से विलुप्त हो चुका है. इस पर खोजने करने वाले वैज्ञानिकों की मानें तो इसका नाम पेरुसेटस कोलोसस है.

इतना हो सकता है वजन ?

रिपोर्ट के मुताबिक इसके कुछ अवशेष यही रेगिस्तान में मिले है. इन्हें देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि ये लगभग 39 मिलियन वर्ष पहले यहां रहता होगा. इस बात की जानकारी डॉ. एली एमसन ने दी जो जर्मनी में स्टेट म्यूज़ियम ऑफ़ नेचुरल हिस्ट्री स्टटगार्ट के एक शोधकर्ता है. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि, ' हमें खोज के दौरान इस जानवर के लगभग अठारह हड्डियां बरामद हुई. इस जीव के बारे में और जानकारी के देते हुए उन्होंने कहा कि ये तरह की व्हेल थी. जिसे बेसिलोसॉरिड के नाम से दुनिया जानती है.

गंदी आदत के कारण कोमा में गया शख्स फिर लगी 52 लाख की लॉटरी !

हकीकत आई सामने तो हुआ शॉक्ड

ब्रिटेन से एक हैरान करने वाला मामला इन दिनों सामने आया है. जिसने हर किसी को चौंका कर रख दिया. दरअसल यहां शख्स कोमा में था और शख्स को 52 लाख की लॉटरी लगी लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो हर कोई हैरान था। शराब या किसी भी चीज का नशा इंसान को पूरी तरीके से बर्बाद कर देता है. ऐसे कई घर है जो सिर्फ शराब के कारण बर्बाद हुए है. इसके कई किस्से दुनिया के सामने भी आ चुके हैं लेकिन लोग है कि सुधरने का नाम ही नहीं लेते. इसी कड़ी में आज हम आपके के लिए एक ऐसा किस्सा लाए है. जहां एक शख्स ने शराब और नशीली दवाओं के चक्कर में अपने जीवन को इस तरीके से खराब कर लिया कि अब वह दूसरों को इस रास्ते पर ना चलने की सीख दे रहा है

रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला ब्रिटेन के आयरशायर का है जहां मार्क गिब्स नाम का एक शख्स अपने घर में लोगों को बेहोश मिला. उन्हें जब अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने कहा कि इनकी ये हालत शराब और नशीली दवाओं के कारण हुआ है. आलम तो ये था कि मार्क की किडनी और लीवर पूरी तरीके से खराब हो चुकी थी और उन्हें कोमा में जाना पड़ा. यहां मार्क को दो महीने कोमा में रहने पड़ा और इस दौरान मतिभ्रम के शिकार हो गए. इसमें वो चीजें सच लगने लगती है जो हम सिर्फ कल्पना करते हैं. ऐसा ही कुछ मार्क के साथ हुआ उन्होंने देखा कि उन्हें 52 लाख की लॉटरी लगी है और इसी अमीरी के कारण उनके तमाम उद्योगपति उनके फ्रेंड बन गए हैं.

'ज्ञानवापी सर्वेक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद क्या होगा, कौन जानता है...'?

ओवैसी का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दालत के आदेश के बाद पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) द्वारा ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया जा रहा है। अब इसे लेकर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने शनिवार को कहा कि एतिहासिक अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। ओवैसी ने ये भी कहा कि जब सर्वेक्षण की रिपोर्ट सार्वजनिक होगी तो कौन जानता है कि चीजें कैसे आगे बढ़ेंगी।

असदुद्दीन ओवैसी ने जताई चिंता

असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि 'ज्ञानवापी को लेकर एएसआई की रिपोर्ट जब सार्वजनिक की जाएगी तो कौन जानता है कि चीजें कैसे आगे बढ़ेंगी। उम्मीद करते हैं कि ना तो 23 दिसंबर और ना ही 6 दिसंबर की घटनाओं की पुनरावृति होगी।' बता दें कि 23 दिसंबर 1949 को राम लला की प्रतिमा बाबरी परिसर के भीतर 'प्रकट' हुई थी। वहीं 6 दिसंबर 1992 को

कारसेवकों की भीड़ ने विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया था। एआईएमआईएम चीफ ने आगे लिखा कि 'अयोध्या के एतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पूजा स्थल अधिनियम की पवित्रता के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का अनादर नहीं किया जाना चाहिए। उम्मीद करते हैं कि हजारों बाबरी के द्वार नहीं खोले जाएंगे।'

एएसआई कर रही वैज्ञानिक सर्वेक्षण

बता दें कि पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) की एक टीम ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कर रही है। यह सर्वे इस बात का पता लगाने के लिए हो रहा है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर के ऊपर किया गया है। मस्जिद के वजूखाना में स्थित एक ढांचे को छोड़कर बाकी पूरी मस्जिद का सर्वेक्षण किया जाएगा। हिंदू पक्ष का मानना है कि यह ढांचा शिवलिंग है। बता दें कि वजूखाने में स्थित ढांचे को सुप्रीम कोर्ट पहले ही सर्वेक्षण से सुरक्षित कर चुका है।

क्या है पूजा स्थल अधिनियम

पूजा स्थल अधिनियम के तहत देश में कोई भी पूजा स्थल, जो 15 अगस्त 1947 को जिस रूप में अस्तित्व में था, उसे उसी चरित्र में बनाए रखने और उसके रूपांतरण पर रोक लगाता है। यह कानून किसी पूजा स्थल को पूर्ण या आंशिक रूप से अलग धार्मिक संप्रदाय, यहां तक कि धार्मिक संप्रदाय के अलग खंड में भी परिवर्तित करने पर रोक लगाता है। इस कानून की धारा 5 के तहत राम जन्मभूमि विवाद और उससे संबंधित मुकदमे को इस कानून के प्रावधानों से सुरक्षित रखा गया था।

साल 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने अयोध्या विवाद पर फैसला दिया था तो कोर्ट ने भी पूजा स्थल अधिनियम की तारीफ की थी। कोर्ट ने कहा था कि यह कानून भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए बनाया गया था, जो कि संविधान के भी मूल चरित्र में से एक है।

भाजपा ने कपिल मिश्रा को बनाया दिल्ली प्रदेश संगठन का उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा ने कपिल मिश्रा को दिल्ली प्रदेश संगठन का उपाध्यक्ष बनाया है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कपिल मिश्रा को दिल्ली प्रदेश भाजपा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद कपिल मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा और वीरेन्द्र सचदेवा का आभार व्यक्त करते हुए ट्वीट कर कहा, ₹एक छोटे से कार्यकर्ता को इस प्रकार स्नेह पूर्ण अपनाना केवल भाजपा में ही संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अत्यंत आभार। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार इस ज़िम्मेदारी के योग्य मुझे समझने के लिए । गृह मंत्री अमित शाह का आभार जिनके मार्गदर्शन में दिल्ली बड़े परिवर्तन की ओर। दिल्ली के अध्यक्ष और मेरे बड़े भाई वीरेन्द्र सचदेवा का आभार जिन्होंने मुझे अपनी टीम का सदस्य बनाने योग्य समझा।

आपको बता दें कि, एक जमाने में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कुमार विश्वास के करीबी रह चुके कपिल मिश्रा आम आदमी पार्टी के विधायक और केजरीवाल सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। बाद में अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कपिल मिश्रा भाजपा में शामिल हो गए थे। कई वर्षों से भाजपा नेता के तौर पर कपिल मिश्रा लगातार केजरीवाल सरकार के खिलाफ हमलावर रहे हैं।

आत्महत्या पर अंकुश को संसदीय समिति की सलाह

असफल युवाओं को काउंसलिंग की व्यवस्था करे मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए संसदीय समिति ने स्वास्थ्य मंत्रालय को छात्रों की काउंसलिंग की सलाह दी है। समिति ने मंत्रालय को अपनी 24x7 हेल्पलाइन के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने वाले युवाओं को परामर्श देने का प्रावधान करने की सिफारिश की है।

समिति ने आत्महत्या के कारणों पर नजर रखने के तरीकों को मजबूत करने और उनकी संख्या में कमी लाने की सिफारिश की। समिति ने इस बात पर दुख जताया कि भारत में छात्रों व बेरोजगार युवाओं की आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है। किसानों की तुलना में अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, लेकिन किसानों की आत्महत्या को राष्ट्रीय संकट कहा गया है। हालांकि, शायद ही इस पर किसी का ध्यान गया हो।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की जाएं जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्रियां- संसदीय पैनल

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने डाटा और साक्ष्य आधारित नीतियों के निर्माण में मदद के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्रियां स्थापित करने की सिफारिश की। समति ने तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाने का भी सुझाव दिया है। इससे खपत कम होगी और बीमारियों का खतरा कम होगा।

कोविड बाद के स्वास्थ्य प्रभावों के आकलन के लिए हो सर्वेक्षण

स्वास्थ्य से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कहा कि जनता के महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोविड बाद मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। अपनी 148वीं रिपोर्ट में समिति ने कहा कि महामारी के चलते बच्चों, किशोरों में तनाव बढ़ा है। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा है।

प्रदीप सिंह वाघेला ने गुजरात भाजपा महासचिव पद से दिया इस्तीफा

बोले-कुछ ही दिनों में सब ठीक हो जाएगा

गांधीनगर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदीप सिंह वाघेला ने गुजरात भाजपा के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा को झटका लगा है। प्रदीप सिंह वाघेला गुजरात भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के बाद दूसरे ताकतवर नेता हैं। बीते दिनों राज्य में प्रदेश अध्यक्ष को बदलने की अटकलें लग रहीं थी। जिनमें नए प्रदेश अध्यक्ष की रेस में प्रदीप सिंह वाघेला प्रमुख उम्मीदवार बनकर उभरे थे। हालांकि अब उनकी विदाई से कई सवाल खड़े हो गए हैं। इस्तीफे पर प्रदीप सिंह वाघेला ने कहा है कि कुछ ही दिनों में सबकुछ ठीक हो जाएगा। वाघेला को गुजरात भाजपा के महासचिव पद पर 10 अगस्त 2016 को नियुक्ति हुई थी।

चर्चाओं का बाजार गर्म

प्रदीप सिंह वाघेला के इस्तीफे के बीच सूरत पर्चा कांड की चर्चा है। बता दें कि गुजरात के सूरत में बीते दिनों प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, सांसद प्रभु वासवा और चौर्यासी विधायक संदीप देसाई को बदनाम करने की कोशिश की गई थी। इन पर्चों में फंड को लेकर धांधली के आरोप लगाए गए थे। चौर्यासी विधायक संदीप देसाई ने इस मामले में क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। इस पर्चे कांड का शक पार्टी के ही नेताओं पर जताया जा रहा था। चर्चा है कि इस मामले की जांच में कई बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

ड्रैगन का खतरा ! 3 साल में सीमा पर बनी सड़कों में 60% का निर्माण अकेले चीन से सटे बॉर्डर पर, सरकार की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के सीमा पर बढ़ते आक्रामक रवैये को देखते हुए भारत सरकार भी तैयारियों में जुटी है। इन्हीं तैयारियों के तहत चीन सीमा पर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है ताकि सैनिकों की सीमा पर आवाजाही आसान और सुरक्षित हो सके। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने चीन सीमा पर ही करीब 60 प्रतिशत सड़कों का निर्माण बीते तीन सालों में ही किया है। सरकार ने संसद में यह जानकारी दी।

सरकार ने संसद में दी अहम जानकारी

रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने संसद में दिए एक लिखित जवाब में बताया कि अरुणाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा 507.14 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया गया है। इसके बाद लद्दाख में 453.59 किलोमीटर, उत्तराखंड में 343.56 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है।

सिक्किम में 164.95 किलोमीटर और हिमाचल प्रदेश में 40.23 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण बीआरओ द्वारा किया गया है। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान से लगती सीमा पर भी बीते तीन सालों में सड़क निर्माण में खासी

तेजी आई है। जम्मू कश्मीर में 443.94 किलोमीटर और राजस्थान में 311.14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, बीआरओ ने बीते तीन सालों में कुल 2445.54 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया है।

2020 की सीमा पर झड़प के बाद आई काम में तेजी

साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

इस झड़प के बाद सीमा पर सड़कों के निर्माण में खासी तेजी आई है। ना सिर्फ सड़कें बल्कि कई पुल, सैनिकों के लिए आवास, टनल और हैलीपैड्स भी सीमाई इलाकों में बनाए गए हैं। सड़कों के इन निर्माण से ना सिर्फ सीमा पर सैनिकों की आवाजाही में तेजी आएगी बल्कि यहां रहने वाले स्थानीय लोगों को भी इसका फायदा होगा।

बीआरओ को शक्तियों में किया गया इजाफा

आंकड़ों के अनुसार, बीआरओ को वित्तीय वर्ष 2022-23 में 923 करोड़ रुपए का आवंटन सड़कों की देखरेख के लिए किया गया था। इसमें से बीआरओ 846.46 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में खर्च किए गए 744.52 करोड़ से ज्यादा है। साथ ही सरकार ने बीआरओ की वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों में भी इजाफा किया है। बीआरओ के लिए आधुनिक उपकरण और औजारों की खरीद की गई है।

Government Of India
आज़ादी का अमृत महोत्सव
INDIAN RAILWAYS

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

तेलंगाना के 21 स्टेशनों का भी होगा पुनर्विकास

₹25 हजार करोड़ की लागत से 508 स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास

तेलंगाना के 21 स्टेशन ₹914 करोड़ की लागत से बनेंगे आधुनिक

- स्टेशन का शहर के सिटी सेंटर के रूप में होगा विकास, जहाँ होंगे रूफ प्लाज़ा, शॉपिंग ज़ोन, फूड कोर्ट, चिल्ड्रन प्ले एरिया जैसी कई सुविधाएँ
- यात्रियों की सहूलियत के लिए होंगे अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, मल्टी-लेवल पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, ट्रेवलेटर, एग्जीक्यूटिव लाउंज, वेटिंग एरिया, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ
- कनेक्टिविटी के मल्टी-मॉडल एकीकरण से पुनर्विकसित स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक प्रगति के केंद्र

तेलंगाना के पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशन

अदिलाबाद	हाई-टेक सिटी	जनगांव	काजीपेट जं	महबूबनगर	मलकागिरी	तंदूर
भद्राचलम रोड	उप्पुगुडा	कामारेड्डी	खम्मम	महबूबाबाद	निज़ामाबाद	यादाद्री
हफिजपेट	हैदराबाद	करीमनगर	मधिरा	मलकपेट जं.	रामगुंडम	ज़हीराबाद

परियोजना का शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) **6 अगस्त, 2023, सुबह 11 बजे**

गरिमामयी उपस्थिति

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

रावसाहेब पाटिल दानवे
केन्द्रीय राज्यमंत्री, रेल, कोयला और खान मंत्रालय

दर्शना जरदोश
केन्द्रीय राज्यमंत्री, रेल एवं वस्त्र मंत्रालय

A1232 PUB0879

DD NEWS पर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देखें

डिप्टी सीएम तेजस्वी चुनाव से पहले जाएंगे जेल ?

केंद्रीय मंत्री का दावा–उनके खिलाफ काफी सबूत हैं, चुनाव से पहले वो बाहर रहेंगे क्या?

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव चुनाव के पहले जेल जाएंगे। यह दावा भाजपा सांसद व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री राज कुमार सिंह ने किया है। कहा है कि वे चार्जशीटेड हैं। उनके खिलाफ काफी सबूत हैं। चुनाव के पहले के बाहर रहेंगे क्या?

इंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि नाम से क्या होता है। इंडियन मुजाहिदीन भी है। उसका क्या हुआ? आईएनडीआईए के सहयोगियों के 2G और कोल स्कैम कहीं गए नहीं हैं। कोर्ट में पेंडिंग पड़ा हुआ है। सहयोगी दलों के नेता इसमें आरोपित हैं।

गठबंधन को कहां-कितनी सीटें मिल सकेंगी ?

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आज पटना आए हैं। जिला अतिथिशाला में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संख्या धीरे-धीरे घट रही है। कांग्रेस समाप्ति की ओर जा रहा है। पार्लियामेंट में इनकी संख्या कितनी रहेगी? दूसरी तरफ देखेंगे कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी में गठबंधन है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी क्या कांग्रेस को एक भी सीट देगी। बंगाल में क्या तृणमूल कांग्रेस को सीट देगा।

आरके सिंह ने कहा कि उधर साउथ में जाइए तो डीएमके और कांग्रेस के बीच समझौता होगा क्या? विपक्षी एकता का सिर्फ दिखावा है। इंडिया की ओर से कोई चुनौती नहीं है। राहुल गांधी भी बीजेपी के लिए कोई चुनौती नहीं हैं। वह अपना चुनाव हार जाते हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर आरके सिंह कहते हैं कि वो जानते हैं कि उनका समय खत्म हो गया है। वह 40-42 सीट पर आ चुके हैं। अगले चुनाव में क्या राजद 40 सीट से ज्यादा दे सकता है? उनका कद छोटा हो चुका है। वे खुद घोषित कर चुके हैं कि अगले चुनाव में नहीं रहूंगा।

आरा स्टेशन के जीर्णोद्धार के लिए मैंने कहा

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि रेल मंत्री को हमने बताया था कि जीर्णोद्धार वाले कामों में आरा स्टेशन को जोड़ दीजिए। उन्होंने तुरंत इसे जोड़ा। इसके लिए उन्हें धन्यवाद। वैसे आरा स्टेशन पर पहले से बहुत सुविधाएं मौजूद हैं। ऊर्जा मंत्री ने पीएम मोदी को भी धन्यवाद दिया है।

अतीक के इलाके में फिर बमबाजी

बाइक से 2 नकाबपोश बदमाश आए, घर के बाहर खड़े युवक पर किया हमला

प्रयागराज,5 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में अतीक के इलाके यानी करेली थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात नकाबपोश 2 बदमाशों ने युवक पर बम से हमला कर दिया। पीड़ित जब घायल होकर जमीन पर गिर गया तो बदमाश फरार हो गए। बमबाजी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बमबाजी के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

करेली के गौसनगर निवासी मोहम्मद आमान उर्फ अंशू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया, रात 9:13 बजे मैं घर के बाहर फोन पर बात कर रहा था। उसी समय गली से बाइक सवार नकाबपोश 2 बदमाश आए। फोन पर बात करते समय एक बदमाश आया और पीछे से हमला कर मुझे गिरा दिया। गिरने के बाद उठने की कोशिश कर ही रहा था कि बम फेंक दिया। इससे मेरे कंधे पर गंभीर चोट आई है। इसके बाद दूसरे बदमाश ने भी बम से हमला किया। जब तक मैं सोच-समझ पाता तब तक बदमाश फरार हो गए।

मोहम्मद अमान पर पीछे से हमला कर बदमाश ने गिरा दिया। जब तक वह किसी से मदद की गुहार लगाता, बदमाश बम फेंक कर भाग गए।

मोहम्मद अमान पर पीछे से हमला कर बदमाश ने गिरा दिया। जब तक वह किसी से मदद की गुहार लगाता, बदमाश बम फेंक कर भाग गए।

ससुराल वालों पर लगाया हमले का आरोप

पीड़ित मोहम्मद अमान का आरोप है कि बदमाश ने तमंचे से एक फायर भी किया है। पीड़ित ने ससुराल वालों पर हमले का शक जाहिर किया है। आरोप है कि उसको पहले भी ससुराल वालों ने धमकी दी है। कई बार हमला करने की कोशिश की गई है। यह भी आरोप है कि पीड़ित को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा चुकी है, जिसकी लिखित शिकायत उसने पुलिस उपायुक्त से की थी। करेली थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से अज्ञात हमलावरों की पहचान की जा रही है।

पबजी एडिक्ट ने मां–बाप को पीट–पीटकर मार डाला

हत्या के बाद नहाया, कपड़े बदले; पुलिस पहुंची तो हंसते हुए बोला-हां...मैंने मारा

झांसी,5 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी में पबजी एडिक्ट 26 साल के बेटे ने तवा मारकर मां-बाप की हत्या कर दी। इसके बाद वह नहाया। कपड़े बदले और कमरे में जाकर आराम से बैठ गया। हत्या की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो आरोपी बेटा चारपाई पर बैठा मिला।

पुलिस को देखकर हंसने लगा। इंस्पेक्टर ने पूछा तो पहले कुछ नहीं बोला। फिर बोला- हां, मैंने ही मारा है। आरोपी का नाम अंकित है। बहन नीलम ने बताया कि भाई पबजी का एडिक्ट हो गया था। उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। पिता उसको गेम नहीं खेलने देते थे। इसको लेकर अक्सर लड़ता था। शक है कि इसी विवाद में उसने वारदात की। मृतक लक्ष्मी प्रसाद की छोटी बेटी उरई में रहकर पढ़ाई कर रही है। वारदात की सूचना मिलने पर वह घर पहुंची तो बेहोश होकर गिर पड़ी।

मृतक लक्ष्मी प्रसाद की छोटी बेटी उरई में रहकर पढ़ाई कर रही है। वारदात की सूचना मिलने पर वह घर पहुंची तो बेहोश होकर गिर पड़ी। 3 बहनों में अकेला भाई, पिता सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल थे वारदात नवाबाद थाना क्षेत्र के पिछौर में हुई। यहां लक्ष्मी प्रसाद (58), पत्नी विमला (55) के साथ रहते थे। वह पलरा के सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल थे। बेटा अंकित (26) साथ रहता था। जबकि तीन बेटियों में बड़ी बेटी नीलम और सुंदरी की शादी हो चुकी थी। नीलम का ससुराल पड़ोस की कॉलोनी में है। छोटी बेटी शिवानी उरई में रहकर पढ़ाई कर रही है।

अंकित ने घर पर ही मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता था। बहन नीलम ने बताया कि 6 महीने से वो मोबाइल पर गेम बहुत ज्यादा खेलता था। उसका व्यवहार भी बदल गया था। मम्मी-पापा से मारपीट भी करता था। उससे सभी परेशान थे।

बहन ने पड़ोसी को फोन किया, तब वारदात का पता चला

बहन नीलम ने बताया कि शनिवार सुबह वह पिता लक्ष्मी प्रसाद को फोन कर रही थी, लेकिन उनका फोन पिक नहीं हुआ। इसके बाद पड़ोस में रहने वाले काशीराम को कॉल किया। उनसे घर जाकर देखने के लिए कहा। जब घर पहुंचे तो मेन गेट खुला मिला। जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला तो जमीन पर खून फैला था। पिता की सांसें थम चुकी थीं। जबकि मां विमला कराह रही थीं। पड़ोसी काशीराम ने नीलम और पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो मां विमला को तुरंत मेडिकल कॉलेज ले गई।

वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस घर के अंदर पहुंची तो एक कमरे में अंकित था। पुलिस ने बताया कि वह चारपाई पर आराम से बैठा हुआ था।

हत्या के बाद नहाया, कपड़े बदले

इंस्पेक्टर सुधाकर मिश्रा ने बताया कि अंकित को इस हत्या का कोई अफसोस नहीं था। मानसिक तौर पर वह ठीक नहीं लग रहा था। हत्या के बाद उसने भागने की कोशिश नहीं की। जख्मी हालत में मां फर्श पर पड़ी कराहती रही। पुलिस को शक है कि 12 से 2 बजे के बीच उसने हत्या की है। लाशों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

मेरे पापा को मारने वालों का एनकाउंटर हो

दरोगा की एसआई बेटी बोली- ये गहरी साजिश, बाइक पर बैठकर दो गोली एक ही जगह पर कैसे मारी गई?

कन्नौज,5 अगस्त (एजेंसियां)। 1 महीने पहले ही मुझे बेबी हुआ था...पापा उस समय वर्क लोड की वजह से मुझे देखने नहीं आ पाए थे। लेकिन वह फोन पर मेरा और बच्चे का हालचाल लिया करते थे। वो कह रहे थे जल्द ही बच्चे से मिलने आऊंगा, लेकिन अब पापा कहां आएंगे, वो तो मेरे बच्चे को एक झलक देख भी नहीं पाए।

अब तो हमारा सब खत्म हो गया है। पापा हम सबको छोड़कर चले गए हैं। बड़ा सवाल यह है कि बाइक से उनको दो गोली एक ही जगह पर कैसे मारी गई। ये गहरी साजिश है। अब हम लोग बस यही चाहते हैं, पापा को मारने वालों का एनकाउंटर हो।

फिरोजाबाद में गुरुवार देर रात दरोगा दिनेश मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ये शब्द उन्हीं की बड़ी बेटी के हैं। दिनेश मिश्रा की बड़ी बेटी सरिता मिश्रा लखनऊ के डीजीपी ऑफिस में एसआई हैं। उनका कहना है, इस तरह से पुलिसवालों को मारने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे लोगों को छोड़ना नहीं चाहिए।

फिरोजाबाद के थाना अरांव में तैनात दरोगा दिनेश मिश्रा को गुरुवार रात को तब गोली मारी गई थी, जब वह अपने एक साथी के साथ बाइक से दहेज हत्या के मामले में केस डायरी बनाकर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि तभी उनको पीछे से बाइक से आए 2 बदमाशों ने गोली मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई।

दरोगा को गोली मारने की सूचना उनकी बाइक पर पीछे बैठे युवक धीरज शर्मा ने ही पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस दरोगा को अस्पताल लेकर पहुंची थी, जहां उनको मृत बता दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया।

बूढ़े माता-पिता दूर से ही अपने बेटे का शव देखकर रोते रहे

पोस्टमॉर्टम के बाद उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार की सुबह पुलिस लाइन लाया गया था। यहां पुलिस अधिकारियों ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दरोगा का शव जब उनके गांव सकतपुर पहुंचा। वहां उनके गांव के दोस्तों ने भारी मन से उनके शव को कांधा दिया। पत्नी और दोनों बेटियां बार-बार बेहोश हो जाती। वहीं बूढ़े माता-पिता अपनी झुकी आंखों से दूर से ही बेटे के शव को देखकर रोते रहे। शव के अंतिम संस्कार के बाद जब दैनिक भास्कर की टीम दिनेश के घर पहुंची तो कोई भी बात करने की हालत में नहीं था।

पापा से एक दिन पहले फोन पर बात हुई थी: बेटी सरिता

बहुत हिम्मत करके दिनेश की बड़ी बेटी सरिता ने हमसे बात की। उन्होंने हमें बताया कि पापा से एक दिन पहले बहुत देर तक फोन पर बात हुई थी। तब मम्मी भी उनके साथ थी।

हम लोग केस के बारे में बात कर रहे थे। तब भी पापा ने हमें कुछ नहीं बताया था। न वो परेशान लग रहे थे।

गाजियाबाद में 5 कुत्तों ने मासूम को घेरा–नोंचा

झपट्टा मार कपड़े खींचते रहे कुत्ते; सोनभद्र में 6 स्टूडेंट्स को काटा

गाजियाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद से कुत्तों के आतंक का एक वीडियो सामने आया है। इसमें 5 कुत्ते घेरकर एक बच्चे को नोंच रहे हैं। बच्चे के चिल्लाने पर कुत्ते उस पर और तेज झपट्टा मारते हैं। बच्चा जब भागने की कोशिश करता है तो कुत्ते उसे काटने लगते हैं। इस बीच एक डिलीवरी ब्वॉय ने आकर मासूम की जान बचाई। वहीं, दूसरी घटना सोनभद्र की है। यहां एक कुत्ते ने स्कूट के बाहर निकले 5 स्टूडेंट्स को काट लिया।

पहली घटना राजनगर एक्सटेंशन में ऑफिसर सिटी-1 कॉलोनी की है। इसका सीसीटीवी वायरल हो रहा है। इसे देखकर रेजिडेंट्स बच्चों की सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। लोग सोसाइटी में स्ट्रीट डॉग्स की एंट्री और एनिमल लवर्स पर सवाल उठा रहे हैं।

वीडियो में एक बच्चा सोसाइटी के अंदर जाता दिख रहा है। तभी अचानक 5 कुत्ते आ जाते हैं। उन्हें देखकर बच्चा रुक जाता है। बच्चा कुत्तों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन वह बच्चे को घेरकर काटने लगते हैं। बच्चा जब भागने की कोशिश करता है तो कुत्ते उसे दौड़ाने लगते हैं। इस बीच, कुत्ता एक कार के पास जाकर खड़ा होता है तब जाकर कुत्ते उसे नोंचना छोड़ते हैं।

हालांकि, कुछ देर के बाद कुत्ते उस पर फिर अटैक करने की कोशिश करते हैं। तभी वहां से गुजर रहा एक डिलीवरी ब्वॉय आता है। इसके बाद उसने कुत्तों को वहां से भगाया। इस बीच, पीछे से एक महिला भी वहां आ जाती हैं। सीए अनुज मित्तल ने इस घटना के सीसीटीवी को अपने ट्विटर अकाउंट पर भी शेयर किया है।

उधर, पीपल्स फॉर एनिमल गाजियाबाद की अध्यक्ष सुरभी रावत ने कहा, इस सोसाइटी के लोग आए दिन कुत्तों के छोटे-छोटे बच्चों और कुत्तों को गाड़ी से कुचलते रहते हैं। फिर हम जानवर से कैसे उम्मीद कर सकते हैं? जबकि हम खुद इंसान होकर ये शर्मसार हरकत कर रहे हैं। क्या किसी को बेरहमी से मारना सही है। कुत्तों पर हमला हो रहा है, इसीलिए वे हिंसक हो रहे हैं।

सोनभद्र में शुक्रवार को पागल कुत्ते ने 6 छात्र- छात्राओं के हाथों पर काट लिया। सभी छात्र दोपहर का लंच करने के लिए गेट के बाहर गए थे। तभी कुत्ते ने हमला कर दिया। घायलों में 5 छात्राएं और 1 छात्र शामिल है। घटना घोरावल नगर स्थित भारतीय इंटर कॉलेज के पास की है।

सभी छात्र-छात्राओं को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया है। डॉक्टरों की टीम ने सभी का हालत खतरे से बाहर बताई है।

सभी छात्र-छात्राओं को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया है। डॉक्टरों की टीम ने सभी का हालत खतरे से बाहर बताई है।

कॉलेज के शिक्षकों ने बताया कि सभी स्टूडेंट्स लंच करने के लिए गेट के बाहर गए थे। तभी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते के हमले में अनिल कुमार कक्षा 12, सोनम कक्षा 11, आरती कक्षा 11, पूनम कक्षा 12, राधिका कक्षा 9 व अनामिका कक्षा 10 जख्मी हो गए। सभी छात्र-छात्राओं को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया।

मेरठ में तेज बारिश, आज 48 जिलों में अलर्ट

प्रदेश में 24 घंटे में औसत से 152% ज्यादा बारिश, मुरादाबाद में सबसे ज्यादा 101 मिमी. रिकॉर्ड

कानपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में बारिश का दौर जारी है। मेरठ में दोपहर करीब ढाई बजे तेज बारिश हुई। आगरा में सुबह 1 घंटे बारिश हुई। लखनऊ में शुक्रवार आधी रात तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 28 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं 20 जिलों में मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, बारिश का सिलसिला अब 10 अगस्त तक जारी रह सकता है। बीते 24 घंटे में मुरादाबाद में सबसे अधिक 101 मिमी. बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, बरेली, पीलीभीत, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, कानपुर नगर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, रायबरेली, प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

आगरा, फिरोजाबाद, कौशांबी, बदायूं, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, झांसी, ललितपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, लखीमपुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया और संतकबीर नगर में मध्यम से हल्की बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। यहां तेज हवाएं भी चल सकती हैं। प्रदेश में शुक्रवार को औसत से 152% ज्यादा बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक 18.40 मिमी. हुई, जबकि बीते सालों में औसत बारिश 7.30 मिमी. थी। CSA यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय के मुताबिक उत्तरी छत्तीसगढ़ पर बना हुआ गहरा निम्न दबाव का क्षेत्र अब उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के आसपास के हिस्सों पर आ चुका है। इसके उत्तरी मध्य प्रदेश में पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में बढ़ने की उम्मीद है। 4 अगस्त की शाम तक कमजोर होकर निम्न दबाव में तब्दील हो सकता है।

यूपी में बीजेपी का 'मिशन डिमॉलिशन' जारी रहेगा ?

भूपेंद्र चौधरी का जवाब, सपा के साथ जो गया वह कहीं का नहीं रहा, कांग्रेस-बसपा का हाल देखिए

लखनऊ,5 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में बड़े बदलाव दिखने वाले हैं। पार्टी यूपी में 50% जिलाध्यक्ष बदलने की तैयारी कर चुकी है। ये भी तय है कि लोकसभा में एनडीए रालोद का साथ चाहती है। शायद इसीलिए, पर्दे के पीछे जयंत चौधरी को एनडीए में लाने की कवायद चल रही है। अब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी इसके संकेत दिए हैं। कहा कि अगर वो आते हैं तो हम स्वागत करेंगे।

पश्चिमी यूपी और जाट बिरादरी पर पकड़ रखने वाले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को आमंत्रित किया। उन पर सवालों की झड़ी की। इस दौरान चुनावी रणनीति की किताब के कई पन्ने पलटे तो सामने निकलकर कुछ रोचक किस्से और चुनाव की तैयारियों की खास बातें आईं।

जवाब : (हंसते हुए) मैंने भाजपा में लंबे वक्त तक संगठन का काम किया। संगठन में काम करने का एक्सपीरियंस है। मुझ पर मेरी पार्टी ने, पीएम मोदी, सीएम योगी ने जो भरोसा जताया है। मुझसे लीडरशिप की जो अपेक्षा है। उसे पूरे मन से निर्वहन कर रहा हूं। संगठन, विचारधारा से जुड़े लोगों का बड़ा समूह है। यही भाजपा को एक बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करता है।

सवाल: पीडीए के बाद अब आईएनडीआईए बना है। अखिलेश बोल रहे हैं, लेकिन बीजेपी इस पर बोलने से बच रही है। ऐसा क्यों?

जवाब : जहां तक गठबंधन का विषय है। सपा गठबंधन धर्म निभाना नहीं जानती है। 2017, 2019 और 2022 का गठबंधन देखो। जिनके साथ थे, वो अब कहां हैं? चुनाव आता है, तब गठबंधन का राग अलापना शुरू करते हैं। जनता सब जानती है।

कांग्रेस और सपा कहां हैं? मायावती अब कहां हैं? ये फोटो सेशन की तरह है। इससे सभी विपक्षी दल भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। ये किसी से भी गठबंधन कर लें। मोदी जी का गठबंधन जनता से है। जनता का गठबंधन देश से है।

सवाल : चुनाव में ज्यादा वक्त नहीं है। लक्ष्य 80 सीटों का है। कैसे पूरा करेंगे?

जवाब : हमारा एजेंडा गरीब कल्याण और विकास है। ये मोदी-योगी के नेतृत्व में हो रहा है। 2014 फिर 2019 में सिर्फ 2 सीट, रायबरेली और मैनपुरी नहीं जीत सके। 2019 में हमने इतिहास रचा। 50% से ज्यादा वोट भाजपा को मिले। सेवा कार्य, सरकार का रिपोर्ट कार्ड, लेखा-जोखा लेकर हम जनता के बीच हैं। मुझे भरोसा है कि हम प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेंगे।

सवाल : चुनावी समय है, प्रदेश में नए प्रभारी की तलाश जारी है, कौन हो सकता है?

जवाब : (सोचते हुए) प्रदेश के प्रभारी का कार्य किसी राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी को मिलता है। अब तक राधा मोहन सिंह रहे। केंद्रीय नेतृत्व को इसे तय करना है। जो भी निर्णय पार्टी करेगी, वो प्रभारी उत्तर प्रदेश में होंगे। फिलहाल, संगठन का कार्यकाल जून 2024 तक का है।

मुजफ्फरपुर कोर्ट परिसर में महिला और पुरुष भिड़े

जमकर हुई मारपीट, चप्पल से पीटा, शर्ट भी फाड़ा पुलिस ने शांत करवाया मामला

मुजफ्फरपुर,5 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर कोर्ट परिसर में दो महिला और पुरुष के बीच जमकर मारपीट हुई। महिला ने जमकर चप्पल भी बरसाए। शर्ट भी फाड़ी। इस दौरान मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। मौके पर भीड़ जुट गई। नगर थाने के थानेदार श्री राम सिंह मौके पर पहुंचे। दोनो पक्षों को शांत कराया। दोनों को अलग कराया गया। इसके बाद अन्य पुलिस कर्मियों को बुलाया गया। तब तक, दोनों पक्ष निकल गए।

घटना को लेकर पिटाई कर रही एक महिला बोली कि बेगुसराय से दोनों व्यक्ति आए हैं। हमलोग को परेशान कर रहे थे। वहीं पिटाई में घायल युवक ने कहा कि दोनों में से किसी महिला को नहीं पहचानते हैं। एक अन्य लड़की भी थी। उसे भी नहीं पहचानते हैं। वो लोग क्यों मारपीट कर रही हैं। इन्हें नहीं पता है। वे ब्रह्मपुरा के रहने वाले हैं। पीछे से आई। अचानक से गाली गलौज कर हाथापाई करने लगी। उसके साथ एक व्यक्ति भी था। उसने भी मारपीट की। उसने कहा कि हमको क्या पता कौन है। हमारा यहां केस चल रहा है। हम उसी के सिलसिले में आए थे। इसी बीच मारपीट करने लगे। मोबाइल छीन ली गई। वे हमारे परिचित नहीं है।

मोतिहारी में एनआईए की रेड..पीएफआई के 2 एक्टिव सदस्य गिरफ्तार

एक देसी कट्टा बरामद; सरगना याकूब की निशानदेही पर हुई कार्रवाई

मोतिहारी, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मोतिहारी में एनआईए की टीम ने दबिश दी और पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के 2 सदस्य को गिरफ्तार किया है। हथियार के साथ दो सक्रिय सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की टीम ने शनिवार की सुबह स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। जिसमें सफलता मिली।

पकड़े गए शाहिद रेजा और मो. कैफ को थाने ले जाया गया। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। इनसे मिली जानकारी के आधार पर अन्य जगह छापेमारी जारी है। दोनों की गिरफ्तारी 19 जुलाई को अरेस्ट हुए पीएफआई के सरगना उस्मान उर्फ सुल्तान उर्फ याकूब की निशानदेही पर हुई है।

याकूब के करीबी थे दोनों

गिरफ्तारी की पुष्टि एसपी कांतेश मिश्रा ने की है। दरअसल, एनआईए की टीम को सूचना मिली थी कि पीएफआई के दो सक्रिय सदस्य चकिया में है। जिसके बाद एनआईए की दो सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और एसपी कांतेश कुमार मिश्रा से संपर्क किया।

एसपी ने चकिया थाना के सहयोग से थाना क्षेत्र के ऑफिसर कॉलोनी में छापेमारी की। जहां से शाहिद रेजा (20) और मो. कैफ को गिरफ्तार किया है। शाहिद के पास से एक कट्टा बरामद हुआ है। शाहिद रेजा की कपड़ों की दुकान है और मो. कैफ बालू-गिट्टी का व्यवसाय करता था। ये दोनों याकूब के करीब थे। दोनों ने पीएफआई जॉइन की थी। बताया जा रहा है कि कैफ और रजा बड़े शातिर हैं। पीएफआई की गतिविधियों को सुचारु रूप से चलाने और पहचान छिपाने के लिए आम जनों से जुड़े रहते हैं। दोनों गुप्त तरीके से इलाके में पीएफआई की गतिविधियां संचालित करते हैं। नए-नए लोगों को ग्रुप से जोड़ने का काम करते हैं।

मालूम हो कि 19 जुलाई को एटीएस की टीम ने मोतिहारी पुलिस के सहयोग से पीएफआई के मुख्य सरगना याकूब को चकिया थाना क्षेत्र गवंद्रा गांव के मदरसे से गिरफ्तार किया था। याकूब की निशानदेही पर एनआईए की 2 सदस्यीय टीम ने पुलिस के सहायता से पीएफआई के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आगे कार्रवाई जारी है।

फरीदकोट कोर्ट में विक्रम बराड़ पेश

कोटकपूरा पुलिस को 3 दिन का रिमांड मिला, 25 लाख की फिरौती मांगने का आरोपी गैंगस्टर

फरीदकोट, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के फरीदकोट जिले की अदालत में आज गैंगस्टर विक्रम बराड़ को पेश गया, जहां से कोटकपूरा पुलिस को विक्रम का 3 दिन का रिमांड मिला। विक्रम पर कोटकपूरा शहर में 25 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला दर्ज है। मामले में लॉरेंस गैंग से जुड़े गैंगस्टर विक्रम बराड़ को कोटकपूरा पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आई है।

दिल्ली कोर्ट से मिला ट्रांजिट रिमांड

गैंगस्टर विक्रम बराड़ को 10 दिन पहले दिल्ली पुलिस यूएई से गिरफ्तार करके भारत लाई थी। भारत आने के बाद से विक्रम बराड़ से एनआईए ने पूछताछ की, जिसके बाद शुक्रवार को दिल्ली कोर्ट में विशेष जज शैलेन्द्र मलिक की अदालत में विक्रम बराड़ को पेश किया, जहां से कोटकपूरा पुलिस को विक्रम का ट्रांजिट रिमांड मिला।

डेरा प्रेमी की हत्या का आरोपी विक्रम

बराड़ को लॉरेंस गैंग का खास मेंबर माना जाता है। ऐसे में पुलिस उससे पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बारे में भी

पूछताछ करेगी। कोटकपूरा में एक डेरा प्रेमी की हत्या के आरोप भी विक्रम बराड़ पर लगे हैं। हत्या करने से पहले विक्रम बराड़ द्वारा डेर प्रेमी की रेकी की गई थी।

4 साल पहले बहन की शादी में आया था गांव

विक्रम बराड़ को बब्बू के नाम से लोग जानते हैं। वह राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा कस्बे से 5 किलोमीटर दूर सूरतगढ़ हाईवे पर स्थित डिंगा गांव का रहने वाला। मां जसविंदर कौर बीमार हैं, दौरे भी पड़ते हैं। घर के पास ही बने रामदेव मंदिर से विक्रम के पिता जगराज (गुरजंट सिंह) पुजारी हैं। गांव में भंडारे और जागरण समेत धार्मिक कार्यक्रम भी कराते हैं। आखिरी बार 4 साल पहले अपनी बहन समनदीप कौर की शादी में वह गांव आया था।

विदेश जाना चाहता था, आईईएलटीएस करने चंडीगढ़ गया

जगराज ने बताया कि विक्रम उनका इकलौता बेटा है। विक्रम डिस्ट्रिक्ट लेवल क्रिकेटर था। पढ़ाई में भी अच्छा था। विदेश जाने का सपना था। इसके लिए वह (इंटरनेशनल इंग्लिश लैंग्वेज टेस्टिंग सिस्टम) का एग्जाम क्लियर करना चाहता था। बेटे के सपनों को पूरा करने के लिए उसे 2013 में चंडीगढ़ भेजा लेकिन वह गैंगस्टर बन गया। चंडीगढ़ जाने के बाद कुछ दिन सब ठीक रहा, लेकिन पता नहीं कब वो सोपू नाम के स्टूडेंट ग्रुप से जुड़ गया।

दुबई से चला रहा लॉरेंस गैंग

पुलिस के मुताबिक, विक्की बराड़ लॉरेंस ग्रुप का गैंगस्टर है। वह राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का भी करीबी रह चुका है। फिलहाल दुबई से लॉरेंस के लिए काम करता है। ,12वीं पास विक्रमजीत उर्फ विक्की बराड़ ने एक बुकी से फिरौती मांगी थी। इस मामले में वह वांटेड है। उसका एक्टिव एरिया चंडीगढ़ और उसके आसपास का है। देशभर में बराड़ पर 24 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तरप्रदेश की पुलिस उसे ढूंढ रही है। वहीं पीलीबंगा थाने में उस पर पिछले साल एक आढ़त व्यापारी पुरुषोत्तम अग्रवाल को वॉट्सऐप कॉल पर मारने की धमकी देकर 30 लाख रुपए मांगने का मामला दर्ज है। इस मामले में लोकल पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही है।

72 साल की महिला के खिलाफ मामला दर्ज

पुणे हवाईअड्डे पर बम की अफवाह फैलाने का आरोप

पुणे, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के लोहेगांव अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक अजीबोगरीब घटना के संबंध में 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, महिला ने कथित तौर पर हवाईअड्डे के कर्मचारियों को धमकी दी थी कि उसके शरीर पर बम लगे हुए हैं। यह घटना गुरुवार को हवाईअड्डे के तलाशी बूथ पर हुई, जिससे वहां दहशत फैल गई और हवाईअड्डे के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई।

आरोपी महिला की पहचान सूर्या विहार उद्योग विहार, गुरुगांव इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स निवासी 72 वर्षीय नीता प्रकाश कृपलानी के रूप में हुई है। घरेलू उड़ान में चढ़ने से पहले जब वह सुरक्षा जांच से गुजर रही थीं, तो कृपलानी ने कथित तौर पर सतर्क सीआईएसएफ कर्मचारियों के सामने एक चौंकाने वाला दावा किया कि उनके शरीर पर बम लगे हुए हैं।

विधवा महिला को मंदिर में जाने से रोका

मद्रास एचसी ने कहा-महिला की पहचान मैरिटल स्टेटस से नहीं, खत्म करनी होगी ये प्रथा

चेन्नई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने विधवा महिलाओं के मंदिर में जाने से रोकने वाली प्रथा की कड़ी निंदा की है। कोर्ट ने कहा की कानून से चलने वाले इस सभ्य समाज में कभी ऐसा नहीं हो सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी थंगामणि नाम की एक महिला याचिकाकर्ता के केस पर की। दरअसल, तमिलनाडु के इरोड जिले में 9 और 10 अगस्त को होने वाले त्योहार होना है। विधवा होने के कारण महिला ने पेरियाकरुपरायन मंदिर में पूजा के लिए पुलिस प्रोटेक्शन की मांग की है।

कोर्ट ने कहा-ये प्रथाएं महिलाओं का अपमान करती हैं

कोर्ट ने कहा कि अभी भी विधवा महिलाओं के मंदिर में जाने को अपवित्र समझा जाता है, राज्य में पुरानी मान्यता अभी भी प्रचलित है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, समाज सुधारक ऐसी बेतुकी प्रथाओं को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो अभी भी राज्यों को कुछ गांवों में जारी हैं। ये प्रथा पुरुषों ने अपनी सुविधाओं के

लिए बनाई है। ये प्रथा सिर्फ महिलाओं का अपमान करती है, क्योंकि उसने अपने पति को खो दिया। जस्टिस आनंद वेंकटेश ने कहा कि महिला का अपना एक स्टेटस है और अपनी एक पहचान है। महिला के मैरिटल स्टेटस के आधार पर उसे किसी तरह से कम नहीं आंका जा सकता ना ही अपमान किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सभ्य समाज में ऐसा नहीं चल सकता जहां पर कानून का शासन हो। जो भी व्यक्ति किसी विधवा को मंदिर में जाने से रोकता है ऐसे में उस पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

याचिकाकर्ता बोली-पति की मौत के बाद मंदिर में नहीं मिल रही इंट्री

थंगामणि ने कोर्ट को बताया कि उनके पति मंदिर में पुजारी थे। उनके पति की मौत 28 अगस्त 2017 को हुई। अब वो अपने बेटे के साथ मंदिर में पूजा करना चाहती है, लेकिन कुछ लोग उन्हें धमकी दे रहे हैं और उन्हें विधवा होने के कारण मंदिर नहीं जाने दिया जा रहा है। कोर्ट ने इस मामले में कहा कि कोई इन्हें और इनके बेटे को त्योहार में शामिल होने और पूजा करने से कोई नहीं रोक सकता।

अनुच्छेद 370 निरस्त होने की सालगिरह पर महबूबा समेत कई नेता नजरबंद

पीडीपी का कार्यालय भी किया गया सील

जम्मू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जम्मू-कश्मीर के अन्य राजनीतिक नेताओं को अनुच्छेद 370 निरस्त होने की वर्षगांठ पर नजरबंद कर दिया गया है। पीडीपी ने 5 अगस्त यानी जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने की वर्षगांठ के विरोध में शांतिपूर्ण कार्यक्रम को लेकर अनुमति मांगी थी। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति न देने के साथ ही पीडीपी नेताओं के खिलाफ ये कार्रवाई की है।

अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर से हटे आज यानी शनिवार को पूरे चार साल हो गए हैं। पीडीपी ने 5 अगस्त को पीडीपी मुख्यालय श्रीनगर के सामने शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीसी) श्रीनगर से उचित अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

साथ ही प्रशासन ने श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का मुख्यालय सील कर दिया है, यहां तक कि किसी भी कर्मचारी को भी कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई है। जम्मू शहर के गांधी नगर स्थित पीडीपी कार्यालय के बाहर सुरक्षा को बढ़ाया गया है। यहां कार्यालय में आवाजाही तो जारी है, लेकिन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस का कार्यालय भी सील

नेशनल कांफ्रेंस की तरफ से उनके आधिकारिक ट्विटर हैंडल से बताया कि उनके पार्टी कार्यालय को पुलिस द्वारा सील कर दिया गया है। किसी को भी कार्यालय के अंदर या बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। इसमें ये भी लिखा गया है कि प्रशासन का ये कदम उनकी घबराहट को उजागर करता है और पिछले 4 वर्षों में बड़े सुधारों के सरकार के दावों को खोखला करार देता है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांटेड हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राष्ट्रीय राजधानी में एक नाबालिग से सामूहिक बलात्कार के मामले में वांटेड 23 वर्षीय 'हिस्ट्रीशीटर' को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। करण सिंह उर्फ राहुल के रूप में पहचाने गए आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड है, जिसमें हत्या के प्रयास और हथियार अधिनियम सहित पांच मामले शामिल हैं। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि 23 जून को पीड़िता के साथ उसके परिचित दो व्यक्तियों मोहम्मद मिराज और एक नाबालिग ने मारपीट और यौन उत्पीड़न किया था। यादव ने कहा, "हमले के बाद उसने अपने मामा को पूरी बात बताई, जिन्होंने उसे करण और एक अन्य नाबालिग के साथ घर लौटने का निर्देश दिया।

गुजरात हाईकोर्ट से पूर्व पुलिस महानिदेशक श्रीकुमार को मिली नियमित जमानत

पासपोर्ट जमा करने का निर्देश

अहमदाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात उच्च न्यायालय ने 2002 के दंगों के सिलसिले में लोगों को फंसाने के लिए सबूत गढ़ने के मामले में पूर्व पुलिस महानिदेशक आरबी श्रीकुमार को नियमित जमानत दे दी है। इसी मामले में उच्चतम न्यायालय ने करीब दो सप्ताह पहले सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका मंजूर की थी।

न्यायमूर्ति इलेश वोरा की अदालत ने शुक्रवार को पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्रीकुमार को 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर राहत दी और उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। नियमित जमानत देने के लिए सुनवाई से पहले थोड़े समय के लिए अंतरिम जमानत दी जाती है।

उच्च न्यायालय ने इससे पहले अहमदाबाद शहर की अपराध शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत दर्ज मामले में तीन आरोपियों में से एक सीतलवाड़ की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 194 (मौत की सजा के लिए दोषसिद्धि

हासिल करने के इरादे से झूठे सबूत देना या गढ़ना) शामिल हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 19 जुलाई को उन्हें नियमित जमानत दे दी थी।

श्रीकुमार को जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि पूरा मामला दस्तावेजी सबूतों पर आधारित है जो जांच एजेंसी के पास है। अदालत ने यह भी कहा कि आवेदक की उम्र 75 वर्ष है और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित है और उनके खिलाफ ऐसा कुछ भी नहीं बताया गया है कि उन्होंने अंतरिम जमानत के दौरान अपनी आजादी का गलत इस्तेमाल किया।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'शीर्ष अदालत ने सह-आरोपी पर विचार किया है और इसमें मौजूद आवेदक की भूमिका पर विचार करते हुए मैं आवेदक को जमानत पर रिहा करने का इच्छुक हूं।' राज्य सरकार ने उनकी जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि कथित अपराध 'बहुत जघन्य' है और उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है।'

सर्वोच्च न्यायालय ने जून 2022 में जाकिया जाफरी की याचिका को खारिज किया था, जिसके बाद श्रीकुमार, सीतलवाड़ और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जाकिया जाफरी के पति और पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी 2002 के दंगों के दौरान मारे गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गुजरात में 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के पीछे एक 'बड़ी साजिश' थी जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल थे। अदालत ने विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा मोदी और 63 अन्य को दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा था।

कोलकाता पुलिस ने 100 सरोगेट मदर्स से जुड़े चाइल्ड तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया

कोलकाता, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने कथित तौर पर शहर में एक अवैध बच्चा बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें लगभग 100 सरोगेट मां और सैकड़ों एजेंटों और उप-एजेंटों का नेटवर्क शामिल है। इस रैकेट के पीछे की प्रमुख मास्टरमाइंड में से एक ममता पात्रा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस रैकेट में एक पॉपुलर इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) केंद्र की संलिप्तता की भी पहचान करने में सफल रही है।

कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके आनंदपुर में स्थित उक्त आईवीएफ सेंटर पर पहले ही छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया जा चुका है। पुलिस को इस रैकेट के बारे में एक मामले की जांच के दौरान पता चला, जहां एक मां रूपाली मंडल को 1 अगस्त को अपने बच्चे को एक अन्य महिला कल्याणी गुहा को बेचने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मंडल और गुहा दोनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बाद में जब इसकी और गहराई से जांच की गई तो इसके पीछे के प्रमुख रैकेट की पहचान की गई। एक बार जब सामान्य प्रक्रिया में बच्चे को जन्म देने में असमर्थ कोई जोड़ा (दंपति) आईवीएफ केंद्र से संपर्क करता था, तो उसके कर्मचारी ममता पात्रा से संपर्क करते थे, जो उचित समय के बाद जोड़े को बच्चा देने का वादा करती थी। इस बीच, पात्रा अपने एजेंट नेटवर्क के माध्यम से आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से आने वाली किसी भी महिला से 40,000 रुपये से 50,000 रुपये तक में उनकी कोख खरीदने के प्रस्ताव के साथ संपर्क करती थी।

शीर्ष अदालत ने मद्रास एचसी के आदेश पर लगाई रोक

एआईएडीएमके के सांसद रवींद्रनाथ का चुनाव अवैध घोषित किया था

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से एआईएडीएमके के एकमात्र सांसद पी रवींद्रनाथ को राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें तमिलनाडु के थेनी संसदीय क्षेत्र से बर्खास्त अन्नाद्रमुक सांसद पी रवींद्रनाथ के 2019 के चुनाव को अमान्य और शून्य घोषित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ रवींद्रनाथ द्वारा दायर अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया और पी मिलानी को नोटिस जारी किया। मिलानी ने थेनी निर्वाचन क्षेत्र से रवींद्रनाथ के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका दायर की थी।

पीठ ने पारित अपने आदेश में कहा, सुनवाई के बीच मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा पारित छह जुलाई, 2023 के आक्षेपित निर्णय और आदेश के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी। परिणामस्वरूप, अपीलकर्ता (पी रवींद्रनाथ) को अगले आदेश तक सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए 17वीं लोकसभा के संसद सदस्य के रूप में बने रहने

की अनुमति दी जाएगी।

कौन हैं रवींद्रनाथ?

रवींद्रनाथ अन्नाद्रमुक के अपदस्थ नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के बेटे हैं। मिलानी ने इससे पहले उच्च न्यायालय के समक्ष आरोप लगाया था कि रवींद्रनाथ ने चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करते समय विभिन्न तथ्यों को छुपाया था, जिसमें उनकी और उनके परिवार के सदस्यों की चल और अचल संपत्ति और देनदारियों का विवरण भी शामिल था। उन्होंने अपनी चुनाव याचिका में शिकायत की थी कि तथ्यों को दबाने से चुनाव पर वास्तविक रूप से असर पड़ा।

मद्रास हाईकोर्ट ने क्या सुनाया था फैसला?

मद्रास उच्च न्यायालय ने छह जुलाई को कहा था, बेशक इस मामले में जैसा कि रिटर्निंग अधिकारी द्वारा कहा गया है, तीसरे प्रतिवादी (रवींद्रनाथ) का नामांकन रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांच की तारीख पर स्वीकार कर लिया गया था।

जांच की तारीख पर, एक तीसरे पक्ष अरप्पोर इयक्कम द्वारा उठाई गई आपत्ति एक वैध आपत्ति है और गैर-प्रकटीकरण या गलत प्रकटीकरण को तीसरे प्रतिवादी ने वैधानिक प्रावधानों और रिटर्निंग अधिकारी के लिए हैंडबुक में दिए गए दिशा-निर्देशों के विपरीत जांच के बाद एक हलफनामा प्रस्तुत करके स्वीकार किया है। इससे पता चलता है कि रिटर्निंग ऑफिसर, जिसे नामांकन की जांच की तारीख पर आपत्ति पर विचार करना था, वह ऐसा करने में विफल रहा और बिना किसी स्पष्टीकरण या सुधार के नामांकन स्वीकार कर लिया।

1984 सिख विरोधी दंगे

डीएसजीएमसी सदस्यों का टाइटलर की जमानत के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के सदस्यों ने 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत मिलने के खिलाफ विरोध जताते हुए शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी नारे लगाते हुए और हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर लिखा था - जिसे होनी थी जेल, उसे क्यों मिली जमानत और टाइटलर को जमानत क्यों दी गई? - अदालत के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए सैकड़ों लोगों ने न्याय की मांग की। दिल्ली के पुल बंगश इलाके में 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने टाइटलर को अग्रिम जमानत दे दी। जमानत देते समय विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने कुछ शर्तें लगाईं, इनमें अदालत की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ना और सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करना शामिल है। इससे पहले, टाइटलर ने राउज़ एवेन्यू कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसने मामले के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने जमानत पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि गवाहों ने आगे आकर बहुत साहस दिखाया है और उन्हें प्रभावित करने की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

अमृतसर में 28 करोड़ की हेरोइन बरामद

2 दिन पहले पकड़े तस्कर ने किया खुलासा, पाकिस्तान से हुई थी सप्लाई

अमृतसर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) की टीम ने बीते दिनों पकड़े गए नशा तस्कर से और 28 करोड़ की हेरोइन की रिकवरी करवा ली है। डीजीपी गौरव यादव ने खुद ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार एसएसओसी की टीम ने 3 अगस्त को नशा तस्कर से 6 किलो हेरोइन और 1.5 लाख रुपए ड्रग मनी को जब्त किया था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जालंधर के मैहतपुर के गांव बूटे दियां छना निवासी शिंदर सिंह के रूप में हो चुकी है। आरोपी ड्रग तस्कर है और उस पर पहले से ही एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीजीपी के अनुसार तस्कर को रिमांड पर लेकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने अतिरिक्त 4 किलो हेरोइन की रिकवरी करवाई है। इस

मामले में अभी तक कुल रिकवरी 10 किलोग्राम पहुंच चुकी है और 1.50 लाख रुपए ड्रग मनी भी पहले ही रिकवर की जा चुकी है।

सतलुज के रास्ते भारत पहुंची थी खेप

डीजीपी गौरव यादव के अनुसार एसएसओसी अमृतसर को विश्वसनीय इनपुट मिला था कि आरोपी शिंदर सिंह और उसके साथियों ने हाल ही में सतलुज नदी मार्ग का उपयोग करके पाक स्थित तस्करों और एजेंसियों द्वारा भारतीय क्षेत्र में भेजी गई हेरोइन की बड़ी खेप खरीदी थी। वे एक पार्टी को खेप पहुंचाने के लिए अमृतसर के आसपास मौजूद हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया और योजनाबद्ध तरीके से इलाके की घेराबंदी कर आरोपी शिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

बाढ़ का फायदा उठा की तस्करी

एआईजी एसएसओसी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया था कि पाक स्थित तस्करों ने फिरोजपुर सेक्टर में बॉर्डर पर बाढ़ के कारण पैदा हुए हालातों का फायदा उठाकर सतलुज नदी के रास्ते नशीले पदार्थों की खेप की तस्करी की थी। पुलिस स्टेशन एसएसओसी अमृतसर में एनज

हरियाणा में हिंसा के बाद दंगाइयों के अवैध निर्मित मकान-दुकानों पर चला बुलडोजर

नूहं, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूह में हुई हिंसा के पांच दिन बाद अब दंगाइयों पर सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एफआईआर और गिरफ्तारी के अलावा अब दंगाइयों के अवैध निर्मित मकानों और दुकानों पर सरकार ने बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया है। नूंह के नलहड़ रोड पर 30 मकान व दुकानें गिराई। अधिकारियों का कहना है कि जिन जगहों पर बुलडोजर चल रहा है वो उनका अवैध निर्माण हुआ है और इनमें रहने वाले 31 जुलाई को हिंसा में शामिल थे।

इससे पहले शुक्रवार को नूंह में ही 25 घर-दुकानों और रोहिंग्या की 250 झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया गया था। पुलिस ने इन्हें भी अवैध कब्जा करार दिया था। रोहतक में कलानौर के गांव आंवल में शुक्रवार देर रात धर्म स्थल पर पथराव किया गया। इस दौरान वहां के लोगों ने पुलिस को बलाया। यहां दस से 12 लोगों ने हुड़दंग मचाया और ईंटें फेंकी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाल लिया।

करनाल में भी शुक्रवार को तरावड़ी शहर की सौकड़ा पुलिया और सब्जी मंडी के सामने बाइक सवार बदमाशों ने फल-सब्जियों की रेहड़ियां पलटकर हुड़दंग किया। सभी आरोपी नकाबपोश थे और रेहड़ियां विशेष समुदाय के लोगों की थी। ये देख आसपास के दुकानदारों ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। इस मामले में देर रात पुलिस ने तरावड़ी के कुछ लोगों पर एफआईआर दर्ज कर ली। सरकार ने शुक्रवार देर शाम नूंह के डीसी प्रशांत पंवार को हटा दिया। उनकी जगह पर धीरेंद्र खड़ागटा को भेजा गया है। इससे पहले गुरुवार देर रात नूंह के एसपी वरूण सिंगला का ट्रांसफर कर दिया गया। नूंह में हिंसा के दौरान वह छुट्टी पर थे। उनकी जगह पर अब नरेंद्र बिजराणिया को नूंह का नया एसपी बनाया गया है।

दिल तुमको ही चाहे तो क्या कीजिये...: राजेश खन्ना

अतुल कुमार

सातवें दशक के आरंभ में सिनेमा के पर्दे पर एक ऐसे नायक की धुंआधार एंट्री हुई जिसने सफलता के सभी पुराने रिकार्डों को ध्वस्त किया ।कुछ ही समय में सफलता के सातवें आसमान पर पहुंच गये ।घर घर में उनकी चर्चा और प्रशंसक बने , अब भी हैं । भारतीय सिनेमा ने किसी हीरो की बंपर सक्सेस को पहली बार देखा जिसने शोहरत ,चाहत और मोहब्बत के नये अफसाने लिख दांतों तले उंगली दबवा दीं ।उस दौर की नौजवान पीढी इस कदर उन पर लट्टू थी कि उनकी फिल्मों को कई कई बार देख मोहित होती । आये दिन उनके फैंस के तरह तरह के किस्से चर्चा में होते । वास्तव में उनका उदय धूमकेतु की तरह हुआ जिसने सिनेमा को हैरान किया । उनकी तस्वीरों को कापियों और किताबों में रखा गया । बडे बडे पोस्टर लगे । कई प्रशंसक इसलिये मुंबई पहुंचे कि उनकी एक झलक देखने को मिले बडे नायकों द्वारा अपने घर की गैलेरी में आ प्रशंसकों को दर्शन देने की परंपरा उन्हीं से शुरु हुई । एक झलक के लिये फैंस घंटों खडे रहते ।उस धांसू सक्सेस के किस्सों को अब भी याद किया जाता है क्यों कि भारतीय सिनेमा के पहले सुपर स्टार राजेश खन्ना थे ।

उनके पूर्व स्टार न हुए हों ऐसा कदापि नहीं है ।हुए । लेकिन सुपर स्टार की ट्रेडीशन उन्हीं से शुरु हुई ।उनकी भव्य सफलता पर यह पदवी जमती भी क्यों कि एक साथ उनकी कई फिल्मों ने धूम मचाया उदाहरण के लिये " आराधना " " कटी पतंग " " हाथी मेरे साथी " और " दुश्मन " इत्यादि। हर दूसरी टाकीस में उनकी फिल्म लगी होती तथा हाउस फुल चलती । उनकी ख्याति एक फेनोमेना बनी जिसे दर्शक भूले नहीं हैं । तीन जेनेरेशंस के अज़ीज़ कहला उनका दिल जीता ।

पिछले दिनों उनकी पुण्यतिथि 18 जुलाई को सोशल मीडीया पर सिने प्रेमियों ने उनको जम कर याद किया और श्रद्धांजलि दी जबकि उनको दिवंगत हुए 11 वर्ष हो गये हैं । यह उनकी भारी फैन फालोविंग को बताता है ।उन्हीं की फिल्म के एक गीत की लाइन है" यहां वहां सारे जहां मे तेरा राज है " उनकी सक्सेस पर फिट बैठती है। खन्ना की ग्रोथ स्टोरी तब शुरु हुई जब भारतीय सिनेमा का कथोप कथन बदल

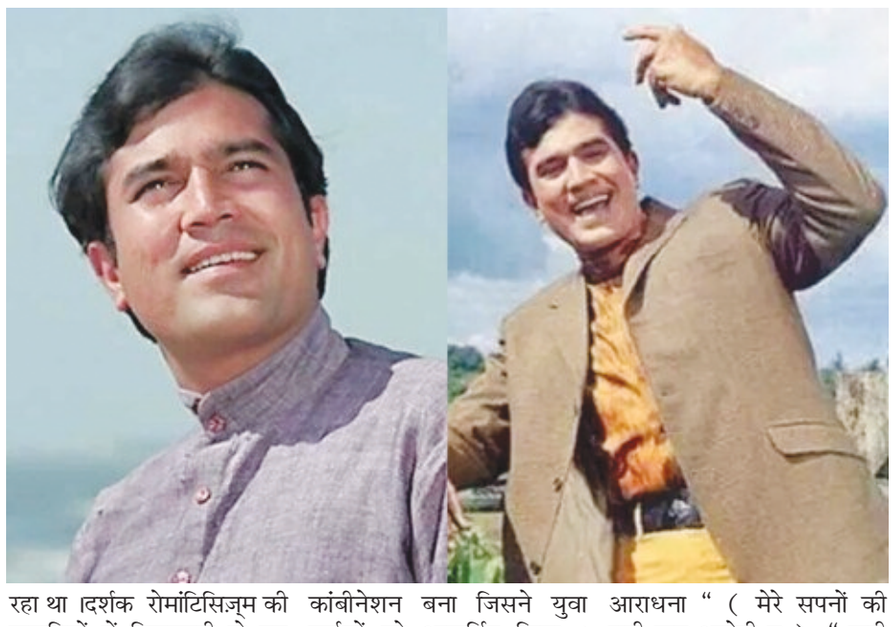

रहा था ।दर्शक रोमांटिसिज़्म की कहानियों में दिलचस्पी ले पढ और देख रहे थे ।कथाकार गुलशन नंदा के नावेल पाठकों द्वारा चाव से पढे जा रहे थे । समय की उसी पीठिका पर राजेश खन्ना की फिल्मों ने ज़बर्दस्त तहलका मचाया ।

गीत संगीत संवाद और ऐक्टिंग का स्वरूप बदला । राजेश खन्ना ने अपनी रोमांटिक फिल्मों से सिनेमा की नयी पटकथा लिखी किशोर कुमार आर डी बर्मन और राजेश खन्ना का अफलातून कांबीनेशन बना जिसने युवा दर्शकों को आकर्षित किया । यद्यपि वह रेडियो का दौर था टेलीवीज़न शुरु होने की प्रोसेस में था ।ग्रामा फोन तथा एल पी रिकार्ड (लांग प्लेय रिकार्ड) होटलों , समारोहों और जलसों में बजते गली गली में बोंग़ों पर उनकी गूंज होती गीत, संगीत ,गायक और बोलों की आवाज़ होती जिसमें खन्ना की फिल्में बाज़ी मारतीं श्रोता उन्हें सुन उनकी फिल्मों को देखने उमडते उदाहरण के लिये फिल्म " आराधना " (मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू) " कटी पतंग " (प्यार दीवाना होता है मस्ताना होता है) और " दो रास्ते "" (छुप गये सारे नज़ारे ,ओये क्या बात हो गयी) के गानों ने जम कर धूम मचायी ।

राजेश खन्ना ने अपने लुक्स ,अदाकारी में डायलाग़ डिलीवरी , पोशाकों और स्टाइल्स से दर्शकों के दिलों पर राज किया । जिसे भुलाया नहीं जा सकता । उनका पहना गुरु कुर्ता ,चश्मे, हेयर स्टाईल , और अदाओं के नये पन पर दर्शक फिदा हुए । इमोशनल सींस में कोई सानी नहीं था । फिल्म " आनंद " में खेले कैसर से पीडीत रोगी के किरदार को जिस चित्ताकर्षक रूप में खेला उसे भुलाया नहीं जा सकता । सिनेमा के इतिहास में यह मूवी मील का पत्थर सिद्ध हुई जिसने जीवन को आत्मबल दिया । अब ऐसी फिल्में कौन और कहां बनाता है ? जीवन से जुडे किरदारों के टोटे पडे हैं । गानों के बीच परदे पर जिन हाव भावों को प्रदर्शित किया वह हृदयानंद बने । रोमांटिक ,जज़्बाती और दो गानों में उनकी ऐक्टिंग देखते बनी " ज़िंदगी एक सफर है सुहाना यहां कल क्या हो किसने जाना " को जिस खिलंदडे अंदाज़ में निभाया उसे देख दर्शक अब भी खुश होते हैं ।

फिल्म " आखरी खत " से फिल्मी कैरीयर शुरु करने वाले इस हीरो को याद करते हुए मौजूदा नायकों को देखें तो उनमें अभिनय कम और कसरत अधिक दिखायी देती है ।आम आदमी का चेहरा ,हाव भाव तो सिनेमा से जैसे नदारद हो गये हैं । पहले फिल्मों की सक्सेस का पैमाना सिल्वर जुबली यानी छः महीने चलना होता आज तीन दिन की कमाई को सफलता की कसौटी पर आंका जाता और प्रचारित किया जाता है फिल्मों की पसंद ना पसंद को भी बाज़ार से जोड दिया गया हो तब कला की कौन सोचेगा ! सुपर स्टार के सिहासन पर विराजमान राजेश खन्ना ने बेशुमार लोकप्रियता पायी ।लडकियों के बीच बेहद लोकप्रिय हुए ।लडकियों ने उन्हें खून से खत लिखे ।कइयों ने उनकी फोटो से शादी की । जिस कार में चलते उस कार को ही चूम लेतीं ।

स्कूली दिनों से थियेटर में दिलचस्पी ली कई नाटकों में अभिनय किया सन 1962 में लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार और सबसे यशस्वी संपादक डा धर्मवीर भारती द्वारा लिखित " अंधा युग " में निभाये उनके रोल ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं को प्रभावित किया ।जिन्होंने उनको फिल्मों में काम करने की सलाह दी ।जो जीवन का टर्निंग पाइंट बनी सन 1969 – 72 में लगातार 16 सोलो सुपर हिट फिल्में दीं जिनमें "सच्चा झूठा " " इत्तेफाक " " बंधन " " डोली " " सफर " " द ट्रेन " " महबूब की मेंहंदी " और " खामोशी " आदि हैं सन 1972 – 75 तक " अमर प्रेम " " बावर्ची " " मेरे जीवन साथी " " अपना देश " " नमक हराम " प्रेम नगर " " आपकी कसम " " अजनबी " " महबूबा " तथा " रोटी " आदि हैं जो लोगों के दिलों में आज भी बसी हैं किरदारों के अभिनय में उनकी जीवटता दिखायी दी ।फैंस में काका नाम से प्रसिद्ध होने के कारण प्रशंसकों के बीच जुमला चला "ऊपर आका नीचे काका "

कभी टाइप्ड न हो 180 से अधिक फिल्मों में हर प्रकार की भूमिका को अदा किया । गाने " ज़िंदगी के सफर में गुज़र जाते हैं जो मकाम वो फिर नहीं आते " को सुनिये जिसमें अभिनय के चार शेड्स को पेश किया ।ऐक्टिंग़ में कभी एकरूपता को नहीं आने दिया ।29 दिसंबर 1942 को जन्मे इस कलाकार ने ऐक्टिंग़ के बेस्ट को दिया। आंख झपकाने , और गर्दन टेढी करने की उनकी अदाओं के दर्शक दीवाने हुए ।गाने " दिल को देखो चेहरा न देखो चेहरों ने लाखों को लूटा दिल सच्चा और चेहरा झूटा " गीत के नृत्य में जैसे पैर डाले वह मीनिंगफुल सांग के प्रभावी संदेश को बयां करने में सफल हुआ । कभी फुर्सत में देखिये । कद काठी आम लोगों सी लेकिन मुस्कान अनोखी ,मिसरी ज़ुबान और मस्त चाल के मैंनरिस्म ने उनको हर दिल अज़ीज़ बनाया ।लिहाज़ा उन्हीं की फिल्म के गाने की एक पंक्ति " दिल तुमको ही चाहे तो क्या कीजिये " फिट बैठती है।

काव्य कुंज

मोहब्बत

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मोहब्बत वह पाक साफ
खुदा दाद नगीना है
जिसे कोई खरीदार
खरीद नहीं सकता
यह दिल से पैदा होती है
दिमाग पर पुरजोर छा जाती है
आदम को दीवाना बना देती है
एक बिजली सी चमकती है
फिर आग सी लगती है
जैसे मीरा ने मोहब्बत की
लैला मजनू ने की
शीरी फरहाद ने की
मोहब्बत वह पा क .....
यह तो लेने वाला या
देने वाला बता सकता है
बस यह आग तो जलती है
खयालों की लकड़ी से
ना दिल को चैन है
ना रात को आराम
यह राह ए खुदा है
यह सच्ची मोहब्बत है
यह खुदा के कदमों पे बोसा है
यह प्यार और ईमान की दौलत
खुदा अपने तराजू से तोलता है
फिर अपने कदमों में जगह देता है
मोहब्बत वह पार्क नगीना है
जिस में खुदा बसता है ।।

बदलता बचपन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

जाने कहाँ गया वो
बचपन जब काग़ज़ नाव बनाते।
वर्षा ऋतु के बहते
पानी में नाव की रेस लगाते ।।
कूद कूद कर इक्कल,
दुक्कल भी तो खेला करते।
बारिश में जब छुट्टी होती, गुड्डा गुड्डी ब्याह रचाते।।
बचपन के दिन, सुहाने दिन चिंता फिक्र नहीं करते ।
पिज़्ज़ा बर्गर नूडल्स की जगह चाट पकौड़ी खाते ।।
दुनिया की खबरें कम मिलती होते भोले भाले ।
न टीवी न मोबाईल,घर की चौखट पर बतियाते ।
आज तो बच्चे डिजिटल दुनिया के गुलाम हो गए।
बैटरी वाले खिलौने या वीडियो गेम ही चलाते।।
वक़्त बदल गया, बच्चे बदल गए,बदल गया बचपन।
कंप्यूटर मोबाइल दुनिया, बच्चे बड़ों को समझाते।।
आज का बच्चा ज्यादा होशियार, यह तो हम जाने।
सही जगह लग जाए बुद्धि तो नया मुकाम पाते।।

गलत हो रहा है...

डॉ डी डी देसाई

हवाओं का रुख है
मद्धम तूफान आ रहा है,
पतवार ही डुबोने लगी
कश्ती कुछ तो गलत हो रहा है।
बालों की डोर हाथों का
झूला कर झूलाया सपूत को,
माँ बाप को किया बेघर उसीने कुछ तो गलत हो रहा है।
खून पसीना सिंच के जायदाद बनाई जिस पिता ने,
वृद्धाश्रम में बीत रही जिंदगी कुछ तो गलत हो रहा है।
आँखों का तारा बना के बिठाया पलकों पर जिनको,
एक आँख नहीं भाता दुलार कुछ तो गलत हो रहा है।
माँ की लाडली पापा की दुलारी घर की लक्ष्मी है बेटी,
बहू बनते ही कुलक्षिणी हो कैसे कुछ तो गलत हो रहा है
एक भाई वनवास गया दूसरे ने खड़ाऊ गद्दी पर राख दी,
आज भाईचारा दम तोड़ने लगा कुछ तो गलत हो रहा है।
जिंदगी बिताई सेवा सहयोग से नाम कमाया जिन्होंने,
वही बदनाम सबकी जुबान पर कुछ तो गलत हो रहा है।

तेरा ही पैगाम...

मेरी हर सांस संग मीत, तेरा नाम आता है
कहीं भी तू रहे चाहे,तेरा ही पैग़ाम आता है
समझाया मनाया, न जाने क्यों सरोकार नहीं
अब नहीं बीनना उन रिश्तों को
जिन पर मेरा अधिकार नहीं
तेरा मुस्करा के पलकें झुकाना याद रहेगा
सिमट बैठे अपने में,गले लगाना याद रहेगा
तेज बरसात,उफ़नती नदियां, मधुमास नहीं
अब नहीं बीनना उन रिश्तों को
जिन पर मेरा अधिकार नहीं
वहीं था,जहाँ तुम ने मुझे छोड़ा था
वहीं था,जहाँ ख्वाहिशों को तोड़ा था
थक गया,थमी...,जीना आखिरकार नहीं
अब नहीं बीनना उन रिश्तों को
जिन पर मेरा अधिकार नहीं
अजीब दौर, अपने होकर अपने नहीं हैं
चलना चाहता हूँ, सपनें अपने नहीं हैं
दी तो है दस्तक सावन ने,मीठी बयार नहीं
अब नहीं बीनना उन रिश्तों को
जिन पर मेरा अधिकार नहीं।।

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हमेशा जीने वाले

सभी अपने हैं ग़ैरों के लिये जीने वाले।
सब जानते सभी है फ़क़त पीने वाले।
हर राह पर हज़ारों अफ़साने चल रहे हैं
कई लोग हैं लाखों क़िरदार जीने वाले।
फ़साानों के चलते कहानियाँ बनती है
कोई नहीं दुनिया में ज़ख्म सीने वाले।
सभी मेहनतकश हरगिज़ नहीं होते
होते हैं मज़दूर जिस्म से पसीने वाले।
हसीना है तो आशिक़ ज़रूर होगा
हाथ सजे रहते उसके नगीने वाले।
रेणू को इश्क़ विश्क आता ही नहीं
उसे मिले नहीं जो हो सफिने वाले।

रेणुका अग्रवाल

और

हेमंत सुराना

और, और, और,
कोई अंत नहीं
धन, दौलत, ऐशो आराम,
और चाहिये, और चाहिये
बावजूद भीड़ में भी तनहा हो,
मौत सरहाने पर खड़ी हो
और की तृष्णा, मन को विचलित करें
विचारों का ऊफान लाए
और का दौर चलता ही रहेगा,
अब तो तुम थम जाओ
क्या पाना बाकी है,
जितना है क्या काफी नहीं है
और की भूख को शान्त करो,
आज मैं तुम खुश रहो
किसी चीज की फरमाइश ना हो,
जो ना मिला, गिला ना हो
औरों के मुकाबले, ज्यादा नहीं पाया
जो पाया कबूल करो
चलो हम हँस कर जिए,
चलो हम खुलकर कर जिए।
15 अगस्त पर विशेष

दीप्त सुरम्य भारत

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

न्योछावर की लौ कर के
दीप्त सुरम्य भारत।
सीस हथेली ऊपर धर के
दीप्त सुरम्य भारत।
गणतंत्र की इतिहास
व्यवस्था से संविधान बनाया।
अमर सपूतों कर के ही
आज़ादी दिवस कहलाता।
तब ही सुर्या भांति मर के
दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
जाति धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक नवनिर्माण।
मानववादी आदर्शों की उत्पन्न हुई पहचान।
उन्नति वाले दुःख सुख जर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
ममता समता भाईचारा हृदय भीतर छुपाया।
बलिदानों की नीति ऊपर फिर तिरंगा फहराया।
पांव छूकर फिर गिरिधर के दीप्त सुरम्य भारत।
पश्चिमी रंगों ढंगों को फिर देश निकाला दे कर।
दैहिक वैदिक भौतिकता का एक शिवाला दे कर।
चिंतन में उंचाई भर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
आधुनिकता में प्रगति के फिर और किनारे ढूंढे।
कुशल मनोरथ की नांव के खेवनहारे ढूंढे।
नैतिकता के सागर तर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
बालम, इस के माथे ऊपर तिलक क्रांतिकारी का।
सुबह सवेरे जैसे सुर्य रूप लिए प्रभारी का।
प्यार मुहब्बत में संवर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरमय भारत।

आओ ! थोड़ा मुस्कुरा लेते हैं

प्रभुनाथ शुक्ल

देखो ! दुनिया कितनी बदल गई है ना
सबको तो बस ! अपनी ही पड़ी है
दूसरे की कोई सुनता ही नहीं
कोई दूसरे को पढ़ता नहीं
दूसरे को कोई जानता नहीं
आओ ! हम-तुम मन की बातें करते हैं
थोड़ा मुस्कुरा और खिलखिला लेते हैं
जब ! फुर्सत मिले तो थोड़ा मुस्कुराते जाओ
देखो ! जिंदगी कितनी आसान हो जाएगी ?
मैं चाहती हूँ जब तुम थक जाओ
जब तुम हार जाओ तो मेरी तरफ देख लिया करो
मैं तुम्हारा हौसला और संकल्प हूं
मैं तुम्हारा प्रकल्प हूँ जीवन जीने की कला हूँ
तुम कभी मेरी तरफ देखते ही नहीं
मैं संदेश देती हूँ !
लेकिन, तुम उसे अनसुना कर देते हो
मैं तुम्हें संभालती हूँ !
तुम्हारे संकल्पों की याद दिलाती हूँ
लेकिन ! दीवानगी में तुम भूल जाते हो।।

अब की सावन आ जाना

लवली आनंद,
बिहार

मैं तो तेरी हुईं पिया मतवारी,
सुध-बुध तुझपे हारी मैं,
कारी कारी इन आखियन से,
एक टक चाँद निहारु मैं,
हो मलंग तेरी यादों में तरपु,
नजर ऐसे जो तूने फ़ेर लिया,
आज भी गेशु उलझे है मेरे,
आ एक वार तो सुलझा देना,
ये जीवन तुझपे ही वारी हूँ मैं,
इस जीवन मे फूल खिला देना,
जो राह में मेरे काटो हो,
तू अपनी बाह फैला देना,
बैठी हु आस लगा कर तेरी,
तू अब की सावन आ जाना।।

किताबें पूछती हैं अहमियत अपनी

सरिता श्रीवास्तव
'सृजन'

किताबें पूछती हैं हमसे,
क्या कोई मिल गया बेहतर दोस्त हमसे
छिपा लेती थी सारे राज तुम्हारे,
क्या कोई मिला तुम्हें मेरे जैसे ।
इस तकनीकी दुनियाँ और नये अविष्कारों के बीच,
हाथ न लगाया तुमनें कब से मुझे
अकेले पड़ी रहती हूँ घर के कोनें या
अलमारी में धूल खाते हुए।
अब नही होता इजहार ए मोहब्बत
किताबो में नही आती खुश्बू मेरे पन्नो से,
न रखता है दबाकर किताबो में
कोई मोर पंख और गुलाब,
न छिपा कर देता है कोई अब प्रेमपाती।
प्रेमी की प्रेमभरी निगाहों से लरजती
अपनी पलकों को झुकाकर,
प्रेमिका नही छिपाती किताबो में अपना चेहरा
किताबें पूछती हैं हमसे प्रेम का तरीका
बदल गया या प्रेम सिर्फ
आकर्षक बनकर रह गया।
तलाशतीं हैं आज भी उन नजरो को
जो खो जाये बस कहानी में उसकी
किताबे पूछती हैं अहमियत अपनी ।।

मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई...

ओमकार सर्डिवाल

मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई,
मेरे साथ मेरा भगवान है,
मुझे वह इतना दे देता है,
एक वक्त के लिए समा जाए,
किसी के आगे ना हाथ फैलाऊं,
इतना वह मुझे साथ देता है।
मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई,
तुझे धोखा हो रहा है,
मेरे हाथ खाली है पर
मेरे साथ स्वयं पालनहार खड़ा है,
इस ओर भी तो ध्यान दें,
मैं किसकी ओर खड़ा हूं।
मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई,
उसकी छत्र – छाया मेरे साथ है,
उसके बनाएं बिस्तर पर मेरा सर है,
मुझे जागने की आवश्यकता नहीं है,
क्योंकि मेरा रखवाला वही है,
जो मेरे साथ हमेशा खड़ा है।
मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई,
ना मुझे पाने की इच्छा है,
ना कुछ गवानी का दुख है,
जबकि पूरा संसार मेरा घर है,
उसके बनाएं इंसान मेरे भाई है,
उससे रिश्ता जोडूं,तुझसे कैसे तोडूं।
मैं गरीब नहीं हूं मेरे भाई,
खुशी आए या गम आए,
मैं कैसे उसमें अंतर करूं,
जो मेरी खुशियों में समाया है,
मुझे किस वक्त क्या चाहिए,
उस से बेहतर कौन समझा है।

मर्यादा पुरुषोत्तम

पूजा महेश (हापुड)

इतिहास मे जब कभी
मर्याद पुरुषोत्तम की बात होती है
सामने नेत्रो के केवल
श्री राम की तस्वीर होती है
जो पिता के वचनो की खातिर
राज त्याग चले गये वन को
देवताओ की खातिर
मार दिया रावन को
जिस राम ने कभी
मर्यादा को नही लांघा
उसी राम ने सीता का त्याग
क्यूं कर दिया?
जब वनवास राम को हुआ था
तब सीता भी उनके साथ वन को गयी थी
पति के साथ उसने भी
सारी पीडा सही थी
भेजना ही था यदि वन मे सीता को
स्वयं राम भीउसके साथ जाते
सीता ने निभाया अपना पति धर्म
राम भी तो अपना धर्म निभाते
प्रश्न यह नही कि
सीता को वन क्यूँ भेज दिया?
प्रश्न यह भी नही कि
सीता का त्याग क्यूं कर दिया?
प्रश्न तो केवल एक ही है कि
राम के साथ वन जाने को जब
सीता अड सकती थी तो
राम क्यूं नही अडे?
भेज सीता को वन कैसे देखते रहे खडे?
सारी यातनाये, दुख, कष्ट सीता ने सहे
पर मर्यादा पुरुषोत्तम तो श्री राम ही रहे।

हे जगत पिता

हे चंद्रमौली ,हे गंगाधर किस कठिन तपस्या में बैठे हैं आप?
ध्यान लगा कर शांत मुद्रा में किस गुप्त गुफा में बैठे हैं आप ??
सर्वव्यापी हो जगत सृष्टा हो सृष्टि के आप हीं आधार।
कण कण में व्याप्त तेज का आप से हीं तो है केवल संचार।।
सर्प गले में माला शोभित रूप अनोखा बतलाता।
भस्म और चंदन सृंगार का रूप अनोखा दिखलाता।।
नंदी हो सवारी जिनके
बस त्रिशूल हो जिनके अस्त्र।
बड़े बड़े और आताताई का
संघारक केवल पिनाक अस्त्र।।
गौरी सती उमा पार्वती हिमाचल
सुता जिनके हो अर्धांगनी रूप।
अर्धनारीश्वर रूप बता कर
मान बढ़ाया नारी रूप ।।

कमलेश झा

प्रथम पूज्य हो जिनके लाला और देव सेना के हो सेनापति।
कोटी कोटी नमन है आपको हे कैलाशी उमा पति।।
जटा से निकले जिनके गंगा जो धरती को करती पवित्र।
तुम्हे नमन हे औघड़दानी तुम्हे वंदन हे सती पति।।
जन जन में व्याप्त कुरीति इसको हर लो हे गौरी पति।
सौहार्द बढ़ा दो जन मानस में हे सर्वव्यापी हे पार्वती पति।।
हिचकोले खाएं जीवन नैया पतवार थाम लो हे गणपति पिता।
मंगल मंगल कर दो जीवन कष्ट हरो हे जगत पिता।।।

सावन में बौराया मन

डॉ टी महादेव राव

सावन की दस्तक ने बिखेरी है हरियाली
गगन उंडेले मोतियों भरी बूंदों की थाली
पत्तों पर बूंदों का ताल भरा सरगम है
बारिश ने लहराया खुशियों का परचम है
प्रकृति बनी इठलाती बलखाती मतवाली
सावन की दस्तक ने बिखेरी है हरियाली
गगन उंडेले मोतियों भरी बूंदों की थाली
भींगी भींगी सारी धरती और नम अंबर है
तृण तृण भी वर्षा में नहाकर कितने सुंदर हैं
सूरज खुश हो फेंक रहा रंग इंद्रधनुष वाली
सावन की दस्तक ने बिखेरी है हरियाली
गगन उंडेले मोतियों भरी बूंदों की थाली
अलसाया सारा कुछ सोया जन जीवन
आपस में सब ने जोड़ा है संन्यासी मन
हर तरफ़ छाई है नम हवा मदमस्त वाली
सावन की दस्तक ने बिखेरी है हरियाली
गगन उंडेले मोतियों भरी बूंदों की थाली।।

विभीषिका

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

है पूरब से पश्चिम तक,
क्यूँ प्रकृति का विकराल रूप,
क्यूँ निश्छल अविकल जलधारा ने,
तांडव और प्रलय मचाया है,
यमुना और व्यास ने मिलकर,
कैसा संताप मचाया है !
हिमाचल से अरुणाचल तक,
मचा हाहाकार, रूदन, क्रंदन,
घर से बेघर हुए करोड़ों,
अभिशप्त हुए मासूम असंख्यक,
दुखों का काला साया है !!
इतिहास साक्ष्य, इतिहास गवाह,
हम सबकी लापरवाही ने,
प्रकृति को रौद्र बनाया है,
असमय भूचाल - अतिवृष्टि
ने हमको सदैव ललकारा है,
आगाह किया,सचेत किया,
पर मानव मन भरमाया है !!!
हों हम सब मिल प्रतिबद्ध,
प्रण का तिलक लगायें,
हो धरती माँ सुरक्षित,
पर्यावरण हो संरक्षित,
ऐसी अलख जगायें !!!!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

संसद पहुंचेंगे राहुल गांधी या फंसेगा पेच?

आपराधिक मानहानि केस में मिली सजा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब अपनी संसद सदस्यता जल्द-से-जल्द बहाल करवाना चाह रहे हैं। मोदी सरनेम केस में गुजरात के बीजेपी विधायक पूर्णेश मोदी की शिकायत पर राहुल गांधी को निचली अदालत से दो साल की सजा मिली थी जो मानहानि के मुकदमे में अधिकतम सजा है। राहुल ने निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ गुजरात हाई कोर्ट में अपील की थी जो खारिज हो गई। चूंकि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8(3) के तहत दो साल की सजा मिलने पर न केवल जनप्रतिनिधि की संबंधित सदन की सदस्यता खत्म हो जाती है बल्कि उसके छह साल तक चुनाव लड़ने पर रोक भी लग जाती है।

राहुल गांधी पर भी यही कार्रवाई हुई। वो केरल के वाडनाड संसदीय क्षेत्र से चुनकर लोकसभा पहुंचे हैं। सजा के बाद उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गई थी। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी है तो लोकसभा में उनके लौटने का दरवाजा खुल गया है। तो क्या राहुल गांधी संसद के चालू सत्र में भाग ले पाएंगे? क्या उनके संसद लौटने में देरी होगी या जल्द ही वो लोकसभा में दिखने वाले हैं? आइए जानते हैं कि अब राहुल को संसद सदस्यता वापस पाने के लिए किन प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ेगा।

अब लोकसभा कैसे लौट पाएंगे राहुल?

चुनाव कानूनों के एक विशेषज्ञ ने इस मुद्दे पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक जरूर लगा दी है, लेकिन उन्हें दोषमुक्त नहीं किया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में जब तक वो आखिरी फैसला नहीं दे देता है, तब तक राहुल गांधी को गुजरात की निचली अदालत से मिली सजा पर रोक रहेगी। इसका मतलब है कि राहुल गांधी अभी सजा मुक्त हैं। चूंकि राहुल पर दो साल की सजा लागू नहीं है, इसलिए उनपर जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत अयोग्यता का प्रावधान भी लागू नहीं रह सकता। उन्होंने कहा, 'वायनाड लोकसभा सीट अब खाली नहीं है।' जब लोकसभा सचिवालय को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कागजात मिल जाते हैं, तो वह किसी भी समय बहाली का आदेश जारी कर सकता है।

लक्षद्वीप के सांसद की कहानी याद है ना?

लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल पीपी के साथ भी ऐसा ही हुआ था। उन्हें सजा मिलने पर अयोग्य ठहरा दिया गया, फिर सजा पर रोक या निलंबन के बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई। एनसीपी सांसद फैजल को 11 जनवरी, 2023 को हत्या के प्रयास के मामले में दोषी ठहराए जाने और 10 साल की जेल की सजा सुनाए जाने पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 13 जनवरी को, लोक सभा सचिवालय ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी अधिनियम) 1951 की धारा 8 (3) के तहत एक सांसद के रूप में उनकी अयोग्यता को अधिसूचित किया। इसी प्रावधान जिसके तहत राहुल को अयोग्य ठहराया गया था। हालांकि, केरल हाई कोर्ट ने 25 जनवरी को फैजल की याचिका पर फैसला सुनाते हुए उनकी दोषसिद्धि और सजा को निलंबित कर दिया, जिससे उनकी अयोग्यता निष्प्रभावी हो गई। फिर भी, सांसद के रूप में उनका निलंबन तुरंत रद्द नहीं किया गया था। जब उन्होंने 'गैरकानूनी कार्रवाई' के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, तभी 29 मार्च की सुनवाई से कुछ घंटे पहले लोकसभा सचिवालय ने पुष्टि की कि उनकी अयोग्यता रद्द कर दी गई है।

इस बीच कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वायनाड सीट पर उपचुनाव की घोषणा से पहले इंतजार करने के अपने फैसले पर लगी मुहर के रूप में देख रहा है। चुनाव आयोग के एक पूर्व पदाधिकारी ने कहा, 'पिछले उदाहरण के मद्देनजर तो यह इंतजार के लायक ही था।

अगर चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत के फैसले से पहले उपचुनाव कराया होता, तो पहले की स्थिति को बहाल करना मुश्किल होता। चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण और जल्दबाजी करने का आरोप लगाया जाता।' चुनाव आयोग को कोई सीट खाली होने की तारीख से छह महीने के भीतर उपचुनाव कराने की आवश्यकता है। राहुल गांधी के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा सचिवालय की तरफ से वायनाड लोकसभा क्षेत्र खाली होने की अधिसूचना मिलने के बाद तुरंत बाद उपचुनाव कराने की जगह इंतजार करने का फैसला किया। कर्नाटक चुनावों की घोषणा के दिन 29 मार्च को सीईसी से जब पूछा गया कि वायनाड उपचुनाव की घोषणा क्यों नहीं की गई, तो उन्होंने कहा था, 'हम इंतजार करेंगे। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील के सभी उपाय समाप्त होने से पहले इसे (उपचुनाव) करने की कोई जल्दबाजी नहीं है।'

क्या राहुल को मिलेगा पुराना बंगला

12 तुगलक लेन। वो बंगला जहां राहुल गांधी 19 साल रहे। मोदी सरनेम मामले में 2 साल की सजा मिलने के बाद 22 अप्रैल 2023 को उन्हें ये बंगला खाली करना पड़ा था। खाली करने के ठीक 104 दिन बाद सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। यानी अब उनकी सांसदी भी बहाल हो जाएगी। 12 तुगलक लेन वाला बंगला खाली है। ऐसे में सवाल उठ रहा कि क्या राहुल गांधी को ये दोबारा आवंटित किया जाएगा?

राहुल गांधी 2004 में पहली बार अमेठी से सांसद बने। तब तक वो अपनी मां के साथ 10 जनपथ स्थित बंगले में रहते थे। सांसद बनने पर 2005 में उन्हें पहली बार 12 तुगलक लेन वाला बंगला एलॉट किया गया था। ये दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित टाइप-8 बंगला है, जो हाइएस्ट कैटेगरी है। इस आलीशान बंगले में 5 बेडरूम, 1 हॉल, 1 डायनिंग रूम, 1 स्टडी रूम और सर्वेंट क्वार्टर हैं। राहुल गांधी इस बंगले में एक प्राइवेट गृह प्रवेश के बाद शिफ्ट हुए थे। इस सेरेमनी में सोनिया, प्रियंका, रॉबर्ड समेत उनके करीबी लोग ही शामिल थे। इसकी कोई सार्वजनिक तस्वीर भी मौजूद नहीं है।

राहुल गांधी ने इस घर में 19 साल बिताए। मोदी सरनेम मामले में दोषी पाए जाने के 4 दिन बाद लोकसभा हाउसिंग कमेटी ने 1 महीने के अंदर राहुल गांधी को ये बंगला खाली करने को कहा था। राहुल ने 22 अप्रैल 2023 को ये बंगला खाली कर दिया। राहुल गांधी ने इसी साल 26 फरवरी को कांग्रेस के 85वें अधिवेशन में बताया था कि मेरे पास कोई घर नहीं है। राहुल 12, तुगलक लेन वाले सरकारी बंगले को खाली करने के बाद 10 जनपथ स्थित अपनी मां सोनिया गांधी के आवास में शिफ्ट हो गए थे। 12 तुगलक लेन से जुड़ा एक चर्चित किस्सा 2016 का है। उस वक्त हिमंत बिस्वा सरमा कांग्रेस में थे।

एक इंटरव्यू में में उन्होंने बताया कि वो असम की समस्याएं डिस्कस करने के लिए कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी से मिलने पहुंचे। राहुल उस वक्त अपने पालतू डॉग के साथ खेल रहे थे। राहुल ने हिमंत पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसी से नाराज होकर हिमंत ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया और बीजेपी ज्वॉइन कर ली।

12 तुगलक लेन वाला बंगला टाइप-8 कैटेगरी में आता है। इस कैटेगरी के बंगले आमतौर पर कैबिनेट मंत्रियों, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश इत्यादि को दिए जाते हैं। राहुल 4 बार से सांसद जरूर हैं, लेकिन फिलहाल उनके पास कोई बड़ा पद नहीं है। ऐसे में ये पूरी तरह लोकसभा हाउसिंग कमेटी पर निर्भर करता है कि वो ये बंगला उन्हें अलॉट करता है या नहीं। क्या राहुल गांधी को वही बंगला मिलना चाहिए, इस सवाल पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगला मिलना उनका अधिकार है, चाहे जो मिले। हालांकि, कांग्रेस के सीनियर नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी को पुराना बंगला आवंटित भी किया जाता है, तो वो नहीं लेंगे।

वजह पूछने पर बताते हैं कि हो सकता है कि इस जगह के साथ छेड़छाड़ की गई हो। इससे राहुल गांधी की प्राइवेसी और सिक्योरिटी को खतरा हो सकता है। राहुल गांधी जब 2004 में इस बंगले में शिफ्ट हुए थे, तो कांग्रेस की सरकार थी। वहां किसी संदिग्ध को जाने की अनुमति नहीं थी।

लोकसभा सदस्यों को दिल्ली में बंगले का आवंटन 'डायरेक्टरेट ऑफ स्टेट्स' करता है। यह मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स के तहत आता है। 'डायरेक्टरेट ऑफ स्टेट्स' के अंदर भी यह काम जनरल पूल रेसिडेंशियल अकॉमोडेशन एक्ट के तहत किया जाता है। इसमें घरों के आवंटन के लिए केंद्र सरकार के जनरल पूल रेसिडेंशियल अकॉमोडेशन रूल्स 2017 का पालन किया जाता है। जीपीआरए में केंद्र सरकार का कोई भी कर्मचारी घर के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन अलॉटमेंट के लिए पे स्केल, ऑफिस और पोजिशन को देखा जाता है और उसी के अनुसार आवास दिए जाते हैं। इन आवासों के लिए सरकार की तरफ से एक मासिक किराया भी तय है। इसे सरकार मार्केट रेट के हिसाब से ही रखने की कोशिश करती है। इन घरों के रख-रखाव के लिए सरकार की तरफ से भत्ता भी दिया जाता है।

जिन सांसदों को सरकार बंगला नहीं दे पाती वो सांसद दिल्ली के किसी भी होटल में सरकार के खर्चे पर रह सकते हैं। सांसद जितने दिन भी अपने काम से दिल्ली में ठहरता है उसका खर्च केंद्र सरकार उठाती है। सरकार सांसदों के लिए होटल में अस्थायी आवास कैटेगरी के तहत भी रहने की व्यवस्था करती है। होटल में सिंगल सूइट दिया जाता है। यह तब तक के लिए होता है जब तक सरकार उस सांसद के लिए नियमित घर की व्यवस्था नहीं कर देती है। . बंगला खाली करवाने का नियम

राहुल गांधी जैसे या अन्य इसी तरह के मामलों में सरकारी बंगला खाली कराने का भी एक कानून है। इसके लिए पब्लिक प्रिमाइसेस (एविक्शन ऑफ अनऑथोराइज्ड ऑक्यूपेंट्स एक्ट) का इस्तेमाल किया जाता है। कानून के नियमों के मुताबिक...

नोटिस मिलने के 30 दिन के अंदर बंगला खाली करने को कहा जाता है। बंगला खाली नहीं करने वाले को 3 दिन में इस नोटिस का जवाब देना होता है। जवाब में यह बताना होता है कि उन्हें प्रॉपर्टी को खाली करने का आदेश क्यों ना दिया जाए।

दोनों पक्षों में कोई विवाद होने पर शो-कॉज नोटिस भी जारी किया जाता है। फिर डायरेक्टोरेट ऑफ स्टेट्स मामले की सुनवाई करता है। इतने के बावजूद भी कोई जवाब नहीं मिलता है तो बंगला खाली कराने के लिए राज्य बल प्रयोग कर सकता है। 2019 में इस कानून में एक संशोधन के मुताबिक बंगला खाली नहीं करने पर अब 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

देश बना जॉम्बी, सेक्युलरों का रहना हुआ मुश्किल

व्यंग्य

चमन देश के हालात से बेहद नाराज थे। दारू का दो पैग मारने के बाद शाम को टहलने पार्क में निकले थे। वहां उन्हें दक्खिन टोले के परिचित रमन मिल गये। रमन को देखते ही चमन का पारा कपार पर चढ़ गया। उन्होंने नथूने फुलाते हुए कहा, "देश बरबाद हो चुका है। अब यह देश रहने लायक नहीं रह गया है। तुम्हारे नेताओं की वजह से देश का एक वर्ग जॉम्बी बन गया है। अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है। हम किस दौर में आ चुके हैं सेक्युलरों का इस देश में रहना मुश्किल हो गया है।" रमन डांट से सकुचाये हुए थे। अपने लोगों के मुसीबत में देखते ही रमन को दीवार फांद कर भाग जाने की आदत थी। उनके दादा, परदादा भी यही करते थे। ये उनका खानदानी रोग था, इसलिये डरते हुए कहा, "नूंह-मेवात में भी तो डरे हुए अल्पसंख्यकों ने शोभा यात्रा पर हमला किया है।""खबरदार जो अल्पसंख्यकों को इस मामले में फंसाने की कोशिश की तो। उन्हें वीडियो बना बनाकर उकसाया गया। वीडियो से डरकर ही उन्होंने हमला किया होगा। तुम्हारे लोगों ने वीडियो बनाकर अल्पसंख्यकों को फंसाने की साजिश रची है। उन्होंने वीडियो से डर कर ही हमला किया होगा", चमन ने गुस्साते हुए कहा। "वीडियो तो अल्पसंख्यकों की तरफ से भी बनाये गये कि मर जायेंगे या मार देंगे। क्या यह उकसाने वाला काम नहीं था। फिर उनके पास अचानक इतने हथियार कहां से आ गये? क्या आपको नहीं लगता कि पहले से हमला करने की तैयारी थी", रमन ने सकुचाते हुए कहा। "अल्पसंख्यक इस देश में डरा हुआ है। डरा हुआ कौम अपनी सुरक्षा के लिये कुछ भी रख सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि तुम कुछ भी आरोप लगा दो। क्या पता तुम्हारे लोगों ने ही सुसाइड करके अल्पसंख्यक समाज को फंसाने की कोशिश की हो", चमन चामपंथी ने दहाड़ते हुए कहा।

रमन कोई जवाब देते सामने से वरिष्ठ महिला पत्रकार पार्किंग दोषी आ गईं। उन्होंने चमन की हां में हां मिलाते हुए कहा, "चमनजी इन लोगों को समझाने का कोई फायदा नहीं है। ट्रेन में आरपीएफ के सिपाही ने अल्पसंख्यकों की चुन चुनकर जान ले ली कि हमारे नेता को वोट नहीं दोगे तो मारे जाओगे। इन लोगों ने देश को बरबाद कर दिया है। जॉम्बी बना दिया है। उसने तो अल्पसंख्यकों के साथ दूसरे वर्ग के व्यक्ति को भी मारा था फिर यह चुनकर मारने का मामला कहां से हो गया? चुन चुनकर तो कश्मीर में मारा गया। तब आप लोग कहां थे? अब भी बहुसंख्यकों की सुनियोजित हत्या की जा रही है, तब आप लोगों को जॉम्बी नजर नहीं आये", इस बार रमन हाफपैंटी ने थोड़ी तैश दिखाते हुए कहा।

"वो भटके हुए युवा हैं। उन्हें सही राह पर लाने की जरूरत है। आप कुछ बहुसंख्यकों की चुनकर की गई हत्या के लिये पूरे अल्पसंख्यक वर्ग को दोषी नहीं ठहरा सकते। वो न्याय मांग रहे हैं। न्याय के लिये हथियार उठाया है। आप जैसे लोग इसी तरह झूठी नफरत फैलाकर देश को बरबाद करने पर तुले हुए हैं। कश्मीर का उदाहरण बनाकर आप पूरे देश पर नहीं थोप सकते हैं", पार्किंग दोषी ने दहाड़ा।

"एक वर्ग देश में आतंकवाद फैलाता आ रहा है। देश के लोगों की हत्यायें करने के लिये वो जगह-जगह विस्फोट करते आ रहे हैं। तब आप लोगों को देश के लिये न्याय की जरूरत नजर नहीं आई", रमन हाफपैंटी ने इस बार तेज आवाज में ललकारते हुए कहा।

"शर्म आनी चाहिए आपको। जो वर्ग बम विस्फोट करता है वह आरपीएफ सिपाही की तरह भेदभाव नहीं करता है। उसके विस्फोट से हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन सब मरता है। वह विस्फोट से केवल एक वर्ग पर हमला नहीं करता है। उसके हमले में समानता और बराबरी का भाव छुपा होता है, लेकिन आप जैसे देशविरोधी ताकतों को यह सब नहीं दिखेगा। कुछ तो इतने दयालु होते हैं कि खुद के शरीर पर बम बांधकर विस्फोट करते हैं, ताकि वह दूसरों को मरते देखने से पहले शहीद हो जायें। ऐसे संवेदनशील एवं दयाभाव रखने वालों को आप आतंकी साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको डूब मरना चाहिए", चमन ने चिड़ाघते हुए कहा।

"डूब कर तो आपको मरना चाहिए कि एकतरफा बात कर रहे हैं। शोभा यात्रा पर हमला होता है और इसकी निंदा करने की बजाय बचाव करने की बेशर्म कोशिश कर रहे हैं", रमन ने जोर से कहा।

"खबरदार, जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ कुछ कहा तो। उनको इतना डरा दिया गया है कि वे शोभा यात्रा पर हमला कर रहे हैं। क्यों उनके मुहर्रम पर कोई दंगा नहीं होता है, कोई हमला नहीं होता है? क्योंकि वह शांति से रहने वाले लोग हैं। वे शोभा यात्रा पर ही हमला होता है? क्यों तुम्हारे ही धर्म के त्यौहार पर हमला होता है? इसलिये कि तुम लोग उन्हें शांति से रहने नहीं देना चाहते होए लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे", चमन चामपंथी ने दहाड़ते हुए कहा।

"इस देश में अल्पसंख्यक डरा हुआ है। उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। वह मेन सड़क से जाने की बजाय पार्किंग से छुपकर जा रहा है। देश का मीडिया आतंक फैला रहा है। एकतरफा खबरें दिखा रहा है। अगर अल्पसंख्यकों ने किसी शोभा यात्रा या धार्मिक यात्रा पर हमला कर भी दिया तो इसे दिखाने की क्या जरूरत है। देश की शांति के लिये इसे बहुसंख्यकों की साजिश भी तो करार दिया जा सकता है, लेकिन बिकी हुई मीडिया यह नहीं करेगी", पार्किंग दोषी ने चीखते हुए कहा।

"चीन-पाकिस्तान से पैसा लेकर तुम लोग हमारे देश को बरबाद करने पर तुले हो और बीते सत्तर सालों में एक तरफा बकवास करते आ रहे हो", रमन हाफपैंटी ने गुस्से में कहा।

"खबरदार रमन, अगर तुमने चीन के बारे में एक शब्द भी बोला तो। पाकिस्तान से हमें मतलब नहीं, लेकिन चीन पर आरोप बरदाश्त नहीं करेंगे। तुम अपने देश के बारे में कुछ भी बोले हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन चीन के बारे में कहा तो तुम बख्शे नहीं जाओगे। तुम्हारे जैसे बिके हुए लोग ही चीन पर आरोप लगा सकते हैं। उसकी डीजीपी देखो। तरक्की देखो। तुम लोग चीन से जलते हो। जलनखोर हो तुम लोग", पार्किंग दोषी और चमन चामपंथी ने लगभग एक साथ सुर में सुर मिलाते हुए कहा।

"चीन का इतना दर्द है तुमलोगों को", रमन ने दुखती नस पर हाथ रख दिया।"चलो पार्किंग किसी पार्किंग में चलते हैं। इस साले ने पूरे पैग का नशा उतार दिया। मूड खराब हो गया", चमन चामपंथी ने पार्किंग दोषी से कहा।

"चलिये सर, इस देश की मीडिया भी बिक चुकी है। गोदी मीडिया सच नहीं दिखायेगी। आठ-दस वरिष्ठ पत्रकारों को छोड़कर पूरा देश और मीडिया बिक चुका है। इस देश का बहुसंख्यक नागरिक जॉम्बी हो चुका है। देश बरबाद हो चुका है। यह देश कांग्रेस सरकार आने के बाद ही सुधरेगा", पार्किंग दोषी ने यह बात कहते हुए चमन के साथ पार्किंग की ओर बढ़ गई।

शोर गली तक आ पहुंचा है, जल मरने से पहले आओ गले मिल कर रो लो

खिड़की बंद करो
दरवाज़ा मत खोलो
बोलना है तो आँखों ही आँखों में बोलो
शोर गली तक आ पहुँचा है
जल मरने से पहले
आओ गले मिल कर रो लो....

ये नज्म है मोहम्मद अल्वी की. शायद ये अल्फ़ाज़ काफी है फसाद का दर्द समझने को. भीड़ का कोई चेहरा नहीं होता. वो प्यासी होती है खून की. उसका कलेजा सिर्फ और सिर्फ खून की पिचकारी से ही सुकून महसूस करता है. हरियाणा का नूंह जल रहा है. मकान, दुकान, वाहन सब ख़ाक पड़े हुए हैं. शहर के कई रास्ते चीख चीखकर हिंसा की गवाही दे रहे हैं. गलियों में सन्नाटे हैं. जमीन पर बिखरे हुए कांच के टुकड़े हिंसा की कहानी बयां कर रहे हैं. मरने वाला कोई भी हो. मंदिर जली हो या मस्जिद. खून किसी का भी बहा हो. जिसकी जान चली गई वो लौटकर नहीं आएगी. कुछ दिनों बाद हालात सुधर जाएंगे. मेवात के लोग वापस से अपनी जिंदगी जीने लगेंगे मगर यादों के संदूक में सिमटी ये तस्वीरें कभी नहीं भुलाई जाएंगी. कितनी भी तकरीरें आप दे दो. हिंसा को आप जायज नहीं ठहरा सकते.

देखिए, जी भर के ये तस्वीरें देखिए. हिंसा की आग देखिए. मुझे यकीन है आप का कलेजा भी कांप रहा होगा. आप भी सोच रहे होंगे कि हिंदुस्तान की ये रवायत तो नहीं है. विदेशी

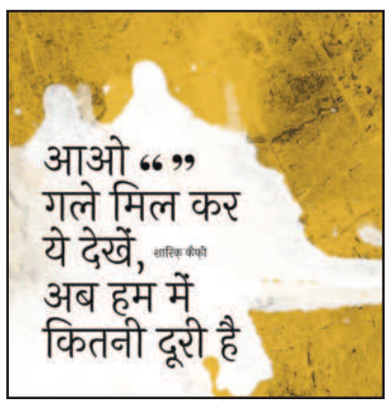

मुल्क हम पर हंस रहे हैं. गुरुग्राम से लोग पलायन कर रहे है. अपना घर छोड़ने का दर्द इनके शब्द और आंखें बयां कर रही हैं. फिर भी जान है तो जहान है. लेकिन ये किस जहान के लिए जान बचा रहे हैं. इसी जहान के लिए जहां पर इंसान ही इंसान के खून का प्यासा है. मासूम बच्चा अभी भी दूध के इंतजार में हैं. उसे दंगा, हिंसा, हिंदू-मुसलमान शब्द के मायने तक नहीं पता. आज वो भूखा सो रहा है. शायद सोच रहा होगा कि उसकी मां आज उसको दूध नहीं पिला पाएगी. हाथों में तलवार लेकर नारे लगाने वाले जाहिलों को समझना चाहिए, चंद सियासी हुक्मरानों की साजिश न बने. दंगे में कौन मरता है. कभी पलटकर देखिएगा दंगे के निशानों को. आपको मासूमों की चीखें, लाश के बगल में छाती पीटती मां के सिवा कोई नजर नहीं आएगा.

बशीर बद्र साहब का एक शेर है. लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में. दुकानें लुट गईं. सालों की कमाई में दंगाई आग लगा गए. भगवान हो या अल्लाह ये कभी ऐसे लोगों को माफ नहीं करेंगे. उबैदुल्लाह अलीम लिखते हैं मैं ये किस के नाम लिक्खूँ जो अलम गुज़र रहे हैं मिरे शहर जल रहे हैं मिरे लोग मर रहे हैं. स्क्रीन पर चल रही तस्वीरों पर आप भी थोड़ी संवेदना दे सकते हैं. दोनों समूहों में सही गलत ठहरा सकते हैं. मगर इन बेकसूरों को क्यों सजा मिलती है. दंगाई हमेशा बच जाते हैं. वो उकसाते हैं औकर छिप जाते हैं. इस आग में राख हो जाते हैं कई घरों के चराग. दंगे की तपिश देखने के बाद इन आंखों को आफताब की रोशनी से खौफ लगता है. खौफ़ज़दा ये लोग मेवात छोड रहे हैं. अपनी औलादों को गोदी पर उठाकर मीलों का सफर तय कर रहे हैं. वो यहां से भाग जाना चाहते हैं. शर्म आती है मुझे ये तस्वीर देखकर. गुस्सा आता है उन लोगों पर जो हिंसा को सियासी हथियार बना रहे हैं. जो लाशों पर राजनीति कर रहे हैं. इज़ाजत दीजिए. लिखना बंद रहा हूं. इस उम्मीद से भगवान, अल्लाह जहां तक मेरी फरियाद पहुंच पा रही हो बस इस आग को शांत कर दे।

अफीम से उपजी है मणिपुर की हिंसा

भारत का पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर पिछले कुछ महीनों से बड़े पैमाने पर हिंसा के कारण सुर्खियों में है। वहां अब तक लगभग डेढ़ सौ जानें गईं और सैकड़ों मकान फूंक डाले गए। लाखों लोगों ने जान बचाकर राहत शिविरों में शरण ली या दूसरे राज्यों में पलायन कर गए। वहां रहने वाले मैतेई और कुकी जनजाति के बीच परस्पर भरोसे की दीवार ढह गई। हालांकि दोनों समुदाय पहले से ही एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देख रहे थे, लेकिन इन जातीय दंगों ने उनके बीच अब बड़ी खाई खोद दी है। दोनों प्रमुख समुदायों में नफरत की भावना इस कदर घर कर गई है कि दोनों एक-दूसरे को देखना भी नहीं चाहते। विभिन्न टिप्पणीकार इस भयावह हिंसा और मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर रहे हैं, लेकिन राज्य प्रशासन अब तक इस हिंसा पर काबू पाने के लिए कुछ ठोस नहीं कर पाई है। नतीजतन सर्वोच्च न्यायालय को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा है और उसने वहां के पुलिस महानिदेशक को तलब किया है।

मणिपुर की इस अभूतपूर्व हिंसा का एक कारण है अफीम की अवैध खेती और ड्रग्स तस्करी, जिसमें न केवल कुकी जनजाति के लोग, बल्कि सत्तारूढ़ दल के कुछ सदस्यों के रिश्तेदार भी शामिल हैं। मणिपुर अफीम तस्करी के लिए आजादी के समय से ही जाना जाता रहा है। यह चीन, बांग्लादेश और म्यांमार का पड़ोसी है। म्यांमार से न केवल बड़े पैमाने पर अफीम की, बल्कि हशीश और मेथा नाम की नशीली दवा की तस्करी भारत में होती है। म्यांमार-मणिपुर सीमा 1,640 किलोमीटर लंबी है, जहां सतत निगरानी मुश्किल है। चूंकि यह पहाड़ी और दुर्गम जंगलों का इलाका है, इसलिए इन्हीं रास्तों से यहां अफीम आती रही है। हालांकि बाद में मणिपुर में धड़ल्ले से अफीम की अवैध खेती होने लगी। सरकारी अनुमानों के अनुसार, वहां लगभग 15,400 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती हो रही है। हालांकि वहां कई बार अफीम की फसल नष्ट करने का व्यापक अभियान चलाया गया, लेकिन उसे रोका नहीं जा सका है।

राज्य सरकार को दो-दो मोर्चों पर जूझना पड़ रहा है। एक ओर अवैध अफीम की खेती को नष्ट करना, दूसरी तरफ म्यांमार से आने वाले ड्रग्स पर अंकुश लगाना, जिसमें अफीम भी शामिल है। इस खेल में बहुत से भागीदारों के होने के कारण यह मसला और जटिल हो गया है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या है म्यांमार से अफीम व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, जिसमें वहां के सैन्य शासक का भी दखल है।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े अफीम उत्पादक देश म्यांमार की सीमाएं भारत और चीन, दोनों से मिलती हैं। थाईलैंड और लाओस भी इसके पड़ोसी देश हैं। ये उस कुख्यात ड्रग तस्करी क्षेत्र का हिस्सा हैं, जिसे स्वर्ण त्रिभुज कहते हैं और इसमें तीनों देश-लाओस, थाईलैंड और म्यांमार शामिल हैं। इसका इतिहास बहुत पुराना है। यहां से तस्करी के जरिये अफीम पहले चीन में भी पहुंचाई जाती थी, लेकिन कम्युनिस्ट शासन में वहां उसकी तस्करी कम हो गई। लेकिन भारत, बांग्लादेश और थाईलैंड में बाकायदा इसकी आपूर्ति होती रही। साठ के दशक में तो वियतनाम युद्ध के दौरान वहां की अफीम अमेरिकी सैनिकों में बेहद लोकप्रिय हो गई थी। लेकिन वियतनाम युद्ध खत्म होते ही यह धंधा चौपट हो गया। उसके बाद से तस्करों ने बड़े पैमाने पर अफीम भारत भेजना शुरू किया। फिर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती होने लगी। पहले की सरकारें इसे अनदेखा करती रहीं, लेकिन बीरेन सिंह की भाजपा सरकार ने इस पर निशाना साधा। सरकारी एजेंसियों ने हजारों एकड़ में लगी अफीम की फसल जलानी शुरू की, जिससे स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी रोष पैदा हो गया। माना जाता है कि जातीय हिंसा का एक कारण यह भी बना और मैतेई तथा कुकी समुदायों के बीच दंगों की एक बड़ी वजह यही है। मणिपुर की ड्रग समस्या जटिल है और जनजातीय इलाकों में रहने वाले बहुत से लोग इसमें शामिल हैं, क्योंकि इसमें मोटा पैसा आसानी से मिल जाता है। इसने कुकी जनजाति के एक बड़े वर्ग को प्रभावित किया है, जिसका गुस्सा मणिपुर की हिंसा में साफ दिखाई दे रहा है।

खरीदारी और निवेश के लिए शुभ दिन

तारीख और वार	योग-संयोग
7 अगस्त, सोमवार	रवियोग
9 अगस्त, बुधवार	सिद्धि, वृद्धि और सर्वार्थसिद्धि योग
14 अगस्त, सोमवार	सिद्धि, प्रजापति और सर्वार्थसिद्धि योग
15 अगस्त, मंगलवार	वर्धमान, गजकेसरी और सर्वार्थसिद्धि योग
17 अगस्त, गुरुवार	सिंह संक्रांति, महालक्ष्मी योग और प्रॉपर्टी खरीदी का विशेष मुहूर्त
18 अगस्त, शुक्रवार	शिव और सिद्धि योग, प्रॉपर्टी खरीदी का विशेष मुहूर्त
20 अगस्त, रविवार	साध्य, मानस, सर्वार्थसिद्धि, अमृतसिद्धि और रवियोग
21 अगस्त, सोमवार	बुधादित्य, शुभ और महालक्ष्मी योग, व्हीकल खरीदी का विशेष मुहूर्त
22 अगस्त, मंगलवार	शुक्ल, ध्वज, गजकेसरी और रवियोग
24 अगस्त, गुरुवार	इंद्र, वर्धमान और सर्वार्थसिद्धि योग, प्रॉपर्टी, व्हीकल खरीदी का मुहूर्त
25 अगस्त, शुक्रवार	रवियोग और प्रॉपर्टी खरीदी का विशेष मुहूर्त
26 अगस्त, शनिवार	रवियोग
29 अगस्त, मंगलवार	बुधादित्य, गजकेसरी और रवियोग
30 अगस्त, बुधवार	मित्र योग और व्हीकल खरीदी का विशेष मुहूर्त
31 अगस्त, गुरुवार	सुकर्मा योग, प्रॉपर्टी और व्हीकल खरीदी का विशेष मुहूर्त

इस महीने की शुभ तारीखें

अगस्त में हर तरह की खरीदारी और नई शुरुआत के साथ ही रियल स्टेट में निवेश के लिए रहेंगे 15 मुहूर्त

अगस्त में तिथि, वार, नक्षत्र और ग्रहों की स्थिति से कई शुभ संयोग बन रहे हैं। जिनमें खरीदारी, निवेश और नए कामों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। साथ ही इस महीने प्रॉपर्टी और व्हीकल खरीदारी के साथ ही रियल स्टेट में निवेश के लिए 15 दिन शुभ मुहूर्त रहेंगे।

ये मुहूर्त वृद्धि, महालक्ष्मी, राजयोग, रवियोग, सर्वार्थसिद्धि और अमृतसिद्धि जैसे बड़े शुभ योगों से बन रहे हैं। इन शुभ तारीखों में की गई खरीदारी या निवेश से फायदा और बढ़ जाएगा।

दक्षिणायन, देवशयन और अधिक मास, फिर भी खरीदारी के मुहूर्त

सूर्य के कर्क राशि में आने के बाद दक्षिणायन शुरू हो गया। अगले 6 महीने तक दक्षिणायन रहेगा। साथ ही देवशयन होने से चातुर्मास भी चल रहा है। इस बार अधिक मास भी है।

पुराणों में बताया गया है कि दक्षिणायन, देवशयन और अधिक मास के दौरान शुभ काम नहीं किए जाते हैं, लेकिन पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र के मुताबिक ज्योतिष के मुहूर्त ग्रंथों में बताया गया है कि इस दौरान खरीदारी करने से कोई दोष नहीं लगता है। साथ ही पूरे साल खरीदारी की जा सकती है। चाहे वो पितृपक्ष हो, खरमास, धनुर्मास या अधिक मास हो।

आखिरी सप्ताह में लगातार 7 मुहूर्त

डॉ. मिश्र बताते हैं कि अगस्त के पहले हफ्ते में 1 और दूसरे में 2 मुहूर्त होंगे। तीसरे सप्ताह में खरीदारी के लिए 5 दिन शुभ रहेगें। वहीं इस महीने के आखिरी दिनों में खरीदारी और नई शुरुआत के लिए 7 शुभ मुहूर्त मिलेंगे।

इस तरह पूरे महीने में व्हीकल, ज्वेलरी और जरूरी चीजों की खरीदारी के साथ ही नई शुरुआत और रियल एस्टेट में निवेश के लिहाज से 15 दिनों में अलग-अलग तरह से शुभ मुहूर्त रहेंगे।

श्री ज्ञानमुनिजी म.सा.

कुछ और सबक हमने किताबों में पढे थे

* कुछ और सबक हमको जमाने ने सिखाए। कुछ और सबक हमने किताबों में पढे थे ।।
* जमाना ढूँढता है जिसको माजी की किताबों में । नजर के सामने है वो हकीकत कौन मानेगा ।।
* किस्सए अजमते माजी को न मुहमिल समझो, कौमें जाग उठती हैं इन्हीं अफसानों से । भूतकाल की गौरव गाथाओं को अनावश्यक, बेकार न समझें इन्हीं गाथाओं से राष्ट्र जाग जाते हैं ॥
* कुछ हकीकत तो हुआ करती है अफसानों में । वो भी बाकी नहीं, इस दौर के इन्सानों में ।
* शराफतों की दुकान सजाकर रखते थे । हमारे बुजुर्ग बड़ी आन बान शान रखते थे ।।

ज्ञान सूक्ति कोष २

* पुस्तक पुस्तिका पोथी W १ मस्तक नत है ग्रंथ में भाषा विषय सुबोध । ज्ञान ध्यान मणि दीप सम, एक अनूठा शोध ॥ २ कारीगरी से आपकी है कारगर किताब । , साहित्य सागर की श्रृंगार है ये ॥
* सरस सरल कल्याणमय सुगम शब्द प्रतिपाद, पृष्ठ - पृष्ठ पर ध्वनित है सत्य कथ्य संवाद । कृति के अध्ययन से मिटे द्वय आलस्य प्रमाद, उदत होय क्षमाशीलता सुखप्रद मिले प्रसाद ।।

भगवान शिव का अनोखा मंदिर !

125 फीट ऊंचाई तीसरे नेत्र में जड़ा है हीरा

करनाल के पुराना सराफा बाजार स्थित श्री सनातन धर्म शिव मंदिर उत्तर भारत का सबसे ऊंचे मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण वर्ष 1975-76 में हुआ था। करीब 125 फीट की ऊंचाई वाला यह मंदिर सिद्ध पीठ मंदिर है। मान्यता है कि सिद्ध पीठ मंदिर में श्रद्धालुओं के द्वारा सच्चे मन से मांगी गई हर मान्यता पूरी होती है। मंदिर में भगवान शिव की अष्ट धातु स्थापित है। हर सोमवार, त्रयोदशी, शिवरात्रि व नागपंचमी सहित अन्य त्योहारों के दिन यहां श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ता है। जिले के अलावा दूर दराज के क्षेत्रों के श्रद्धालु भी यहां पूजा करने आते हैं। हरियाणा के करनाल में स्थित 50 साल पुराना मंदिर अपनी अलग अहमियत रखता है। यहां भगवान भोलेनाथ की तीसरी आंख में हीरा जड़ा हुआ है। ढेरों श्रद्धालु यहां भगवान शिव के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

शहर के सराफा बाजार में भगवान शिव के इस एतिहासिक मंदिर का काफी महत्व है। पंडित जी करीब 35 साल से इस मंदिर में पूजा करते आए हैं।

शिवरात्रि और सावन में इस मंदिर में काफी भीड़ होती है। पंडित जी बताते हैं कि भगवान भोलेनाथ के इस मंदिर में 40 दिन अगर कोई लगातार आकार माथा टेकता है और अपनी मनोकामना भगवान शंकर को बताता है तो वो ज़रूर पूरी होती है। बस सच्चे मन से भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आना है।

भोलेनाथ की मूर्ति की खासियत

भगवान शंकर की जो मूर्ति इस मंदिर में लगी हुई है वो अष्ट धातु की बनी हुई। अष्ट धातु का हिन्दू धर्म मे काफी महत्व होता है और ये काफी पवित्र माना जाता है। यहां भगवान भोलेनाथ हाथ में त्रिशूल और डमरू के साथ विराजमान है। यहां एक शिवलिंग भी है जहां भक्तजन जल और दूध चढ़ाने पहुंचते हैं।

भगवान शंकर के तीसरे आंख में जड़ा है हीरा

आपको बता दें कि भगवान शंकर की तीसरी आंख में हीरा जड़ा हुआ है। ये हीरा करनाल से सांसद रहे अरविंद शर्मा ने लगवाया था।दूर- दूर से भक्त आते हैं और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। तंग सी गलियों में बने इस मंदिर की चौड़ाई भले ही कम हो , लेकिन इस मंदिर की ऊंचाई 125 फीट है और पूरा शहर इस मंदिर से नजर आता है। 9 मंजिला इस मंदिर की हर मंजिल पर भगवान की मूर्ति स्थापित है।

नलहरेश्वर महादेव मंदिर नूंह

स्वयंभू का एक ऐसा स्थान जहां कदम के पेड़ से लगातार निकलता है पानी भगवान श्री कृष्ण से विशेष संबंध

नूंह में ऐतिहासिक नलहरेश्वर महादेव

मंदिरनूंहः अरावली पर्वत प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपने दामन में पुराने इतिहास को भी समेटे हुए है। कहते हैं, पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान इसी अरावली पर्वत में कुछ समय बिताया था। यही कारण है कि नूंह जिले के भोंड, फिरोजपुर झिरका और नल्हड़ गांव में तकरीबन 5000 साल पुराने शिवलिंग मिले हैं। इन्हीं स्थानों पर हिंदू समाज के लोगों ने भव्य शिव मंदिर बनाए हुए हैं, जिनकी काफी मान्यता है।नलहरेश्वर महादेव मंदिर का इतिहासः नलहरेश्वर महादेव शिव मंदिर की बात करें तो मंदिर से तकरीबन 500 फीट से अधिक की ऊंचाई पर कदम का पेड़ है। उस कदम के पेड़ से सदियों से साफ सुथरा और मीठा जल अनवरत बहता रहता है। कहते हैं इस पेड़ की जड़ों के नीचे एक कुंडली बनी हुई है। मान्यता है कि इसमें मोटर या नली से पानी निकालने के अलावा अगर किसी बर्तन से पानी निकाला जाए तब भी उसकी मात्रा कम नहीं होती।

नूंह में नलहरेश्वर महादेव मंदिर।कदम के पेड़ से लगातार बहता है पानीः जानकार बताते हैं कि कृष्ण भगवान ने कौरवों और पांडवों का समझौता कराने के लिए इस जगह को चुना था। मान्यता है कि जहां-जहां भी कृष्ण भगवान के चरण पड़े वहां पर अक्सर कदम का पेड़ मिलता है। जिस जगह पर कदम के पेड़ से पानी निकलता है, वहां तक पहुंचने के लिए करीब 287 सीढ़ियां बनाई गई हैं। ताकि लोग आसानी से कदम के पेड़ से बहने वाले पानी को देख सकें या फिर बर्तन में भरकर अपने घर ले जा सकें।

कदम के पेड़ से लगातार निकलता है पानी।महाशिवरात्रि पर लगता है भव्य मेलाः नलहरेश्वर महादेव शिव मंदिर पर न केवल महाशिवरात्रि का भव्य मेला लगता है बल्कि शिवभक्त यहां कावड़ भी चढ़ाते हैं। मंदिर समिति के चेयरमैन सरदार जीएस मलिक ने बताया कि 1983 में ज्ञान गिरी महाराज ने मंदिर परिसर को भव्य रूप देने की शुरुआत हुई। आज ना केवल भव्य मंदिर बनकर तैयार है, बल्कि एक मुख्य द्वार भी बनाया गया है। नलहरेश्वर महादेव मंदिर का मुख्य गेटमंदिर में दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालुः इस मंदिर को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां आते हैं। कुल मिलाकर इस मंदिर की भव्यता व इतिहास को देखते हुए प्रदेश के सीएम मनोहर लाल, राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय के अलावा कई राजनीतिक हस्तियों के साथ-साथ अधिकारी भी यहां आते हैं।

सबसे खास बात यह है कि शिव मंदिर के नजदीक करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से राजकीय शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज बना हुआ है। जिसमें सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। इस अस्पताल में काफी मरीज और उनके तीमारदार आते हैं।

मंदिर में जल स्रोत।अरावली की तलहटी के समीप नलहरेश्वर महादेव मंदिरः नलहरेश्वर महादेव मंदिर के इतिहास जानने के बाद रोजाना भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने के लिए जाते हैं। शहर के लगभग सभी मंदिरों से अधिक चढ़ावा इस मंदिर में चढ़ता है। हरियाणा सरकार ने भी इस मंदिर के लिए आर्थिक मदद की है। कुल मिलाकर कौरवों और पांडवों के इतिहास को याद दिलाते नलहरेश्वर महादेव मंदिर में अरावली की तलहटी के समीप होने की वजह से हरियाली की भी भरमार है। कदम के पेड़ से निकलने वाले पानी की वजह से अरावली पर्वत में जहां-जहां तक पानी की नमी जाती है, वहां तक हर समय हरियाली नजर आती है।

एक बार जो भी श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने के लिए आता है। वह बार-बार आना चाहता है।

अरावली पर्वत की सुंदरता और ऐतिहासिक मंदिर को देखते हुए कई बार इस स्थान को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए भी चर्चा हुई, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कारगर कदम नहीं उठाया जा सका है।नूंह शहर से करीब 3 किलोमीटर दूर है मंदिरः जिला मुख्यालय नूंह शहर से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर ऐतिहासिक नलहरेश्वर महादेव शिव मंदिर अरावली पर्वत की वादियों में स्थित है। शहर के नजदीक होने के कारण शहर के लोग सुबह शाम ना केवल इस 3-4 किलोमीटर लंबी सड़क मार्ग पर सैर सपाटा करते हुए नजर आ जाते हैं, बल्कि बड़ी संख्या में शहर के लोग इस ऐतिहासिक मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भी जाते हैं।

घर पर रखें ये 4 चीजें, हो जाएंगे अमीर

हिंदू संस्कृति में, धन की देवी मां लक्ष्मी अपने भक्तों को समृद्धि, प्रचुरता और सौभाग्य प्रदान करने के लिए पूजनीय और पूजी जाती हैं। प्राचीन धर्मग्रंथों के अनुसार, कुछ पवित्र वस्तुएं हैं जो मां लक्ष्मी के हृदय में विशेष स्थान रखती हैं। माना जाता है कि इन वस्तुओं को अपने घर में रखने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और धन और समृद्धि का प्रवाह बढ़ता है। इसलिए अमीर घरों में ये चीजें आपको बड़ी सरलता से देखने को मिल जाएंगी। तथा आर्थिक संकट कभी आपके ऊपर नहीं मंडराएगा। पारिजात का पौधा समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में से एक है। इस वृक्ष खुद देवराज इंद्र ने स्वर्ग में स्थापित किया था।

वही यह वृक्ष देवी लक्ष्मी को प्रिय है तथा एक वरदान के रूप में आज भी धरती पर मौजूद है। इसका पौधा घर में रखने से सुख-संपन्नता बढ़ती है। मां लक्ष्मी को लघु नारियल सर्वाधिक प्रिय होता है। इसे घर में रखने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। घर में मां लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की तस्वीर लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। भगवान कुबेर धन एवं आरोग्य का वरदान देते हैं।

वही भगवान कुबेर की तस्वीर के साथ स्वास्तिक का चिह्न भी अवश्य लगाएं। भगवान कुबेर के प्रसन्न रहने से रोग एवं दरिद्रता घर से दूर रहते हैं। शंख विष्णु जी और मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। शंख समुद्र मंथन में मिले 14 रत्नों में से एक है। इसे घर में रखने से धन की कभी कमी नहीं होती है।

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार शिवा राजकुमार 'सैंडलवुड किंग' ने जेलर मूवी में 11 मिनट के रोल के लिए कहा 'हां'

कलाकारों के लिए फिल्मों लीड रोल में रहना अहम होता है. बड़ी फिल्मों में स्क्रीन टाइम को लेकर ही हर हीरो की कवायद रहती है. लेकिन कई बार बड़े एक्टर्स भी छोटे से किरदार के लिए हामी भर देते हैं. इसके पीछे सबके अलग अलग कारण होते हैं. ऐसे ही 61 साल के एक एक्टर हैं, जिन्होंने रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' में सिर्फ 11 मिनट का किरदार निभाया है.

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' को रिलीज होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं. नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित यह फिल्म 10 अगस्त को रिलीज होगी. फिल्म में एक एक्टर को सिर्फ 11 मिनट की स्क्रीन स्पेस मिली है. इस एक्टर को 'सैंडलवुड किंग' भी कहा जाता है. हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं, वे हैं कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार शिवा राजकुमार. 'सैंडलवुड किंग' के नाम से फेमस शिवा का जन्म 12 जुलाई 1962 को हुआ था. शिवा फिल्म 'जेलर' में एक खास रोल निभा रहे हैं.

शिवा ने हाल ही अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनका रोल फिल्म 'जेलर' में सिर्फ 11 मिनट का है. जब नेल्सन उन्हें फिल्म की स्टोरी सुनाने आए थे तो उन्होंने बिना सुने ही फिल्म के लिए हामी भर दी थी. कन्नड़ सिनेमा का फेमस नाम शिवा ने 'जेलर' के लिए सिर्फ इसलिए हां कहा क्योंकि यह थलाइवर की फिल्म थी. उनका कहना था कि वे रजनीकांत के साथ फिल्म करने का मौका नहीं छोड़ना चाहते थे इसलिए इससे फर्क नहीं पड़ता कि रोल कितने मिनट का है. शिवा के अनुसार, फिल्म में वे दो बार दिखाई देंगे. एक बार वे फिल्म के टर्निंग पॉइंट में नजर आएंगे और दूसरी बार वे फिल्म के क्लाइमैक्स में दिखेंगे. बता दें इसके अलावा शिवा धनुष की फिल्म 'कैप्टन मिलर' में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं.

44वें डरबन फिल्म फेस्टिवल में मनोज बाजपेयी का सम्मान

मनोज बाजपेयी ने साउथ अफ्रीका के 44वें डरबन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दो अवॉर्ड जीत लिए हैं। फिल्म फेस्टिवल में उनकी फिल्म जोरम के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। साथ ही फिल्म को बेस्ट सिनेमैटोग्राफी अवॉर्ड से भी नवाजा गया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी के लिए पीयूष पुती को ये सम्मान दिया गया है। फिल्म के डायरेक्टर देवाशीष माखीजा हैं।

ट्राइबल कम्युनिटी के संघर्ष पर बेस्ड है फिल्म

ये फिल्म डरबन फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड जीतने वाली पहली इंडियन फिल्म बन गई है। फिल्म समाज की सच्चाई दिखाती है। फिल्म में ट्राइबल कम्युनिटी के साथ हो रहे अन्याय और जंगलों की कटाई का मुद्दा उठाया गया है। फिल्म में एक पिता अपनी नवजात बेटी को बचाने की पुरजोर कोशिशें कर रहे हैं। मनोज बाजपेयी ने पिता का रोल निभाया है। फिल्म जोरम की सेटिंग झारखंड में सेट है। मनोज बाजपेयी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की टीम को बधाई भी दी है।

पुष्पा 2 की श्रीवल्ली का मास्टर स्ट्रोक! रणबीर से लेकर धनुष तक हैं प्लान में शामिल

साउथ इंडस्ट्री की उभरती हुई एक्ट्रेस की लिस्ट देखी जाए तो इसमें रश्मिका मंदाना का नाम जरूर शामिल होगा. रश्मिका ने अपने दम पर साउथ सिनेमा में एक अलग पहचान बना ली है. अल्लू अर्जुन संग 'पुष्पा' करने के बाद वे कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं. बीते दिनों खबर थी कि उनके प्रोजेक्ट्स में अब श्रीलीला और मृणाल ठाकुर को रिप्लेस कर लिया गया है लेकिन रश्मिका का प्लान कुछ और है. आइए, 'श्रीवल्ली' की फ्यूचर प्लानिंग पर बात करते हैं.

रश्मिका मंदाना अपने लुक्स और अदाओं से यूथ के बीच काफी फेवरेट हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर उनके फोटोज छाए रहते हैं. 27 साल की रश्मिका ने जब से 'पुष्पा' की है, तब से उनके करियर को और बूम मिला है. 5 अप्रैल 1996 को जन्मी रश्मिका ने 'किरिक पार्टी' से अपने करियर की शुरुआत की थी.

साउथ इंडस्ट्री में श्रीलीला उभरती हुईं एक्ट्रेस हैं. बीते दिनों खबर थी कि फिल्म 'नितिन' में श्रीलीला को कास्ट कर लिया गया है और उनसे पहले प्रोजेक्ट में रश्मिका थीं. वहीं, विजय देवरकोंडा के साथ एक प्रोजेक्ट में भी उनकी जगह मृणाल ठाकुर को कास्ट कर लिया गया है. खबरों में कितनी सच्चाई है ये तो नहीं पता लेकिन रश्मिका को इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके प्लान में कुछ और शामिल है.

रश्मिका के पास जो सबसे बड़ी फिल्म इस समय है, वह है 'पुष्पा 2'. सुकुमार की इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और यह मोस्ट अवेटेड फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर है. अल्लू अर्जुन की इस पैन इंडिया मूवी में रश्मिका एक बार फिर 'श्रीवल्ली' के किरदार में नजर आएंगी. रश्मिका बॉलीवुड में भी अपने पैर जमा रही हैं. हालांकि अमिताभ बच्चन के साथ उनकी फिल्म 'गुडबाय' और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'मिशन मजनू' इतना कमाल नहीं कर सकी. लेकिन इससे रश्मिका की स्टार वैल्यू पर कोई फर्क नहीं पड़ा है. रश्मिका जल्द ही रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल' में नजर आएंगी. इसे संदीप रेड्डी वांगा ने निर्देशित किया है.

रश्मिका के पास इसके अलावा शाहिद कपूर के साथ एक मूवी है, जिसका अनाउंसमेंट जल्द होने वाला है. इसके अलावा रश्मिका ने शेखर कमुला की एक पैन इंडिया मूवी साइन की है, जिसमें धनुष उनके अपोजिट होंगे. रश्मिका के पास एक वीमन सेंट्रिक मूवी 'रेनबो' भी है. कुल मिलाकर रश्मिका ज्यादातर पैन इंडिया मूवीज पर फोकस कर रही हैं क्योंकि वे अपनी पहचान पैन इंडिया एक्ट्रेस के तौर पर बनाना चाहती हैं. रश्मिका के गेम प्लान में हिंदी, तमिल और तेलुगु इंडस्ट्री शामिल है. उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट के बजट की बात करें तो 'पुष्पा 2' 500 करोड़, 'एनिमल' 100 करोड़, धनुष के साथ अनटाइटल्ड मूवी 100 करोड़, शाहिद कपूर के साथ अनटाइटल्ड मूवी 70 से 80 करोड़ और 'रेनबो' 10 करोड़ में बनी रही है. यानी करीब 800 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स रश्मिका के हाथ में हैं.

एक जैसे रोल मिलने पर बोलीं नोरा : देखना है कि मुझपर रिस्क कौन लेता है

एक्टर और डांसर नोरा फतेही ने हाल ही में खुद के टाइपकास्ट होने पर बात की। बिना किसी का नाम लिए नोरा ने फिल्म मेकर्स पर आरोप लगाया कि उन्हें फिल्मों में लीड रोल नहीं दिए जाते हैं। नोरा ने कहा कि मेकर्स उन्हें बार-बार चार लड़कियों के लीड रोल वाली फिल्में ऑफर कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि डांस नंबर्स करने की वजह से फिल्ममेकर्स उन्हें लीड रोल में नहीं लाना चाहते हैं। क्योंकि इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जो अच्छा डांस भी करती हैं।

लगातार मल्टीस्टारर फिल्मों के ऑफर आ रहे- नोरा

एक इंटरव्यू में नोरा ने फिल्म मेकर्स पर उन्हें टाइपकास्ट करने का आरोप लगाया। नोरा ने 2020 में स्ट्रीट डांसर 3डी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, इसके बावजूद उनकी पहचान बतौर एक्ट्रेस न होकर एक फेमस डांसर के तौर पर है। किसी का नाम लिए बिना नोरा ने कहा कि वो लीड रोल पाने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि फिल्म मेकर्स उन्हें ऐसे किरदारों में कास्ट नहीं करना चाहते हैं। वो बारी-बारी से मल्टीस्टारर फिल्मों में ही काम कर रही हैं। उन्हें लगातार ऐसी ही फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं।

पहले किसी को मुझे मौका देने का रिस्क लेना होगा- नोरा

नोरा ने कहा- मुझे नहीं लगता कि मेकर्स मुझे इसलिए नहीं कास्ट नहीं करना चाहते, क्योंकि मैं डांस करती हूं। बॉलीवुड में ऐसी कई खूबसूरत लीडिंग एक्ट्रेस रही हैं, जो अच्छी डांसर भी हैं।'नोरा ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि वो डांस नंबर में परफेक्ट हैं, लेकिन हमेशा से ही वह एक एक्ट्रेस भी बनना चाहती थीं। नोरा बोलीं- मुझे लगता है कि यह हमेशा से ही था। मुझे नहीं पता, अब देखना होगा कि मुझे लेकर रिस्क कौन लेता है? मुझे लगता है कि ऐसा करने लिए सबसे पहले किसी को मुझे मौका देने का रिस्क लेना होगा। मुझे लगता है कि हर कोई ऐसे एक मौके का इंतजार करता है।

आज इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन हो गया है-नोरा

नोरा ने आगे कहा- आज इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन हो गया है। साल भर में कुछ ही फिल्म आती हैं। कभी कभी फिल्म मेकर्स के साथ ऐसा होता है कि जो उनके सामने है, वो उससे ज्यादा सोचते ही नहीं।

इसलिए अगर कोई 4 एक्ट्रेस फिल्में कर रही हैं, तो उन्हें बारी-बारी से मौके मिलते हैं। ऐसे में फिल्म मेकर्स केवल उन चार एक्ट्रेसेस को ही याद रखते हैं। वो उससे ज्यादा नहीं सोचते हैं। ऐसे में आपका काम चार एक्ट्रेसेस को रोकना और खुद पांचवा बनना है। इतना ही नहीं आपको भी लगातार कई फिल्में भी करनी, ताकि आप उनकी बराबरी पर आ सकें। हां यह काम बेहद कठिन है, लेकिन यह हो रहा है। मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे इंडस्ट्री में मौके मिले हैं। मुझे बस खुद को साबित करना है, ताकि मैं टिक सकूं। मेरे लिए यह बड़ी चुनौती है।

हर वक्त सेलिब्रिटी बनकर नहीं रह सकती : सारा अली खान

सारा अली खान अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। अपनी फिल्मों के साथ-साथ वह अपने सोशल मीडिया पोस्ट और शायरी की वजह से भी फैंस के बीच छाई रहती हैं। सारा जमीन से जुड़ी हुई एक्ट्रेस हैं। बॉलीवुड की चर्चित अदाकारा होने और इतने बड़े घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद वह काफी सादगी भरा जीवन जीना पसंद करती हैं। सुनकर शायद हैरानी हो, लेकिन एक्ट्रेस के पास एक भी जोड़ी डिजाइनर कपड़े नहीं हैं। खुद सारा ने यह खुलासा किया है।

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान ने हाल ही में खुलासा किया कि वह हर वक्त सेलिब्रिटी बनकर नहीं रह सकतीं। उन्होंने इसकी वजह भी बताई। एक्ट्रेस ने कहा कि जब वह फिल्म के सेट पर नहीं होतीं तो उन्हें सेलिब्रिटी की तरह रहने की जरूरत महसूस नहीं होती और न ही उन्हें यह पसंद है। सारा ने कहा, 'लोग मशहूर हस्तियों से ईमानदारी और प्रामाणिकता की तलाश कर रहे हैं'।

सारा ने आगे कहा, 'मैं फिल्मों से अलग वही बनकर रहना पसंद करती हूं, जैसी मैं वास्तव में हूं। चाहें गीले बालों के साथ एयरपोर्ट पर चले जाना हो या फिर जब तक जरूरत न हो बिना मेकअप के रहना हो।' इस दौरान सारा ने यह भी कहा कि उनके पास एक भी जोड़ी डिजाइनर कपड़े नहीं हैं और उन्हें इससे फर्क भी नहीं पड़ता।

सारा का कहना है कि वह डिजाइनर कपड़ों की जगह पूरी ईमानदारी के साथ जैसी हैं वैसी बनकर रहना ज्यादा पसंद करती हैं। उन्हें इस बात का गर्व है। सारा ने कहा कि एक भी डिजाइनर कपड़े नहीं होने की वजह से पहले लोग उन्हें जज करते थे। फिर धीरे-धीरे लोग उनकी इसी बात की तारीफ करने लगे और अब यही चीजें उनकी पहचान बन चुकी हैं।

सारा अली खान जिस सादगी के साथ पैपराजी से मिलती हैं, उनका वह अंदाज सभी का दिल जीत लेता है। इतना ही नहीं, अक्सर वह अपनी यात्राओं के वीडियो भी सोशल मीडिया पर डालती हैं, जहां वह आमतौर पर स्थानीय लोगों से मिलती-जुलती और बात करती नजर आती हैं।

600 करोड़ी आदिपुरुष के बाद बॉलीवुड में प्रभास नहीं करेंगे बॉलीवुड में काम? रोक दी ये फिल्म

'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' की ऐतिहासिक सफलता के बाद प्रभास एक ग्लोबल स्टार बन चुके हैं. एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म की सुपर सफलता के बाद, अभिनेता से उम्मीदें बहुत अज्यादा थीं, लेकिन उन्हें अभी भी कुछ बड़ा करना बाकी है. यहां तक कि उनकी आखिरी रिलीज, आदिपुरुष, बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह एक विवादित और फ्लॉप साबित रही. ऐसे में अब उन्होंने एक बड़ा निर्णय लिया है, जिससे सिद्धार्थ आनंद के साथ उनकी रूमर्ड एक्शन फिल्म को झटका लगा है. बताया जा रहा है कि अब उन्होंने बॉलीवुड फिल्म साइन नहीं करने का मूड बनाया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, ओम राउत के निर्देशन की असफलता के बाद प्रभास ने एक बड़ा फैसला लिया है. पता चला है कि एक्टर ने फिलहाल किसी भी बॉलीवुड डायरेक्टर के साथ काम नहीं करने का फैसला किया है. फिलहाल, वे बॉलीवुड की स्क्रिप्ट सुनने के मूड में नहीं हैं और अन्य साउथ फिल्म इंडस्ट्री के प्रोजेक्ट्स पर ही फोकस करेंगे.

ऐसे में प्रभास ने सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी पहले से ही कमिटेड फिल्म भी रोक दिया है. बताया जा एक्शन बिग्गी जल्द ही कभी भी फ्लोर पर नहीं जाएगी. अब देखते हैं अभिनेता कब अपने बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स दोबारा शुरू करेंगे. मालूम हो कि प्रभास पिछले 6 साल से एक हिट के लिए तरस रहे हैं. उन्होंने अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में काम किया है लेकिन दर्शकों को बाहुबली के बाद अपनी एक फिल्म से इंप्रेस नहीं कर सके. उनकी आखिरी सबसे महंगी फिल्म आदिपुरुष थी जिसे 600 करोड़ रुपए के बजट से बनाया गया था लेकिन विवादों में रहने के साथ- साथ फ्लॉप साबित हुई. इससे मेकर्स को करोड़ों रुपए का घाटा लगा और अभिनेता की इमेज सो अलग खराब हुई.

काम के मोर्चे पर बात करें तो प्रभास अगली बार प्रशांत नील की सालार में दिखाई देंगे, जो 28 सितंबर 2023 को रिलीज होने वाली है. इसमें वे कृति सेनन के साथ नजर आएंगे और फिल्म का लोगों को बेसब्री से इंतजार है. यह फिल्म रिलीज से पहले जबरदस्त चर्चा में हैं और उम्मीद है कि यह बाहुबली स्टार एक बार फिर शानदार वापसी करेंगे.

इसके अलावा प्रभास के पास प्रोजेक्ट के यानी कल्कि फिल्म है जिसे नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया है और इसमें दीपिका पादुकोण उनके अपोजिट में होंगी. फिल्म में कमल हासन और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे.

कृति सेनन ने फेस फिलर्स की ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी बेहतरीन जवाब से नेटिजन्स को सिखाया सबक

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन हाल ही में फिल्म 'आदिपुरुष' में नजर आईं। वहीं, एक्ट्रेस को आने वाले दिनों में कई और प्रोजेक्ट में देखा जाना है। हालांकि, बिजी शेड्यूल के बीच भी कृति सेनन समय निकालकर सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ीं। इसी दौरान कृति ने उस ट्रोल का भी जवाब दिया, जिसमें एक्ट्रेस को फिलर्स के कारण चेहरे के सूजन पर आड़े हाथों लिया गया था।

कृति सेनन का सोशल मीडिया पर जलवा

कृति सेनन एक उत्साही सोशल मीडिया यूजर हैं, और वह अक्सर अपने पोस्ट से फैंस का मनोरंजन करती हैं। 33 वर्षीय एक्ट्रेस ने हाल ही में टुलम, मेक्सिको में अपनी छुट्टियों से कुछ तस्वीरें साझा कीं। इसके अलावा उन्होंने कई वीडियो भी पोस्ट किए, जिसमें वह अपनी बहन और भाई के साथ दिल खोलकर वेकेशन का लुत्फ उठाती देखी गईं। पहले वीडियो में, कृति गुलाबी और नारंगी धारियों वाले एक जंपसूट में अदाओं का जादू बिखेरती नजर आईं।

कृति सेनन की फॉलोअप स्टोरी के कैप्शन ने लोगों का खासा ध्यान खींचा। एक्ट्रेस ने अपनी एक तस्वीर साझा कर इसके कैप्शन में लिखा, 'पानी-सूरज-बीच = खुशी।' इसके साथ ही कृति ने यह भी लिखा, 'मैं एक 'नॉट सो पफी' मॉर्निंग में हूं।' इस लाइन के जरिए कृति ने उन ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाह दिया, जिन्होंने कहा था कि एक्ट्रेस ने फिलर्स से अपना चेहरा खराब कर लिया है, और अब फूली हुई दिखती हैं। दरअसल, कृति की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसे देख नेटिजन्स ने मान लिया कि उन्होंने फेस फिलर्स का सहारा लिया है, और अब उनका चेहरा सूजा हुआ नजर आ रहा है। हालांकि, कृति के जवाब से साफ हो रहा है कि उन्होंने स्किन संबंधित कोई ट्रीटमेंट नहीं ली है।

कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म 'आदिपुरुष' में देखा गया था, जिसमें प्रभास, सैफ अली खान और सनी सिंह जैसे सितारे भी थे। आने वाले दिनों में कृति सेनन 'द क्रू' में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें फिल्म 'गणपथ' में भी देखा जाएगा।

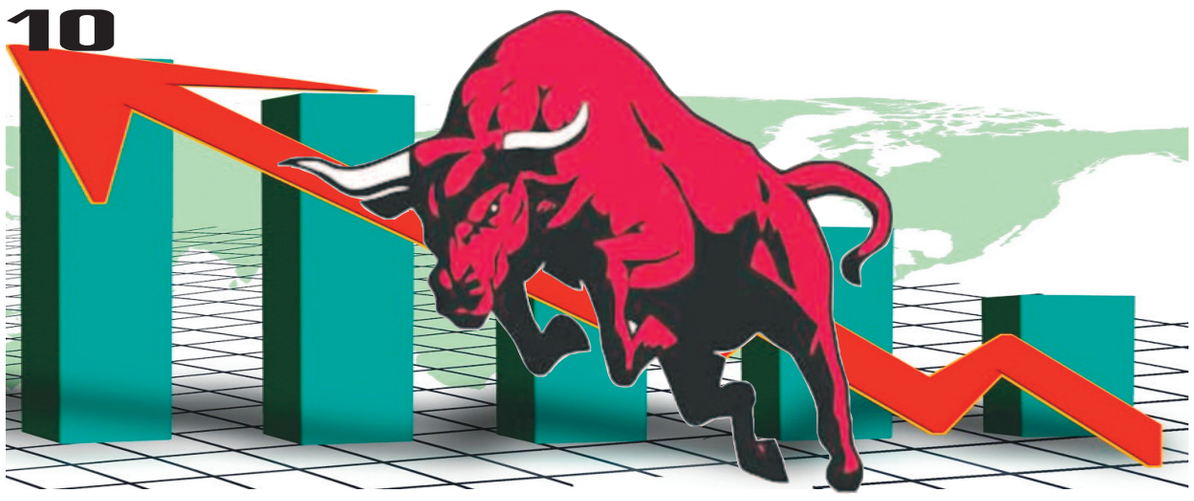

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी उद्योग की साझेदारी

इसरो ने निजी फर्म को सैटेलाइट बस तकनीक ट्रांसफर की

बेंगलुरु, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सरो ने शनिवार को कहा कि उसने आईएमएस-1 सैटेलाइट बस टेक्नोलॉजी को अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है। यह देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी उद्योग की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। अंतरिक्ष एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने दो अगस्त (बुधवार) को एनएसआईएल मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षरित एक समझौते के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की।प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेज औपचारिक रूप से एनएसआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डी राधाकृष्णन द्वारा अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एडीटीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कर्नल एचएस शंकर (सेवानिवृत्त) को सौंपे गए। एडीटीएल उन दो निजी फर्मों में से एक है जिन्हें एनएसआईएल द्वारा प्रकाशित इंटरेस्ट एक्सप्लोरेटरी नोट

(आईईएन) के माध्यम से इस तकनीक का हस्तांतरण प्राप्त करने के लिए चुना गया है। यह स्थानांतरण इसरो द्वारा विकसित उपग्रह बस प्रौद्योगिकियों को निजी उद्योगों को हस्तांतरित करने की शुरुआत का प्रतीक है। इसके अलावा, पीएसएलवी का उत्पादन उद्योगों के एक सहायता संघ द्वारा किया जा रहा है। इसरो निजी कंपनियों को सुविधा प्रदान करके और विशेषज्ञता का विस्तार करके अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में सक्षम बना रहा है और इस प्रकार आउट-बाउंड और इन-बाउंड दोनों दृष्टिकोण सुनिश्चित कर रहा है।

क्या है सैटेलाइट बस टेक्नोलॉजी?

इसरो के यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) द्वारा विकसित सैटेलाइट बस एक बहुमुखी और कुशल छोटा सैटेलाइट प्लेटफॉर्म है जिसे अंतरिक्ष तक कम लागत में पहुंच की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। बस विभिन्न पेलोड के लिए एक समर्पित वाहन के रूप में कार्य करती है, जो उपग्रह प्रक्षेपण के लिए त्वरित समय सुनिश्चित करते हुए पृथ्वी की इमेजिंग, महासागर और वायुमंडलीय अध्ययन, माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग और अंतरिक्ष विज्ञान मिशन को सक्षम बनाती है।इसरो ने एक बयान में कहा कि लगभग 100 किलोग्राम वजनी आईएमएस-1 बस में 30 किलोग्राम पेलोड होता है। सौर सारणियां 30-42 वोल्ट के कच्चे बस वोल्टेज के साथ 330 वाट बिजली उत्पन्न करती हैं। यह एक न्यूटन थ्रस्टर के साथ चार प्रतिक्रिया पहियों के साथ तीन-अक्ष स्थिर प्रदान करता है जो +/- 0.1 डिग्री पॉइंटिंग की सटीकता प्रदान करता है। बयान में कहा गया है कि यह आईएमएस-2 बस तकनीक का अग्रदूत है, जो बेहतर सुविधाओं में सक्षम है और आईएमएस-1 बस का उपयोग आईएमएस-1, यूथसैट और माइक्रोसैट-2डी जैसे पिछले इसरो मिशनों में किया गया है। आईएमएस-1 तकनीक को निजी क्षेत्र में स्थानांतरित करके इसरो या अंतरिक्ष विभाग का लक्ष्य अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। बयान में आगे कहा गया है कि यह विकास वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान और अन्वेषण में योगदान करने के लिए नए रास्ते खोलता है। अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड एक एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी है।

दुनिया के कारखाना के रूप में चीन की जगह लेने के करीब है भारत, अर्थव्यवस्था पर बोले महिंद्रा

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा का कहना है कि भारत दुनिया के लिए कारखाने के रूप में चीन की जगह लेने में सक्षम होने के करीब है। हम इसका लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। पड़ोसी की महत्वाकांक्षाओं पर संदेह और कोरोना के बाद आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान ने भी देश के पक्ष में काम किया है। कंपनी की वार्षिक साधारण सभा में आनंद महिंद्रा ने कहा, आज सारे कारकों को एकजुट करने की जरूरत है क्योंकि, भारत लंबी छलांग लगाने को तैयार है। हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जब कई देश मंदी की ओर बढ़ रहे हैं, तब भारतीय अर्थव्यवस्था 7% की दर से बढ़ रही है। चीन के साथ तनाव कई निर्माताओं को भारत की ओर धकेल रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को 3,683 करोड़ का लाभ

महिंद्रा एंड महिंद्रा को पहली तिमाही में 3,684 करोड़ का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले के 2,361 करोड़ की तुलना में यह 56% अधिक है। राजस्व 17.57 फीसदी बढ़कर 33,406 करोड़ रुपये रहा है। खर्च 30,492 करोड़ रहा है।

छठे हफ्ते कच्चे तेल में तेजी, 85 डॉलर के पार

कच्चे तेलों की कीमतें लगातार छठे हफ्ते तेजी में है। शुक्रवार को यह 85 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। सऊदी अरब और रूस ने सितंबर तक उत्पादन में कटौती जारी रखने का फैसला लिया है, जिससे कीमतों में तेजी आ रही है। ब्रेंट की कीमत 43 सेंट बढ़कर 85.57 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इस साल में यह पहली बार है, जब तेल की कीमतें लगातार छठे हफ्ते बढ़ी हैं।

ऑयल इंडिया बनी 13वीं महारत्न कंपनी

वित्त मंत्रालय ने ऑयल इंडिया का दर्जा बढ़ाकर महारत्न कर दिया है। यह केंद्र सरकार की 13वीं कंपनी है जिसे महारत्न का दर्जा मिला है। 2022-23 में इसे 9,854 करोड़ का फायदा हुआ था। इसी तरह ओएनजीसी विदेश लि को भी नवरत्न का दर्जा दिया गया है। यह 14वीं कंपनी है जिसे नवरत्न का दर्जा मिला है।

सोने के भाव में रेकॉर्ड गिरावट, चांदी भी हो गई सस्ती

देखें लुढ़ककर कहां पहुंचे 10 ग्राम गोल्ड के भाव

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सोने के दाम में गिरावट देखी जा रही है। बीते शुक्रवार को भी सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। चांदी भी 0.33 फीसदी तक फिसल गई है। रेटिंग एजेंसी फिच के अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग को एएए से कम करके एए प्लस करने के बाद इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड के भाव में नरमी आई है। फएमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार की शाम को 5 अक्टूबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 59522 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना 59900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।चि ने इस सप्ताह मंगलवार को अमेरिका की रेटिंग को कम किया और बुधवार को सोने का भाव गिर गया। चांदी की कीमतों में शुक्रवार की शाम को गिरावट देखी गई है। एमसीएक्स पर शुक्रवार की शाम को 5 सितंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरावट के साथ 72488 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 74037 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। सोने की वैश्विक कीमतों में तेजी देखने को मिली है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.37 फीसदी या 7.30 डॉलर की तेजी के साथ 1,976 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा था। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 1942.91 डॉलर प्रति औंस पर था। कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में शुक्रवार की शाम को तेजी देखने को मिली थी। कॉमेक्स पर शुक्रवार की शाम को चांदी 0.08 फीसदी या 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 23.72 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी थी। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी बढ़कर 23.63 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी थी। सोने की कीमतों में इस साल गिरावट देखी जा रही है। साल की शुरुआत में सोने के भाव 60 हजार रुपये के आंकड़े को पार कर गए थे। अप्रैल-जून की तिमाही में भारत में सोने के आभूषणों की मांग में साल दर साल 8 फीसदी की गिरावट देखी गई है। सोना सस्ता हुआ है।

28 अगस्त को होगी रिलायंस इंडस्ट्रीज की 46वीं एजीएम

एनुअल जनरल मीटिंग में जियो फाइनेंशियल की लिस्टिंग की जानकारी दे सकती है कंपनी

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की 46वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) 28 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। मुकेश अंबानी की कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी है। मार्केट कैपिटल के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस ने फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए डिविडेंड पाने के एलिजिबल शेयरहोल्डर्स का चुनाव करने के लिए 'रिकॉर्ड डेट' 21 अगस्त तय की है। एजीएम में पेश किए गए प्रस्तावों पर वोट करने के योग्य सदस्यों का चुनाव करने के लिए भी 21 अगस्त की तारीख तय की गई है।रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कुछ ही दिनों पहले अपनी फाइनेंशियल सर्विसेज यूनिट का डीमर्जर किया है। नई यूनिट का नाम जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) है। 20 जुलाई को 'प्री-ओपन कॉल ऑक्शन' में कंपनी के शेयर का भाव 261.85

रिलायंस की पहली तिमाही में कमाई

RIL	Q1FY24	Q1FY23
प्रॉफिट (₹Cr)	16,011	17,955
रेवेन्यू (₹Cr)	2.07 लाख	2.19 लाख
EBITDA (₹Cr)	38,093	37,997
मार्जिन	18.3%	17.3%

रुपए तय किया गया था। इसकी लिस्टिंग को लेकर भी एजीएम में जानकारी दी जा सकती है।

रिलायंस ने पिछले साल अपनी 45वीं एजीएम में किए थे कई अहम ऐलान

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले साल अपनी 45वीं एजीएम में कई अहम ऐलान किए थे। 5जी सर्विसेज को लॉन्च करने से जुड़ी योजनाओं के बारे में बताया गया था। एयर-फाइबर सर्विस लॉन्च करने के लिए मेटा और गूगल के साथ पार्टनरशिप की भी घोषणा की गई थी।

पहली तिमाही में आरआईएल का नेट प्रॉफिट 16,011 करोड़ रहा

रिलायंस ने 21 जुलाई को क्यू1एफवाई24 यानी अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। कंपनी का नेट प्रॉफिट 16,011 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 17,955 करोड़ रुपए रहा था। यानी कंपनी के मुनाफे में 11% गिरावट आई।पिछली तिमाही यानी क्यू4 एफवाई23 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 19,299 करोड़ रुपए रहा था। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने निवेशकों के लिए 9 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड का ऐलान भी किया।क्यू1 में कंपनी का रेवेन्यू 2.07 लाख करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 2.19 लाख करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट इस तिमाही में बढ़कर 38,093 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 37,997 करोड़ रुपए रहा था। ऑपरेटिंग मार्जिन 18.3% रहा, जो पिछले साल की सामान तिमाही में 17.3% रहा था।

सब्जियों के साथ दाल-चावल और दूध भी महंगा

1 साल में आटे के दाम 30% तक बढ़े, अगले महीने से महंगी हो सकती है प्याज

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हाल के महीनों में किचन का बजट बिगड़ गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में दाल, चावल और आटा 30% तक महंगे हो गए हैं। इस बीच देश के कुछ हिस्सों में टमाटर 250 रुपए प्रति किलो से ऊपर निकल गया है। हालांकि, आलू के भाव कुछ घटे हैं, लेकिन अगले महीने से प्याज के दाम बढ़ने शुरू हो सकते हैं।संसद में एक सवाल के जवाब में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया है कि आलू को छोड़कर ज्यादातर खाने की चीजें महंगी हुई हैं। अरहर-मूंग दाल, चावल, चीनी, दूध, मूंगफली तेल और आटा इनमें शामिल है। बीते एक साल में आलू 12% सस्ता हुआ, पर प्याज 5% महंगी हो गई। किचन का बजट बिगाड़ने में टमाटर के बाद सबसे बड़ी भूमिका अरहर दाल की है। 31 जुलाई तक 1 साल में यह 30% महंगी हो गई है।

अरहर का उत्पादन घटने का दिखा असर

मंत्रालय ने बताया कि अरहर दाल के भाव बढ़ने की मुख्य वजह घरेलू उत्पादन घटना है। पिछले साल 42.2 लाख टन अरहर का उत्पादन हुआ था। इस साल यह घटकर 34.3 लाख टन रहने का अनुमान है।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है।

वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

लैपटॉप-टैबलेट और कम्प्यूटर पर इंपोर्ट प्रतिबंध अभी नहीं

लाइसेंस के बिना आयात की तारीख 31 अक्टूबर तक बढ़ाई, नया नियम नवंबर से

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कम्प्यूटर के इंपोर्ट के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने की तारीख 31 अक्टूबर 2023 तक बढ़ा दी है। सरकार ने शुक्रवार देर रात को एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड की नोटिफिकेशन के अनुसार, प्रतिबंधित कंसाइनमेंट को 31 अक्टूबर तक लाइसेंस के बिना इंपोर्ट की मंजूरी दी जा सकती है, लेकिन 1 नवंबर 2023 से ऐसे सभी प्रोडक्ट को इंपोर्ट करने के लिए वैध लाइसेंस की जरूरत होगी। इससे पहले सरकार ने गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी करते हुए लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कम्प्यूटर के इंपोर्ट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के इंपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने और केवल वैध लाइसेंस के माध्यम से इंपोर्ट की अनुमति देने का सरकार का यह नया कदम सेफ्टी कंसर्न के कारण है। इसके साथ ही सरकार को इससे मेक इन इंडिया प्रोग्राम और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस फैसले से लोकल मैन्युफैक्चरर्स और ऐसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा, जो देश में लगातार प्रोडक्शन कर रहे हैं, लोकल सप्लाई को बढ़ावा दे रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। डेल और एचपी उन कंपनियों में से हैं जिनकी भारत में पहले से ही मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज हैं। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नोटिफिकेशन में कहा था- HSN 8741 के तहत आने वाले लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कम्प्यूटर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कम्प्यूटर और सर्वर का इंपोर्ट प्रतिबंधित होगा।'

टमाटर के बाद अब प्याज के दाम में लगेगी आग

इतने रुपये तक हो सकती हैं कीमतें

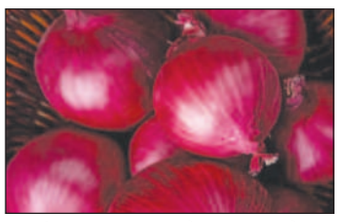

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में टमाटर की कीमतें आसमान पर हैं। कहीं टमाटर 120 रुपये किलो बिक रहा है तो कहीं ये 200 रुपये के पार जा चुका है। हालांकि कुछ जगहों पर टमाटर के दामों में राहत मिली है। वहीं अब प्याज की कीमत में भी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज की कीमत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। मौजूदा समय में प्याज की कीमत 28 रुपये से लेकर 32 रुपये तक हैं। अगस्त के अंत में खुदरा बाजार में प्याज की कीमत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। ये बढ़ोतरी आपूर्ति में कमी के कारण अगले महीने करीब 60-70 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ने की संभावना है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, दाम में इतना इजाफा के बाद भी ये बढ़ी हुई कीमतें 2020 के उच्चतम स्तर से नीचे रहने वाली हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि रबी प्याज की शेल्फ लाइफ 1-2 महीने कम होने और इस साल फरवरी-मार्च में बिकवाली के कारण ओपन मार्केट में रबी स्टॉक सितंबर के बजाय अगस्त के अंत तक काफी घटने की उम्मीद है, जिससे प्याज का स्टॉक बढ़ जाएगा। 15-20 दिनों तक मंदी का मौसम, जिससे बाजार में आपूर्ति में कमी और ऊंची कीमतों का सामना करने की संभावना है। अक्टूबर में फिर से प्याज की नई फसल आने पर कीमतों में कमी आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी महीने अक्टूबर-दिसंबर में कीमतें में उतार-चढ़ाव स्थिर होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि जनवरी से मई के दौरान दाल, अनाज और अन्य सब्जियां महंगी थीं, उस दौरान प्याज की कीमतों ने लोगों को राहत दी है।

गेहूं के आयात पर टैक्स में कटौती या फिर खत्म कर सकता है भारत, प्रस्ताव पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार गेहूं पर इंपोर्ट टैक्स में कटौती या खत्म करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इस तरह के प्रस्ताव पर तब विचार किया जा रहा है, जब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक प्राइस में बढ़ोतरी को रोकने के प्रयास में लगा हुआ है। चोपड़ा ने कहा कि रूस से गेहूं के आयात करने या सरकार से सरकारी सौदे में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। पिछले महीने के दौरान दिल्ली में गेहूं की कीमतों में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो छह महीने के उच्चतम स्तर 25,174 रुपये प्रति मीट्रिक टन पर जा पहुंचा है। प्राइस में इस तरह की बढ़ोतरी के कारण अनियमित मौसम की स्थिति है, जिसने उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इसका मुकाबला करने के लिए, सरकार ने कीमतों को कम करने के उद्देश्य से 15 वर्षों में पहली बार व्यापारियों की ओर से रखे जाने वाले गेहूं के स्टॉक में लिमिट लगा दी है। चोपड़ा ने कहा कि हमारे पास गेहूं आयात शुल्क को कम करने या खत्म करने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए स्टॉक रखने की सीमा में बदलाव करने जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष...	22-38 बजे
चंद्र-	मीन	में	वृष...	00-21 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-23 बजे
बुध-	सिंह	पें	कर्क...	03-34 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	06-47 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	08-53 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	10-58 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-08 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-22 बजे
			मकर..	17-29 बजे
			कुंभ...	19-19बजे
			मीन ..	21-01 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-**वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-00** सूर्य अस्त- **18-44**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - **07 -10** तक उपरान्त षष्ठी
मास - अ.श्रावण कृष्ण पक्ष , रविवार **06 August**
नक्षत्र - रेवती **-01-43** तक उपरान्त अश्विनी
योग - धृति - **20 - 26** - तक उप शूल
करण- तैतिल **-07 -10** - तक उप- गर
विशेष:- षष्ठी तिथि का क्षय
व्रत -त्योहार - पंचक **-01-43** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:10 से 18:46 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:00 - 07:34 अशुभ	शुभ	18:44 - 20:10 शुभ
चंचल	07:34 - 09:10 शुभ	अमृत	20:10 - 21:34 शुभ
लाभ	09:10 - 10:46 शुभ	चंचल	21:34 - 22:58 शुभ
अमृत	10:46 - 12:22 शुभ	रोग	22:58 - 00:22 अशुभ
काल.	12:22 - 13:58 अशुभ	काल	00:22 - 01:46 अशुभ
शुभ.	13:58 - 15:34 शुभ	लाभ	01:46 - 03:10 शुभ
रोग	15:34 - 17:10 अशुभ	उत्पात	03:10 - 04:34 अशुभ
उत्पात	17:10 - 18:44 अशुभ	शुभ.	04:34 - 06:00 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी ।अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी ।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है ।विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें | ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खींचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

जातीय संघर्ष के नए चक्रव्यूह की तरफ बढ़ रहा देश

पटना, 5 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हाल में दो घटनाएं लगभग एक साथ हुई हैं, जो भारतीय राजनीति और सामाजिक न्याय के संघर्ष का नया मोर्चा खोल सकती हैं। पहला है- पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार की नीतीश सरकार को राज्य में जातिगत सर्वे कराने की अनुमति देना और दूसरा देश में ओबीसी आरक्षण को लेकर गठित रोहिणी आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपना। इस रिपोर्ट में आयोग ने ओबीसी जातियों को चार श्रेणियों में विभाजित करने की सिफारिश की है।

यानी अगर जातिगत सर्वे से जहां बिहार में पिछड़ा वर्ग जातियों की सही संख्या का पता लगेगा, वहीं रोहिणी आयोग रिपोर्ट यदि लागू होती है तो ओबीसी में श्रेणीवार आरक्षण का नए सिरे से बंटवारा होगा। यानी कोटे के भीतर कोटा वाली व्यवस्था लागू होगी। वर्तमान में देश में ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण (राज्यों में यह प्रतिशत अलग-अलग है) लागू है। इन दोनों घटनाओं का राजनीतिक दल अपने हित साधन की दृष्टि से अलग-अलग तरीके से फायदा उठाएंगे। लेकिन एक बात साफ है कि इन घटनाओं ने ठंडी पड़ चुकी मंडल राजनीति को नए सिरे हवा दे दी है, जिसका काउंटर अब कमंडल राजनीति से करना मुनासिब नहीं होगा।

इस 'मंडल पार्ट 2' में सबसे बड़ा खतरा ओबीसी के भीतर मचने वाला नया घमासान होगा, जिसका फायदा राजनीतिक दल कैसे और किस रूप में उठाएंगे, यह देखने की बात है। अगले एक दशक तक यही राजनीति देश पर हावी रह सकती है। जाति जनगणना की बिहार से हुई शुरुआत पूरे देश में ऐसी मांग के रूप में तेज होगी। इसका असर इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा, क्योंकि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण चरण तो राजनीतिक आरक्षण का है, जो अभी तक अनसुलझा है या यूं कहें कि उसे किसी तरह दूसरे मुद्दे उठाकर दबाकर रखा गया है।

बढ़ सकता है ओबीसी आरक्षण

ओबीसी जातियों को शिक्षा और नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण तो मिल ही चुका है। नया आंकड़ा आने पर सरकार को इस आरक्षण को भी बढ़ाना पड़ सकता है। साथ ही तमाम ओबीसी जातियां जनप्रतिनिधित्व में भी उनकी संख्या के हिसाब से आरक्षण मांगेगीं, जो अधिकांश राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। वो पुराना नारा 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' फिर जोर पकड़ेगा। ध्यान रहे कि देश में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का बिल इसी कारण से अटका हुआ है कि ओबीसी पहले अपना राजनीतिक आरक्षण सुनिश्चित करना चाहते हैं, उसके बाद ही महिला आरक्षण का समर्थन करना चाहते हैं। यही कारण है कि नौ सालों से केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद भी भाजपा महिला आरक्षण बिल संसद में पारित कराने का साहस नहीं जुटा पाई है।

देश में जाति आधारित जनगणना 1931 के बाद से नहीं हुई है। आजादी के बाद से देश में अनुसूचित जाति और जनजातियों की गणना तो होती है, लेकिन ओबीसी और सामान्य वर्ग की जातियों को अलग-अलग नहीं गिना गया है। फिर भी अनुमानतः ओबीसी जातियों की संख्या 50 फीसदी के आसपास है। जाति गणना को अनदेखा करने के पीछे असल भय राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में ऊंची और प्रभावशाली जातियों का वर्चस्व छिनना है और संख्याधारित आरक्षण के आगे योग्यता के मूल्य का हाशिए पर जाने का है।

इसका अर्थ यह नहीं कि ओबीसी में योग्य लोग नहीं हैं। वहां भी हैं, लेकिन अभी भी उच्चतम पदों और जिम्मेदारियों को संभालने वालों में ऊंची जातियां ही हावी हैं।

देश में ओबीसी की वास्तविक संख्या कितनी है, यह तभी पता चलेगा, जब देश के सभी राज्यों में जाति जनगणना हो। अभी तक केन्द्र सरकार इसे नकारती आई है, क्योंकि इसमें धर्म के आधार काफी हद तक गोलबंद किए गए हिंदू समाज का जाति के आधार पर नए सिर से विभाजन का खतरा

तो है ही, साथ में खुद ओबीसी श्रेणी में नए घमासान मचने की चिंता भी है (हालांकि मुसलमानों के मामले में वो इसी जाति चेतना की समर्थक है)।

इससे भी बढ़कर परेशानी यह है कि अगर रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर सरकार ने कार्रवाई की तो वो पिछड़ी जातियां, जो ओबीसी आरक्षण के बाद सबल हुई हैं और इस आरक्षण का सर्वाधिक लाभ उन्होंने ही उठाया है, सरकार से नाराज हो सकती हैं। ये वो जातियां हैं, जो अलग-अलग राज्यों में संख्या बल, धन बल और बाहुबल के आधार पर राजनीतिक पलड़ा अपने पक्ष में झुकाने में सक्षम हैं। क्या सरकारें इन्हें नाराज करने का जोखिम मोल ले सकती हैं?

रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओबीसी के तहत आने वाली सभी जातियों की संख्या और इस वर्ग को 30 वर्ष पूर्व मिले आरक्षण के बाद उनकी सामाजिक स्थिति व आरक्षण लाभ की वस्तुस्थिति का लेखा-जोखा पेश किया है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत कुल 2633 जातियां सूचीबद्ध हैं। लेकिन आरक्षण लाभ की दृष्टि से यहां सामाजिक न्याय की उपेक्षा अथवा पक्षपाती लाभ ही हुआ है।

मसलन कुल ओबीसी जातियों/उपजातियो में से 983 जातियों को ओबीसी आरक्षण का शून्य लाभ मिला है। फिर चाहे व शिक्षा की बात हो या फिर सरकारी नौकरी की। इसी तरह 994 जातियों की हिस्सेदारी नौकरी और पढ़ाई में मात्र 2.68 फीसदी की रही है। इसका सीधा अर्थ यह है कि ओबीसी आरक्षण का कोई विशेष लाभ इस वर्ग की एक तिहाई जातियों को नहीं मिला है।

आरक्षण की असली लाभार्थी वही जातियां रही हैं, जो ओबीसी में भी धनबली और बाहुबली रही हैं। आरक्षण लाभ के ये वास्तविक आंकड़े समान सामाजिक न्याय के मूलभूत उद्देश्य को ही पराजित करने वाले हैं।

ओबीसी आरक्षण के लिए चार श्रेणियां प्रस्तावित

रोहिणी आयोग की रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन मीडिया में आई खबरों की मानें तो आयोग ने ओबीसी आरक्षण की पिछड़ेपन के आधार पर चार श्रेणियां प्रस्तावित की हैं, लेकिन इन चार श्रेणियों की जातियों/उपजातियों के बीच आरक्षण कोटा बंटवारे का आधार क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं है। अगर यह आधार भी जातिजनसंख्या होगी तो सबसे ज्यादा नुकसान में वो जातियां रह सकती हैं, जो संख्या में कम होने के बावजूद सामाजिक जागरूकता और संसाधनों के चलते आरक्षण का सबसे ज्यादा लाभ उठाती रही हैं, जैसे कि जाट, यादव, गूजर, कुर्मी, कुणबी मराठा, पाटीदार आदि। अगर संख्या के आधार पर कोटे के भीतर कोटे में इनका आरक्षण कम किया गया तो इनमें भारी नाराजी फैल सकती है। दूसरे, असंतोष उन जातियों में भी फैल सकता है, जो संख्या में ज्यादा होने के बावजूद कम आरक्षण कोटा पाएंगीं।

संभव है कि विपक्ष की जाति गणना की मांग के मुद्दे की धार को भोंथरा करने के लिए केन्द्र की मोदी सरकार लोकसभा चुनाव के पहले देश में जाति गणना की घोषणा कर दे। वैसे भी इस पर अमल 2025 में ही हो पाएगा। अगर 2014 में भाजपानीत एनडीए फिर सत्ता में आया तो देखा जाएगा। फिलहाल यह संदेश दिया ही जा सकता है कि भाजपा जाति गणना के विरोध में नहीं है।

वैसे भी भाजपा के पास ओबीसी चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में सबसे बड़ा तुरूप का इक्का है, जिसकी काट किसी दल के पास नहीं है। बाकी दलों के ओबीसी नेता क्षेत्रीय क्षत्रप की हैसियत वाले हैं। संभव है कि मोदी सरकार जाति जनगणना की काट के रूप में रोहिणी आयोग रिपोर्ट का इस्तेमाल करें। यह दांव ओबीसी में भी अति पिछड़ी 1977 जातियों को कोटे के भीतर आरक्षण कोटा लागू कर उसे सामाजिक न्याय का नाम देकर चली जा सकता है। इसका असर यह होगा कि ओबीसी वोट गहराई के साथ विभाजित होगा और 'पिछड़ों में अगड़ी' बन चुकी जातियों के वर्चस्व को चुनौती देने वाला होगा। दूसरे, रोहिणी आयोग रिपोर्ट ओबीसी में दूसरे विभाजन का कारण बनेगी। क्योंकि ओबीसी में एक विभाजन तो सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही क्रीमी लेयर और नॉन क्रीमी लेयर के रूप में कर दिया था।

क्या हो सकता है इसका असर?

इस पूरे घटनाक्रम का सीधा असर जनगणना में पहले से गिनी जाने वाली अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि वहां भी आरक्षण की मलाई चुनिंदा जातियों ने ही खाई है। लिहाजा रोहिणी आयोग जैसा कोई नया आयोग एससी/ एसटी जातियों में आरक्षण लाभ के अध्ययन के लिए बनाने की मांग जोर पकड़ सकती है, साथ ही वहां भी क्रीमी लेयर जैसा कुछ प्रावधान करने की मांग तेज हो सकती है।

रही बात मंडल पार्ट-2 का राजनीतिक मुकाबला करने की तो भाजपा के पास अब राम मंदिर जैसा कोई बहुत सशक्त मुद्दा नहीं बचा है, जो बहुसंख्यक हिंदू समाज को उसी ताकत से एक कर दे, क्योंकि राम मंदिर अब आकार ले ही रहा है और ज्ञानवापी अथवा मथुरा का मंदिर मस्जिद मुद्दा स्थानीय स्तर का ज्यादा है। ऐसे में वापस जातियों के आधार पर हिंदू समाज विभाजित होने के खतरे ज्यादा हैं। कुल मिलाकर यह देश आर्थिक महाशक्ति बनने के दावों के बीच सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के अगले चरण के चक्रव्यूह की ओर बढ़ रहा है। इसे कोई चाहकर भी नहीं टाल सकेगा, क्योंकि इसके अपने राजनीतिक लाभ और नुकसान हैं। असली सवाल यह है कि आरक्षण को हम संघर्ष के किस माइक्रो लेवल तक ले जाना चाहते हैं, क्योंकि कोई भी ऐसी आदर्श स्थिति हो ही नहीं सकती, जिससे समाज का हर तबका संतुष्ट हो। इसके लिए आज नहीं तो कल अनंत काल तक आरक्षण के बजाय आरक्षण लाभ की समय सीमा तय करनी ही पड़ेगी। वरना सभी को सामाजिक न्याय की बात केवल नारेबाजी और सपना ही रहेगा।

एयरपोर्ट जैसा होगा छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों का लुक

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर समेत 7 स्टेशनों का होगा रिडेवलपमेंट, हाईटेक टेक्नोलॉजी और सुविधाए मिलेंगी

रायपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में देश के 508 रेलवे स्टेशनों की सूरत बदलने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी 6 अगस्त रविवार को स्टेशनों के कायाकल्प की आधारशिला रखने वाले हैं। इसमें रायपुर,बिलासपुर और दुर्ग सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 9 स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा ईस्ट कोस्ट रेलवे में भी महासमुंद रेलवे स्टेशन की तस्वीर बदलने वाली है। जिसमें शहर के दोनों किनारों के साथ स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24,470 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से स्टेशनों का रिनोवेशन और रिडेवलपमेंट किया जाएगा। स्टेशन भवन का डिज़ाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के

रिडेवलपमेंट की नींव रखेंगे।

9 स्टेशन योजना में शामिल

बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग के साथ-साथ अकलतरा, भिलाई पावर हाउस, तिल्दा-नेवरा, गोंदिया, वडसा और चांदाफोर्ट स्टेशनों में प्रस्तावित विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के महासमुंद रेलवे स्टेशन का भी रिनोवेशन होगा हालांकि ये स्टेशन देश के ईस्ट कोस्ट रेलवे में आता है। बता दें कि रेलवे स्टेशनों में विश्व स्तरीय सुविधाएं देने के लिए देशभर में 1309 स्टेशनों के रिडेवलपमेंट के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी और अभी 508 रेलवे स्टेशनों के रिनोवेशन के लिए 24,470 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। स्टेशनों के रिनोवेशन से जुड़े कामों के पूरा होने के बाद यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। अभी इन स्टेशनों पर सभी मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन इस योजना के बाद स्टेशनों में सुविधाओं का विस्तार हो जाएगा। बिलासपुर , रायपुर और दुर्ग स्टेशन हाईटेक यात्री सुविधाओं के साथ टेक्नोलॉजी, स्थानीय संस्कृति और समृद्ध विरासत का आकर्षक केंद्र बनेंगे।

27 राज्यों के रेलवे स्टेशनों को किया गया शामिल

ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ में 7, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्यप्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22 स्टेशन शामिल हैं। गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं।

दिल्ली में बैठकर सीजी में सट्टे का कारोबार

शीमर्स क्लब के संचालक समेत 5 अरेस्ट, 10 मोबाइल, 3 लैपटॉप और 1.50 लाख कैश जब्त

बिलासपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर का युवक दिल्ली में बैठकर छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टा खिला रहा था। बिलासपुर पुलिस ने इस गैंग के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 10 मोबाइल, 3 लैपटॉप, एटीएम कार्ड्स, कई बैंकों के पासबुक और एक लाख 50 हजार रुपए बरामद किया गया है। पूरी कार्रवाई तारबाहर पुलिस और एंटी सायबर एंड क्राइम यूनिट (एसीसीयू) की टीम ने मिलकर की है।

एसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम ऑनलाइन सट्टा ऐप पर लगातार नजर रख रही है। इसी दौरान पता चला कि वॉट्सएप नंबर से शहर में सट्टा खिलाया जा रहा है। जिसके बाद तारबाहर थाना प्रभारी मनोज नायक और उनकी टीम ने जांच की तो पता चला कि नंबर दिल्ली के उत्तम नगर में सक्रिय है। टीम ने दिल्ली में दबिश देकर रमेश सिंह (23) निवासी बराड़ी न्यू दिल्ली को पकड़ लिया। उससे

पूछताछ में रायपुर के स्वर्णभूमि कॉलोनी निवासी मुख्य सरगना सनी पृथ्वानी (39) के बारे में जानकारी दी, जो इस पूरे ब्रांच का मास्टरमाइंड था।

इस दौरान वह दिल्ली से मुंबई भाग गया था, जिस पर पुलिस उसका पीछा कर रही थी। वह मुंबई से भागकर रायपुर आ गया, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके चार कर्मचारियों को भी दबोच लिया। इस कार्रवाई में सीएसपी और आईपीएस संदीप कुमार पटेल, एसआई संजय बरेठ, आरक्षक संदीप शर्मा, सरफराज खान, मुरली भारद्वाज, संदीप शर्मा सहित अन्य शामिल रहे। बिलासपुर की कार्रवाई के बाद मिले इनपुट के आधार पर रायपुर में चलाए जा रहे शीमर्श क्लब के संचालकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि कुछ मामलों में पूछताछ के लिए कारोबारियों को बुलाया गया है, जल्द ही इस मामले में पुलिस खुलासा कर सकती है। फिलहाल सामने आ रही जानकारी के मुताबिक शीमर्श क्लब के संचालक सट्टे के ऑनलाइन ऑपरेशन और सट्टे की रकम के बड़े लेन-देन में शामिल रहे हैं। पंडरी मोवा रोड पर स्थित इस क्लब में कई बार सट्टे के कारोबार से जुड़े लोग देखे जाते हैं। पुलिस अफसरों ने बताया कि पकड़े गए मास्टरमाइंड सनी पृथवानी से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे ब्रांच खोलने पर दो प्रतिशत कमीशन हर सट्टे पर मिलता था।

पुलिस का दावा है कि उसके मोबाइल चेटिंग और तकनीकी जांच से रायपुर के बड़े होटल कारोबारियों का नाम भी सट्टेबाजों के रूप में सामने आया है, जो उसके माध्यम से पैसे इन्वेस्ट करते हैं।

पुलिस उसे अब रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी, जिसके बाद सफेदपोश कारोबारियों का राज खुलेगा। एसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं, जिसमें यह मालूम चला कि रायपुर के कई बड़े कारोबारी भी सट्टे से जुड़े हुए हैं।

सेप्टिक टैंक में बना रहे थे शराब, युवक की मौत

10 फीट नीचे उतरे तीन लोग हो गए बेहोश, जहरीली गैस से गई जान

कोरबा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कोरबा शहर के प्रवेश द्वार सीतामढ़ी में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में महुआ शराब बनाने के दौरान जहरीले गैस से 3 लोग एक के बाद एक बेहोश हो गए। लोगों ने किसी तरह से तीनों को टैंक से बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। डॉक्टर ने जांच के बाद इनमें से एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

घर का मालिक नरेंद्र सहिस (30) अवैध महुआ शराब बनाने का काम करता था। सेप्टिक टैंक को सुरक्षित मानकर उसमें शराब बनाया जा रहा था। शुक्रवार रात को महुआ लहान निकालने के लिए नरेंद्र 10 फीट गहरे टैंक में उतरा। यहां थोड़ी ही देर के बाद वो बेहोश हो गया। ये जानकारी मिलने पर मान गुड्डू और बिहारी यादव नाम के दो युवक भी बारी-बारी से नरेंद्र को निकालने के लिए टैंक में उतरे, लेकिन वे दोनों भी बेहोश हो गए।

बस्ती में ये खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने जैसे-तैसे तीनों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल लेकर गए। यहां डॉक्टर ने नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं मान गुड्डू और बिहारी यादव का इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर है।

मामले की सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। सिटी कोतवाली प्रभारी रूपक शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। परिजनों और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

मृतक के पिता राधेश्याम सहिस ने बताया कि उसके दो बेटे हैं। बड़े बेटे नरेंद्र की शादी हो चुकी है और उसका एक 11 साल का बेटा भी है। वो निजी कंपनी में ड्राइवर का काम करता था। उसके घर के पीछे नया मकान बन रहा है। वहां सेप्टिक टैंक के अंदर महुआ शराब बनाने के लिए लहान रखा गया था।

पिता ने बताया कि इसी को निकालने के लिए शुक्रवार रात 8 बजे नरेंद्र 10 फीट नीचे टैंक में उतरा था, लेकिन वो वहां बेहोश हो गया। उसे बचाने गए उसके दोनों दोस्त भी बेहोश हो गए। तीनों को बेहोश देखकर डायल 112 को लोगों ने सूचना दी। बस्तीवासियों के सहयोग से तीनों को पुलिस ने टैंक से बाहर निकाला।

पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

रांची, 5 अगस्त (एजेंसियां)। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गयी है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। आज शनिवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई पूरी हो गयी. छवि रंजन की ओर से अधिवक्ता अभिषेक चौधरी और अभिषेक सिंह ने बहस करते हुए कहा, सिर्फ मौखिक बयान के आधार पर उन्हें आरोपी बनाया गया है। उन्हें जमानत मिलनी चाहिए क्योंकि अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। ईडी की ओर से उपस्थित विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने अपनी बहस में कहा कि लैंड स्कैम के प्रमुख अभियुक्त छवि रंजन ही हैं। प्रमुख आरोपी होने की वजह से ही उन्हें बेल नहीं दी जानी चाहिए। दोनों पक्ष की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। ईडी ने जमीन घोटाले की जांच रांची के तत्कालीन आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी की रिपोर्ट के आधार पर शुरू कर दी। सेना के कब्जे वाली जमीन के सिलसिले में जांच कर आयुक्त ने रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इस जांच रिपोर्ट में स्पष्ट था कि फर्जी नाम और पता के आधार पर सेना की जमीन पर कब्जा किया गया।

आर्मी जमीन घोटाला मामले में चार मई को आइएएस छवि रंजन को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने 13 अप्रैल को छवि रंजन सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके बाद 14 अप्रैल को फर्जी रैयत प्रदीप बागची, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद सहित सात आरोपित गिरफ्तार हुए थे। इस मामले के दो और आरोपी कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को सात जून की देर रात गिरफ्तार किया गया था।

कृषि सेवा केंद्र में भीषण आग, 25 लाख का नुकसान

दूर-दूर तक दिखाई दे रही थी लपटें इलेक्ट्रॉनिक और कृषि सामान जलकर खाक

कांकेर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कांकेर जिले के चारामा ब्लॉक में स्थित कृषि सेवा केंद्र में भीषण आग लग गई। शुक्रवार रात आग कंडेल गांव के कृषि सेवा केंद्र शुभलक्ष्मी ट्रेडर्स में लगी थी। चारामा नगर पंचायत में फायर ब्रिगेड की सुविधा नहीं होने के चलते आग बुझाने में काफी देरी हुई। कांकेर और धमतरी जिले से फायर ब्रिगेड पहुंची, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। मामला चारामा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, चारामा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-30 से सटे राम जानकी मंदिर चौक के पास शुभलक्ष्मी ट्रेडर्स का संचालक खूबचंद सिन्हा अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। रात करीब साढ़े 9 बजे दुकान से आग की लपटें उठती हुई देख

आसपास के लोगों ने खूबचंद को सूचना दी। दुकान संचालक तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। तब तक स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने की कोशिश की।

हालांकि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उस पर काबू पाना मुश्किल था। वहीं चारामा नगर पंचायत में फायर ब्रिगेड नहीं होने से कांकेर और धमतरी से दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। दूर होने के कारण फायर ब्रिगेड आने में देर हुई, जिसकी वजह से आग ने पूरे कृषि सेवा केंद्र (शुभलक्ष्मी ट्रेडर्स) को अपनी चपेट में ले लिया। आग से दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक और कृषि के सामान जलकर खाक हो गए। करीब एक घंटे के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। दुकान संचालक खूबचंद सिन्हा के मुताबिक आग लगने से 25 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

विशेष समुदाय के तीन लोगों ने किसान को मारा चाकू

जगदलपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जगदलपुर कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम मटकोट में शनिवार की सुबह विशेष समुदाय के तीन लोगों ने एक किसान को इसलिए चाकू मार दिया क्योंकि वह अपना धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहता था। घटना की जानकारी लगते ही जहां पुलिस टीम को मटकोट में तैनात कर दिया गया है। वहीं घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए घायल सीताराम मंडावी के भाई रामधर मंडावी ने बताया कि कोंडागांव में रहने वाली सुकमती ने अपने 10 से 12 एकड़ जमीन को सीताराम को देखभाल करने के लिए दिया हुआ है। उसका कहना था कि मटकोट कोटवारपारा में रहने वाला सीताराम उसके खेत की देखभाल के साथ ही हर व्यवस्था को भी देखता।

वहीं गांव में विशेष समुदाय के करीब 5 से 10 परिवार वहां पर निवास भी कर रहे थे।

आई फ्लू की चपेट में आए 20 छात्र

गौरेला, पेंड्रा, मरवाही, 5 अगस्त (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य गांव बस्तीबगरा के कोटमीखुर्द बालक आश्रम में रहकर पढ़ाई करने वाले 20 बच्चे आई फ्लू की चपेट में आ गए हैं। फिलहाल छात्रावास अधीक्षक की सूचना पर मेडिकल टीम ने छात्रावास पहुंचकर बच्चों का इलाज शुरू कर दिया है और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं। पूरा मामला जिले के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य गांव बस्तीबगरा के कोटमीखुर्द का है। जहां पर संचालित आदिवासी बालक आश्रम में रहकर पढ़ाई करने वाले 50 बच्चो में से 20 बच्चे आई फ्लू से संक्रमित हो गए हैं। एक के बाद एक कई बच्चों ने आंखो में तकलीफ की शिकायत आश्रम के अधीक्षक प्रेम सिंह कुशराम से की। जिसके बाद आश्रम के अधीक्षक ने मामले की जानकारी आदिवासी विभाग के उच्चाधिकारियो के साथ स्वास्थ्य विभाग को दी।

'आधार' जैसी योजना के लिए भारत ने दिए 45 करोड़

कोलंबो, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका में आधार जैसी योजना 'यूनीक डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट' के लिए 45 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी है। श्रीलंका के डिजिटलीकरण की दिशा में यह एक अहम योजना है, जिसकी फंडिंग भारत सरकार द्वारा की जा रही है। श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से भी इसकी पुष्टि की गई है।

भारतीय उच्चायुक्त ने सौंपा चेक

श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय में हुई अहम बैठक में श्रीलंका के राष्ट्रीय सुरक्षा पर राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति स्टाफ के चीफ, सगाला रत्नायाका, श्रीलंका के तकनीकी मंत्री कनक हेराथ, श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले और भारतीय उच्चायुक्त के प्रथम सचिव एलडोस मैथ्यू और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में प्रोजेक्ट पर खूब चर्चा हुई।

क्या मिलेगा फायदा

इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त ने पहली किस्त के रूप में 45 करोड़ रुपए का चेक कनक हेराथ को सौंपा। यह कुल रकम का 15 प्रतिशत है। फिलहाल 45 करोड़ रुपए अग्रिम भुगतान के तौर पर दिए गए हैं। वहीं राष्ट्रपति के सलाहकार रत्नायाका ने कहा कि उनकी सरकार तय समय सीमा में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की कोशिश करेगी। भारतीय उच्चायुक्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी ट्वीट करके इसकी जानकारी दी।

क्या है श्रीलंका का डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट के तहत श्रीलंका की सरकार अपने नागरिकों की बायोग्राफिक और बायोमीट्रिक जानकारी को इकट्ठा करेगी। इनमें चेहरे, आंखों की पुतली और फिंगरप्रिंट का डाटा शामिल होगा। इकट्ठा करने के बाद इस जानकारी को इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा निर्धारित

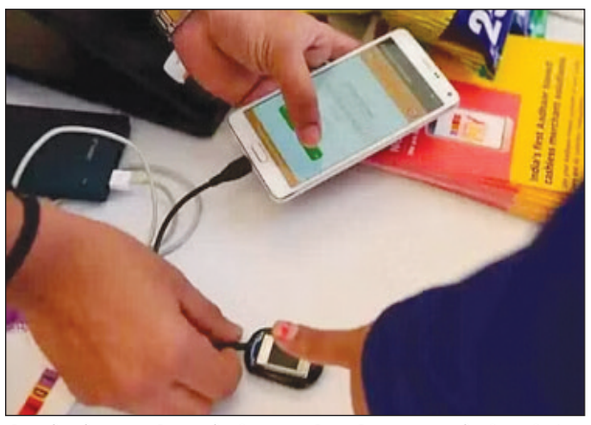

नियमों के मुताबिक केंद्रीकृत प्रणाली में संग्रहीत किया जाएगा। यह योजना भारत में आधार योजना के जैसी ही है, जिसकी मदद से भारत में डिजिटल क्रांति लाने में मदद मिली है।

श्रीलंका में डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट से सरकारी सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना आसान हो जाएगा और गरीबी घटेगी। साथ ही श्रीलंका सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर सकेगी। श्रीलंका में आर्थिक समावेश बढ़ेगा और लोगों की बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।

भारत और श्रीलंका के बीच मार्च 2022 में इस प्रोजेक्ट को लेकर समझौता हुआ था। समझौते के तहत इस प्रोजेक्ट के लिए इंडो श्रीलंका जॉइंट प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए सॉफ्टवेयर का विकास भी भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।

युद्ध के बीच पुतिन का तुर्किये दौरा!

एर्दोगन बोले- तारीख तय नहीं, लेकिन उम्मीद है कि इसी महीने आएंगे

इस्तांबुल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी तुर्किये यात्रा को लेकर राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि कोई तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन बातचीत चल रही है और पुतिन के अगस्त में आने की उम्मीद है। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु अजांसी (एए) ने यह जानकारी दी है। एर्दोगन ने इस्तांबुल में शुक्रवार की नमाज के बाद संवाददाताओं से कहा कि तारीख स्पष्ट नहीं है, लेकिन विदेश मंत्री, खुफिया संगठन के प्रमुख, वे सभी बातचीत कर रहे हैं।

एर्दोगन ने कहा, इन वार्ताओं की रूपरेखा के भीतर, मुझे लगता है कि यह यात्रा उम्मीद के मुताबिक अगस्त में ही होगी। समाचार एजेंसी एए के अनुसार, एर्दोगन का यह बयान बुधवार को पुतिन के साथ एक फोन कॉल के बाद आया है। बाचतीच के दौरान वे सहमत हुए हैं कि पुतिन आने वाले दिनों में तुर्किये का दौरा

करेंगे। एर्दोगन ने पुतिन से यह भी कहा कि तुर्किये काला सागर अनाज सौदे को फिर से शुरू करने के लिए अपने गहन प्रयास और कूटनीति जारी रखेगा।

रूस 17 जुलाई को यूक्रेनी काला सागर बंदरगाहों से अनाज निर्यात को बहाल करने के लिए तुर्किये, संयुक्त राष्ट्र और यूक्रेन के साथ जुलाई 2022 में किए गए समझौते से पीछे हट गया। मॉस्को ने इस बात पर विरोध जताया कि समझौते के रूसी हिस्से का पालन नहीं किया गया। अफ्रीकी देशों को मुफ्त में अनाज भेजने की पुतिन की हालिया पेशकश पर एर्दोगन ने कहा, हम इस मुद्दे पर रूस के साथ हैं, यानी हम काला सागर गलियारे के माध्यम से रूस से आने वाले अनाज को आटे में बदल देंगे और हम इस आटे को गरीब अफ्रीकी देशों और अविकसित देशों तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने कहा, अब भी तुर्किये ये कदम उठाता रहेगा और गरीब देशों को अपना समर्थन और सहायता देता रहेगा। बयान के मुताबिक, बुधवार को फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेता पुतिन की तुर्किये यात्रा पर भी सहमत हुए।

बयान में कहा गया है, यह व्यक्त करते हुए कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तनाव बढ़ाने के लिए कदम नहीं उठाए जाने चाहिए, राष्ट्रपति एर्दोगन ने काला सागर पहल के महत्व को रेखांकित किया, जिसे वह 'शांति का पुल' मानते हैं।

बयान में आगे कहा गया है, यह इंगित करते हुए कि काला सागर पहल के ज्यादा दिनों तक बंद होने से किसी को कोई लाभ नहीं होगा और अनाज की जरूरत वाले और कम आय वाले देशों को सबसे अधिक नुकसान होगा। राष्ट्रपति एर्दोगन ने बताया कि अनाज की कीमतें, जो कार्यान्वयन अवधि के दौरान 23 प्रतिशत कम हुईं थीं, पिछले दो हफ्तों में 15 प्रतिशत बढ़ गईं।

बयान में कहा गया, राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये काला सागर पहल को जारी रखने के लिए गहन प्रयास और कूटनीति जारी रखेगा। एर्दोगन ने जंगल की आग के खिलाफ लड़ाई के लिए रूस द्वारा तुर्किये को भेजे गए दो उभयचर अग्निशमन विमानों के लिए अपने रूसी समकक्ष को धन्यवाद भी दिया। एर्दोगन ने तुर्किये में रूसी पर्यटकों की बढ़ती रुचि पर संतुष्टि व्यक्त की और विश्वास जताया कि संयुक्त प्रयासों से इस साल पर्यटन में रिकॉर्ड टूट जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की अदालत का बड़ा फैसला

सिखों को स्कूल में कृपाण ले जाने से रोकने वाले कानून को पलटा

मेलबर्न, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य की सबसे बड़ी अदालत ने स्कूल परिसर में सिख छात्रों के कृपाण पहनने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को असंवैधानिक करार देते हुए उसे पलट दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्वींसलैंड की प्रमुख अदालत ने कमलजीत कौर अठवाल की याचिका की यह फैसला सुनाया। जिसमें उन्होंने पिछले साल राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। याचिका में दावा किया गया था कि प्रतिबंध कृपाण के साथ भेदभाव करता है, जो सिखों के पांच धार्मिक प्रतीकों में से एक है। सिखों को अपनी आस्था के अनुरूप हर समय इसे अपने साथ रखना चाहिए। कृपाण सिख धर्म का अभिन्न हिस्सा है। यह उन पांच धार्मिक प्रतीकों में से एक है जिन्हें वे अपनी आस्था के हिस्से के रूप में हर समय साथ रखते हैं।

गंभीर आरोपों के बावजूद ट्रंप की उम्मीदवारी को मिल रहा जबरदस्त समर्थन

मुकदमों को बताया 'बाइडन की हताशा'

वॉशिंगटन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद पर दर्ज मुकदमों को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह जो बाइडन की हताशा है। ट्रंप शुक्रवार को दक्षिणपंथी माने जाने वाले अलबामा के दौरे पर थे। अलबामा में ट्रंप को जबरदस्त समर्थन मिला। ट्रंप पर 2020 के चुनाव नतीजों को पलटने का आरोप है। हालांकि ट्रंप ने इस आरोप को ही बकवास बताया।

जो बाइडन पर साधा निशाना

अपने ऊपर लगे मुकदमों पर ट्रंप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 'यह सिर्फ कुटिल जो बाइडन और उसके कट्टरपंथी वामपंथियों की हताशा है, वह चाहते हैं कि सत्ता पर उनकी पकड़ बनी रहे।' बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए समर्थन

जुटाने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इसी के तहत वह शुक्रवार को अलबामा पहुंचे, जहां लोगों की भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया।

ट्रंप का गढ़ रहा है अलबामा

अलबामा, डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति का गढ़ रहा है। यही वजह है कि साल 2016 और 2020 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में यहां ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन ने ही जीत हासिल की थी। अलबामा के सभी छह रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया। इनके अलावा अलबामा के वरिष्ठ सीनेटर, लेफ्टिनेंट गवर्नर और एग्रीकल्चर कमिश्नर का भी समर्थन मिला है।

रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी में आगे निकले ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की रेस में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी फ्लोरिडा के गवर्नर रोन देसांतिस से 39 पॉइंट आगे निकल चुके हैं। अलबामा के 80 से ज्यादा सांसदों, जनप्रतिनिधियों का समर्थन मिल चुका है। वहीं रोन देसांतिस को अभी तक अलबामा से महज पांच जनप्रतिनिधियों का ही समर्थन मिला है।

अलबामा के लोग भी मानते हैं कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे राजनीति से प्रेरित हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप तीन अलग-अलग मुकदमों में 78 आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनके खिलाफ अगले साल मार्च में एडल्ट स्टार को पैसे देने के मामले में मुकदमे की सुनवाई शुरू होगी। वहीं मई में गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामले की सुनवाई शुरू होगी।

मुफ्त के प्ले-स्टेशन के लिए दंगे

स्टेशन पर चढ़कर पुलिस पर बोतलें फेंकी, यू-ट्यूबर के बुलावे पर जुटे थे 2000 लोग

न्यूयॉर्क, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में शुक्रवार को दंगे भड़क गए। लोगों ने ट्रेन स्टेशन और गाड़ियों पर चढ़कर पुलिस पर बोतल फेंकी और बैरिकेड तोड़ दिए। इसकी शुरुआत यू-ट्यूबर के बुलावे पर इकट्ठा हुई भीड़ से हुई। दरअसल, काई सीनेत नाम के यू-ट्यूबर ने लोगों को मुफ्त में प्ले स्टेशन देने की घोषणा की थी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक यूनियन स्क्वायर पार्क पर 2 हजार लोगों की भीड़ जुट गई। देखते ही देखते वहां झगड़ा और पथराव शुरू हो गया। कई लोग घायल हो गए और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इन्हें कंट्रोल करने के लिए मौके पर हजार पुलिस वालों को बुलाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में दंगाई वाहनों, कारों को तोड़ते दिखाई दे रहे हैं।

यू-ट्यूबर सीनात ने एक

वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसने अपने फैन्स को 300 प्ले-स्टेशन बांटने की बात कही।

सीनात के 10 मिलियन फॉलोअर्स हैं। जो 1 बजे यूनियन स्क्वायर पर जुटने लगे।

लोगों के बीच प्ले-स्टेशन लेने के लिए लड़ाईयां होने लगी। लोग एक-दूसरे को पीटने लगे। भीड़ बेकाबू होने के बाद लोग गाड़ियां तोड़ने लगे और उन पर नाचने लगे।

यू-ट्यूबर ने हालात बिगड़ते देख लाइव-स्ट्रीमिंग के दौरान लोगों को कहा- वो लोग आंसू गैस के गोले छोड़ रहे हैं। जंग छिड़ गई है। अपनी सुरक्षा खुद करें।

न्यूयॉर्क सिटी पुलिस चीफ जेफ्री माडेरे का कहना है कि हालात नियंत्रण से बाहर हो गए थे और काफी संख्या में लोग घायल हुए। बाद में पुलिस ने किसी तरह भीड़ को तितर-बितर किया और हालातों को काबू किया। इस दंगे के आरोप में कई युवाओं को गिरफ्तार किया गया है।

ट्रम्प राष्ट्रपति बने तो नाटो से बाहर हो जाएगा अमेरिका

यूएस के पूर्व एनएसए बोले- डोनाल्ड ट्रम्प के अपने कोई विचार नहीं, वो तर्कहीन हैं

वॉशिंगटन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में अगर डोनाल्ड ट्रम्प फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो अमेरिका नाटो को छोड़ सकता है। ये कहना है अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन का। अमेरिकी मीडिया द हिल में लिखे एक आर्टिकल में उबोल्टन ने कहा- अपने पहले कार्यकाल में भी नाटो के अस्तित्व को ट्रम्प से खतरा था। अब अगर वो फिर से राष्ट्रपति बने तो हम जाहिर तौर पर संगठन से बाहर हो जाएंगे।

इसके अलावा पूर्व एनएसए ने ट्रम्प को अस्थिर और तर्कहीन भी बताया। उन्होंने कहा- ट्रम्प के खुद के कोई विचार नहीं हैं। जब वो राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर फैसले लेते हैं तो वो पॉलिसी के बारे में नहीं सोचते हैं। ट्रंप की विदेश नीति के फैसलों की प्रशंसा करने वाले रिपब्लिकन भी अमेरिकी विदेश नीति को नहीं समझते हैं।

बोल्टन बोले- ट्रम्प को उन बातों का क्रेडिट मिला जिसे वे लागू भी नहीं करना चाहते थे

जॉन बोल्टन अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रम्प के

एनएसए थे। बोल्टन ने कहा- अगर अमेरिका में ट्रम्प की विदेश नीतियों के हिसाब से काम हुआ होता तो पिछले दशक में हम जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, वहां कभी नहीं जा पाते। ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें ट्रम्प ने ना चाहते हुए लागू किया और आज उन्हें उसका क्रेडिट दिया जा रहा है।

बोल्टन के मुताबिक, ट्रम्प दूसरे देशों के साथ अमेरिका के रिश्तों को देश के हितों से जोड़ने की जगह अपने निजी रिश्तों के आधार पर देखते थे। बोल्टन ने ये भी खुलासा किया कि ट्रम्प नेगेटिव मीडिया कवरेज से बहुत डरते हैं। जब उनके किसी फैसले की वजह से चीजें खराब होने लगती हैं या उनके फैसलों की आलोचना होती है तो वो अपने ही फैसलों से दूर हो जाते हैं। विदेशी लीडर्स, चाहे वो दोस्त हों या दुश्मन, सभी ज्यादातर ट्रम्प को एक घमंडी और अनुभवहीन नेता के तौर पर देखते थे जिसे कई जरूरी मुद्दों के बारे में जानकारी नहीं होती है। इन सब वजहों से उनके पहले कार्यकाल के वक्त भी रिस्क था और अगर भविष्य में वो दोबारा राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फॉरेन पॉलिसी के मामले में देश पर खतरा बढ़ सकता है।

बता दें कि हाल ही डोनाल्ड ट्रम्प पर अमेरिकी संसद कैपिटल हिल पर हिंसा के मामले में क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। इससे पहले पिछले 5 महीनों में ट्रम्प पर 2 और मामलों में क्रिमिनल केस हो चुका है। इन केस में ट्रम्प को अधिकतम 20 साल की जेल की सजा का प्रावधान है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ को रोकने के लिए अमेरिकी और यूरोपीय देशों ने सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसे नाटो के नाम से जाना जाता है।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ और अमेरिका दो सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे, जो दुनिया पर अपना दबदबा कायम करना चाहते थे।

यूएन में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

भारत बोला- ऐसे लोगों से बहस का मतलब नहीं, ये हर बार भटकाते हैं, अपने मसले देखो

इस्लामाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर कश्मीर को लेकर पाकिस्तान को हिदायत दी है। भारत ने कहा है कि बार-बार कश्मीर राग अलापने की जगह पाकिस्तान को अपने देश पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल, यूएनएससी में शुक्रवार को एक मीटिंग के दौरान पाकिस्तान ने फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया।

इस पर यूएन मिशन में मौजूद भारत के काउंसलर आर मधुसूदन ने कहा कि इस परिषद के समय का सही इस्तेमाल तभी हो पाएगा जब दूसरे देशों के डेलिगेशन मेरे देश पर आरोप लगाने की बजाय अपने मुल्क के मसलों पर ध्यान दें। एक डेलिगेशन ने फिर से इस फोरम का इस्तेमाल फूड सिक्योरिटी जैसे जरूरी मुद्दे से भटकाने के लिए किया है। वे बार-बार अपने एजेंडा के लिए यूएन काउंसिल का ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहते हैं।

भारत पर इल्जाम लगाना बंद करे पाकिस्तान

भारत की एकता और अखंडता पर जोर देते हुए मधुसूदन ने

कहा- ऐसे लोगों से बहस करने का कोई मतलब नहीं है, जो अपने गलत मकसद को पूरा करने के लिए आतंक का सहारा लेते हैं। पाकिस्तान को भारत पर इल्जाम लगाने की जगह अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा था और हमेशा बना रहेगा। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्हें अन्य पीडीपी नेताओं के साथ नजरबंद कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने पुलिस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को अवैध तरीके से हिरासत में लेने की बात कही। भारत ने यूएनएससी में कहा था- पाकिस्तान कट्टरता में डूबा, उसकी सोच से फर्क नहीं पड़ता

इससे पहले जुलाई में भी भारत ने यूएनएससी में पाकिस्तान को लताड़ा था। ब्रिटेन में हुई यूएनएससी की एक बैठक में पाकिस्तान ने फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस पर यूएन में भारत के मिशन काउंसलर आशीष शर्मा ने कहा था- लद्दाख और जम्मू-कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा थे और रहेंगे। इस पर पाकिस्तान क्या सोचता या चाहता है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आशीष शर्मा ने कहा था- यूएनएससी में एक डेलिगेशन ने मेरे देश के खिलाफ जहर उगला है, जो राजनीति से प्रेरित है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जो लोग खुद कट्टरता में डूबे हुए हैं वो भारत के समाज और यहां रह रहे अलग-अलग समुदाय के लोगों की एकता को नहीं समझ सकते। हम इस तरह के बयान की कड़ी निंदा करते हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कुछ दिन पहले कहा था कि वो भारत से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। शरीफ ने कहा था- हम अपने उस पड़ोसी से भी बातचीत करना चाहते हैं, जिसके साथ हमने तीन जंग लड़ीं। जरूरी ये है कि गंभीर मुद्दों पर सामने वाला भी उतनी ही गंभीरता से बातचीत करे।

रूस ने रक्षा खर्च का लक्ष्य बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किया

मॉस्को, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने 2023 में रक्षा खर्च के लक्ष्य को दोगुना बढ़ाकर 100 अरब डॉलर कर दिया है। यूक्रेन के साथ युद्ध करने पर शुरुआत में अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के प्रतिबंध लगाए, बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था खूब फल-फूल रही है।

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का दावा है कि रूसी सरकार के कुल खर्च में रक्षा खर्च की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी पहुंच गई है। साल की शुरुआत में रूस ने रक्षा खर्च का लक्ष्य 54 अरब डॉलर रखा था। लेकिन, पहले छह महीने में ही रूस लक्ष्य से 12 फीसदी ज्यादा खर्च कर चुका है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंध और युद्ध के भारी खर्च के बाद भी रूस की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

विश्लेषकों का मानना है कि रूस की घरेलू अर्थव्यवस्था को सैन्य उद्योग से बल मिल रहा है। एक अनुमान के मुताबिक रूस ने सैनिकों सेना पर इस साल के शुरुआती 6 महीनों में करीब 1000 अरब रूबल खर्च किए हैं। जुलाई में रूसी उपप्रधानमंत्री डेनिस मैनट्यूरोव ने कहा था कि अब हर माह उतना गोला-बारूद बन रहा है, जितना पूरे 2022 में नहीं बना था।

एनएसए अजित डोवाल पहुंचे जेद्दा

सऊदी अरब की मेजबानी में यूक्रेन शांति वार्ता में होंगे शामिल

जेद्दा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोवाल रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध पर चर्चा के लिए शनिवार को सऊदी अरब की मेजबानी में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और अन्य अधिकारियों के एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जेद्दा पहुंचे हैं। सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल खान और महावाणिज्यदूत मोहम्मद शाहिद आलम ने जेद्दा हवाईअड्डे पर डोवाल का स्वागत किया।

रियाद में स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर कहा,

एनएसए अजित डोवाल यूक्रेन पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जेद्दा पहुंचे। जेद्दा हवाईअड्डे पर राजदूत डॉ. सुहेल खान और महावाणिज्य दूत मोहम्मद शाहिद आलम ने उनका स्वागत किया।

रूस के साथ चल रहे संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की शांति योजना पर चर्चा के लिए तटीय शहर जेद्दा में बैठक का आयोजन किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी की पुष्टि की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। बागची ने विदेश मंत्रालय की एक प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हां, भारत को जेद्दा में यूक्रेन पर सऊदी अरब द्वारा आयोजित बैठक में आमंत्रित किया गया है।

ब्लैक सी तक फिर पहुंची रूस-यूक्रेन जंग

मॉस्को, 5 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन ने दावा किया है कि उन्होंने ब्लैक सी में रूसी जहाज पर हमला किया है। ये अटैक शुक्रवार को रूस के नोवोरोससिक पोर्ट के पास हुआ। इससे ग्रेन डील खत्म होने के बाद एक बार फिर रूस-यूक्रेन जंग ब्लैक सी तक पहुंच गई है। जिस पोर्ट पर हमला हुआ वो रूस के निर्यात का बड़ा हब है। यूक्रेन ने अटैक का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें एक समुद्री ड्रोन एक जहाज से टकराते हुए देखा जा सकता है। यूक्रेन ने बताया है कि जब ड्रोन रूसी जहाज से टकराया तो उसमें 450 किलो डाइनामाइट था। हालांकि, रूस ने ड्रोन से हुए किसी भी नुकसान से इनकार किया है। वहीं, बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ड्रोन जिस रूसी शिप से टकराया वो ओलेनोगोर्सकी गोर्नयाक है, जो एक लैंडिंग शिप है। इसे सैनिकों और कार्गो को ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक तरफ जहां यूक्रेन ने ब्लैक सी में रूस के जहाज पर अटैक करने का दावा किया है।

वहीं, रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू का कहना है कि उन्होंने क्रीमिया पर हमला करने जा रहे 10 यूक्रेनी ड्रोन को तबाह कर दिया। फिलहाल रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू जंग के मैदान का जायजा लेने फ्रंट लाइन्स पर हैं।

भाजयुमो अध्यक्ष अंकित चैची के पद ग्रहण समारोह में लाठीचार्ज, मचा हड़कंप

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष अंकित चैची के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने अचानक मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर दिया। इसकी जानकारी किसी को भी नहीं थी, पुलिस ने हालत काबू करने के लिय हल्का बल उपयोग किया है।

राजधानी जयपुर में बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चैची के पदभार ग्रहण कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने पहुंचे युवा कार्यकर्ताओं पर पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किया गया है। दरअसल, बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चैची का पद ग्रहण समारोह रखा गया था।

बता दें कि पदभार ग्रहण समारोह में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बीजेपी कार्यालय पहुंचने का कार्यक्रम था। अंकित चैची ने पद ग्रहण करते ही अचानक बिना किसी को सूचित किए मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर दिया। इसको देखकर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में पुलिस की टुकड़ियों को तैनात किया गया और बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए लाठीचार्ज का प्रयोग करना पड़ा। पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारी इस अचानक हुए घेराव को लेकर तनाव में नजर आ रहे हैं। युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर सोडाला थाने ले जाया गया है।

पति की गिरफ्तारी के बाद खतरे में 'मेयर' मुनेश

प्रताप सिंह बोले- मैंने रफीक और अमीन ने कहा था कर दो बर्खास्त

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। नगर निगम के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा द्वारा दर्ज FIR का मामला खत्म भी नहीं हुआ था। अब उनके पति सुशील गुर्जर को एसीबी ने 2 लाख रुपए की रिश्वत मामले में गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद मेयर मुनेश गुर्जर की कुर्सी खतरे में आ गई है।

मंत्री खाचरियावास ने कहा- मुनेश गुर्जर के काम को लेकर मैं खुश नहीं था। मैंने विधायक रफीक खान और अमीन कागजी, तीनों ने कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा से कहा था। आप इन्हें बर्खास्त कर दीजिए।

क्योंकि में करप्शन बर्दाश्त नहीं कर सकता हूं। हमने मुनेश को इसलिए मेयर थोड़ी बनाया था कि उनके घर पर ही पट्टे के लिए गरीब लोगों से रिश्वत ली जाए। अब तो अति हो गई है।

खाचरियावास ने कहा- एसीबी की टीम 6 महीने से इस तरह के मामलों की जांच कर रही थी।

पिछले डेढ़-दो महीने से तो शिकायतें काफी बढ़ गई थी। इसके बाद ACB की टीम ने करवाई की है। वैसे भी बिना सबूत के ACB की टीम किसी के घर पर छापा नहीं डालती है। उनके पास पर्याप्त सबूत है। तभी इस तरह की करवाई की गई है। मैं सीएम अशोक गहलोत जी और राजस्थान पुलिस की एसीबी टीम का धन्यवाद दूंगा। मुझे विश्वाश है, जो कोई भी इस मामले में लिप्त होगा। वो पकड़ में आएगा। ऐसे में जो भी सच्चाई है। वह अब जनता के सामने आ जाएगी।

प्रताप सिंह ने कहा- अब किसी की नाटकबाजी नहीं चलेगी। आप कितने ही नाटक क्यों ना कर लो, अब नहीं चलने वाले। चाहे प्रताप सिंह हो या फिर कोई और नेता। अगर वह TV पर आकर नाटक करता है तो वह पकड़ में आ जाती है। मैं भगवान राम का वंशज हूं। गोपीनाथजी का भक्त हूं। ग्रेटर में भी करवाई हुई थी। अब यहां पर भी हुई है। हम इसकी सच्चाई सामने लेकर आएगे।

खाचरियावास ने कहा- मेरे पास भी लोग आए थे। उन्होंने मेरे से कहा था पट्टा तो मेरा बन गया। वहां पर जाकर रुक गया। मैंने भी उनके पट्टे के लिए समझाया। फिर भी कोई नहीं समझे।

तो क्या किया जा सकता है। जबकि अधिकारियों ने पट्टे बना दिए। नेता रोक दे तो कैसे बर्दाश्त करें। जब लोगों ने मेरे से शिकायत कि तो मैंने भी उन्हें 1064 पर शिकायत करने के लिए कहा था। ताकि भ्रष्टाचारियों पर सख्त एक्शन हो सकेगा। वैसे भी अति हो गई थी। ऐसे में हम हमारी नाक के नीचे चोरी नहीं होने देंगे।

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जयपुर हेरिटेज नगर निगम मेयर मुनेश गुर्जर के घर छापा मारा था। टीम ने पट्टा जारी करने की एवज में 2 लाख रुपए मांगे जाने पर मेयर के पति सुशील गुर्जर और दो दलाल नारायण सिंह और अनिल दुबे को गिरफ्तार किया है।

सुशील पर पट्टे बनाने की एवज में 2 लाख रुपए की घूस मांगने का आरोप है। मेयर के घर सर्च में 41 लाख रुपए नकद मिले हैं। जिसके बाद एसीबी की टीम इस पूरे मामले को लेकर अब नगर निगम की पुरानी फाइलों की जांच कर रही है।

चोट के बाद पहली बार कार्यक्रम में पहुंचे गहलोत

शहरी-ग्रामीण ओलिंपिक की शुरुआत की, 18 सितंबर तक चलेगा आयोजन

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पैर में चोट लगने के बाद शनिवार को सीएम अशोक गहलोत पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम से शहरी और ग्रामीण ओलिंपिक की शुरुआत की। यहां प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की 11 हजार 252 पंचायतों और 535 नगर निकाय में वर्चुअल ओलिंपिक की शुरुआत की। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ खेल मंत्री अशोक चांदना और राजस्थान कैबिनेट के नेता मौजूद रहे।

इससे पहले खेल मंत्री अशोक चांदना ने बताया- 5 अगस्त से 18 सितम्बर तक आयोजित होने वाले राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलिंपिक खेलो में 7-7 खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इनमें ग्रामीण ओलिंपिक में कबड्डी (बालक-बालिका वर्ग), शूटिंग बॉल (बालक वर्ग), टेनिस बॉल क्रिकेट (बालक-बालिका वर्ग), खो-खो (बालिका वर्ग), वॉलीबॉल (बालक-बालिका वर्ग), फुटबॉल (बालक-बालिका वर्ग) और रस्साकशी (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वहीं शहरी ओलिंपिक में कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट , खो-खो (बालिका वर्ग), वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, फुटबॉल , बास्केटबॉल (बालक-बालिका वर्ग) प्रतियोगिता होगी। चांदना ने कहा कि इस अनूठे आयोजन का मकसद राजस्थानियों को फिट और हिट रखना है। जिसमें राजस्थान के हर गली मोहल्ले गांव कस्बे और शहर के खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड रजिस्ट्रेशन करवाया है।

भीलवाड़ा प्रकरण पर बात करते हुए रोने लगीं भाजपा नेता

कहा- बच्ची को जिंदा जला दिया, पीड़ा और दर्द होता है, रोना आता है

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में नाबालिग बच्ची के साथ रेप और हत्या के मामले में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर मीडिया से बातचीत के दौरान रोने लग गईं। अल्का गुर्जर प्रदेश भाजपा मुख्यालय में इस मामले को लेकर संबोधित कर रही थीं। अल्का गुरुवार को घटना स्थल पर भी गई थीं। उन्होंने भीलवाड़ा की घटना की तुलना दिल्ली के तंदूर कांड से करते हुए कहा- हमारी एक छोटी बच्ची को भट्टी में जिंदा जला दिया गया। यह हमें मंजूर नहीं है। ये हमने कभी नहीं सोचा था कि राजस्थान में महिलाओं की यह स्थिति हो जाएगी। यह सब देखकर रोना आता है, दर्द होता है। पीड़ा होती है कि राजस्थान जो सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती थी, आज

वहां कांग्रेस राज में हमें वो समय देखने को मिल रहा है कि हमारी बच्चियों को जिंदा भट्टियों में जलाया जा रहा है। इसके बाद भी मुख्यमंत्री स्तर पर इस घटना को लेकर कोई बयान तक नहीं आता है। मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना है। मुझसे बोला भी नहीं जा रहा है। राजस्थान की महिलाएं इस सरकार को कभी माफ नहीं करेंगी। मैं इस मामले में मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करती हूं। वहीं, इस पूरे प्रकरण को लेकर पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा- सीएम अशोक गहलोत अक्षम मुख्यमंत्री हैं। इससे कड़े शब्दों का इस्तेमाल मैं नहीं कर सकता हूं। यह केवल भीलवाड़ा के कोटड़ी की घटना को लेकर नहीं है। पिछले साढ़े चार साल में मंत्री और विधायकों के बेटों व रिश्तेदारों ने महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। उनके मामले भी दर्ज नहीं किए गए।

कोर्ट के आदेश के बाद मंत्री जाहिदा खान के पति, विधायक जौहरीलाल मीणा के बेटे पर मुकदमा दर्ज हुआ। वहीं, हाल ही में विधायक बाबूलाल बैरवा के भतीजे पर आरोप लगे हैं। इस मामले में भी लीपापोती चल रही है।

महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष बोली- राहत नहीं सुरक्षा की गारंटी चाहिए

विधानसभा में धारीवाल के बयान के बाद बढ़े रेप के मामले, महिला मोर्चा ने जताया विरोध

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के कोटड़ी में मासूम बच्ची के साथ रेप व हत्या के मामलें में आज महिला मोर्चा ने जयपुर में कैंडल मार्च निकालकर घटना का विरोध जताया। मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल हुई भाजपा नेता व महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कैंप लगाकर रेवड़ियां बांटने का काम कर रहे हैं। लेकिन प्रदेश की महिलाओं को सीएम गहलोत से राहत नहीं सुरक्षा की गारंटी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह निकम्मी सरकार महिला सुरक्षा की जगह अपने मंत्री के दिए गए बयान पर अट्टाहस करती हैं। जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हुए हैं। यहीं वज़ह है कि मंत्री शांति धारीवाल के विधानसभा में दिए गए ₹मर्दों का प्रदेश₹ वाले बयान के बाद प्रदेश में रेप की घटनाएं बढ़ गई। सुमन शर्मा ने कहा कि कभी हमें गर्व होता था कि हम वीरांगनाओं और शूरवीरों के प्रदेश में रहते हैं। लेकिन आज जिस तरह से महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहा हैं। उससे हमें शर्म आती है कि हम राजस्थान में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं। पांच साल हो गए महिलाओं व बालिकाओं को उनसे सुरक्षा की गुहार लगाते-लगाते। लेकिन आज तक सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र गुढ़ा कहते है कि विधानसभा में बैठे इनके मंत्री व विधायक रेपिस्ट हैं। तो फिर महिलाए किससे सुरक्षा की उम्मीद करें।

अरुण सिंह बोले- गहलोत जनता की निगाह में विलेन

बीजेपी प्रदेश प्रभारी ले कहा- सीएम के दोनों पैरों में फ्रैक्चर कैसे हो सकता है ?

अलवर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार नाकारा व निकम्मी है। इनके राज में आए दिन रेप पर रेप हुए हैं। कहीं लड़कियों को जिंदा जला दिया जाता है तो कहीं कुएं में फेंक दिया जाता है। देश में ऐसा हाल किसी अन्य राज्य का नहीं हैं। जनता की निगाह में गहलोत विलेन बन चुके हैं। दोनों पैरों में फ्रैक्चर दिखा कर बैठे हैं। जनता को समझ नहीं आ रहा है कि एक साथ दोनों पैरों में कैसे फ्रैक्चर हो सकता है। लगता है यह सब सहानुभूति के लिए है। लेकिन जनता सब जानती है।

अरुण सिंह अलवर आए थे। यहां संगठन के प्रतिनिधियों से बातचीत की। उसी समय मीडिया

से बातचीत में कहा कि बीजेपी का संगठन मजबूती से काम में लगा है। गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार व अपराध पर हम लड़ रहे हैं। लाल डायरी एक ही मुद्दा नहीं है। हमने पहले करौली की घटना पर सरकार को जमकर घेरा था। अन्य मुद्दों पर भी बीजेपी ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया। हमारी पार्टी में एक नेता नहीं बल्कि लाखों कार्यकर्ता नेतृत्व करते हैं। नहीं सहेगा राजस्थान का अभियान जारी है। जयपुर में सबसे बड़ा आंदोलन हुआ है। उससे पहले अजमेर में पेपर लीक को लेकर बड़ा आंदोलन किया। यहां के लोगों ने ऐसी निकम्मी व नाकारा सरकार कभी नहीं देखी। अब राजस्थान इसे नहीं सहेगा।

टिक्टार्थियों की भीड़

अरुण सिंह के स्वागत करने वालों में टिकटार्थियों की अच्छी खासी भीड़ रही। बीजेपी के प्रदेश प्रभारी का कई जगहों पर स्वागत किया गया। बीजेपी के कार्यालय में भी पूर्व मंत्री, विधायक व अन्य नेताओं की मौजूदगी रही।

हनीट्रेप में फंसे टीचर ने किया सुसाइड

महिला टीचर ने बनाया था आपत्तिजनक वीडियो, 7 लाख नहीं दे सका तो दे दी जान

बीकानेर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हनीट्रेप में फंसे एक सरकारी शिक्षक ने नहर में कूदकर सुसाइड कर लिया। मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट में लिखा है कि एक महिला टीचर और उसके परिजन ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाया और बाद में सात लाख रुपए की डिमांड की। रुपए नहीं देने और बदनामी की डर से उसने सुसाइड कर लिया। मामला बीकानेर जिले के छत्तरगढ़ इलाके का है।

सीओ खाजूवाला विनोद कुमार ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले के घड़साना निवासी हीरालाल पुत्र जुगताराम मेघवाल बाड़मेर के

बालोतरा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक था। 31 जुलाई को अपने घर आया था। यहां दो दिन रहने के बाद दो अगस्त को सुबह 11 बजे घड़साना से बालोतरा के लिए रवाना हुआ था। अपने साले को फोन करके कहा कि उसका बैग और अन्य सामान इंदिरा गांधी नहर की आरडी 585 के पास पड़ा है। इसमें एक डायरी भी है। वो यहां आकर ले जाएं। उसका साला वहां पहुंचे तो एक बैग मिला। जिसमें एक डायरी में सुसाइड नोट था। इस पर उसने खाजूवाला पुलिस को सूचना दी। पुलिश को शाम करीब छह बजे आरडी 860 के पास हीरालाल का शव मिला। छत्तरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में शव रखवाया। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया।

यह लिखा है सुसाइड नोट में

बैग में मिले सुसाइड नोट में लिखा है कि एक महिला शिक्षक, उसकी बहन और पति ने उसे अपने घर बुलाया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो सार्वजनिक नहीं करने के लिए दस लाख रुपए की मांग की। इसमें सात लाख में सौदा तय हुआ। जिसकी पहली किश्त के रूप में पांच लाख रुपए तीन अगस्त को देने थे। शेष राशि 11 अगस्त को देनी थी। तीन दिन में रुपए नहीं देने पर वीडियो वायरल करने की चेतावनी दी गई। इसी से सदमे में आकर नहर में छलांग लगा दी। सूचना पर सीओ खाजूवाला विनोद कुमार, एसडीएम राजेंद्र कुमार, छतरगढ़ थाना अधिकारी हंसराज मीणा मौके पर पहुंचे।

केमिकल से भरे टैंकर में लगी आग

बायो केमिकल से भरा टैंकर डिवाइडर से टकराते ही आग का गोला बना, ड्राइवर झुलसा

बीकानेर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जामनगर से अमृतसर के बीच शुरू हुई भारत माला सड़क पर शनिवार सुबह बायो केमिकल से भरा एक टैंकर डिवाइडर से जा टकराया, जिससे टैंकर में आग लग गई। देखते ही देखते टैंकर आग का गोला बन गया। गनीमत रही कि इसे चला रहा ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल गया, हालांकि वो भी झुलस गया है। उसे पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। नापासर थाना क्षेत्र के नौरंगदेसर के पास शनिवार सुबह करीब पांच बजे ये हादसा हुआ। टैंकर की किसी अन्य वाहन से टक्कर नहीं हुई, फिर भी डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर होते ही टैंकर

में रखे बायो केमिकल ने आग पकड़ ली। संभवतः टक्कर से पैदा हुई चिंगारियां इस केमिकल तक पहुंच गई। 23 वर्षीय टैंकर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। वो कुछ झुलस गया था। 108 एम्बुलेंस के मौके पर नहीं पहुंचने पर नापासर पुलिस के अधिकारी संतोष नाथ ने उसे सरकारी वाहन में ही पीबीएम अस्पताल भेजा, ताकि जान बचाई जा सके। जामनगर से अमृतसर के बीच ग्रीन एक्सप्रेस कॉरिडोर का उद्घाटन पिछले दिनों ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसके बाद जामनगर से सीधे अमृतसर तक रास्ता बन गया है। ये टैंकर भी गुजरात से आ रहा था और पंजाब की ओर जा रहा था। यहां आने और जाने की अलग-अलग सड़क है। बीच में लोहे के डिवाइडर लगे हैं तो कहीं आरसीसी के डिवाइडर लगे हैं। इसी से टकराकर टैंकर में आग लगी। ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण टैंकर डिवाइडर से टकराया या फिर कोई अन्य कारण रहा।

कोटा में एक और छात्र ने किया सुसाइड

पीजी में चार महीने से रह रहा था, पंखे से लगाया फंदा

कोटा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कोटा में कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड के मामले रुक नहीं रहे है। कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। महावीर नगर थर्ड में पीजी में रह रहे कोचिंग छात्र ने कमरे में फंदा लगा लिया। घटना का पता लगा। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम रूम में पहुंचाया। महावीर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि मूल रूप से मोतिहारी का रहने वाला भार्गव मिश्रा(17) कोटा में रहकर जेईई की तैयारी कर रहा था। वह अप्रैल में ही कोटा आया था। महावीर नगर थर्ड में एक मकान में किराए से कमरा लेकर रहता था। उसके पिता ने उसे कॉल किया लेकिन उसकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक कॉल करने के बाद भी जब जवाब नही आया तो उसके पिता ने मकान मालिक को कॉल किया।

मकान मालिक ने जब कमरे पर पहुंचकर उसे आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद मकान मालिक ने खिडकी से अंदर झांक कर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। पानी के पाइप से उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार अभी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

करंट लगने से किसान की मौत: कृषि कार्य करते समय हादसा, 4 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

करौली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मामचरी थाना क्षेत्र के काछीपुर गांव में कृषि कार्य करते समय करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस मृतक का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक के दो बेटे और 2 बेटियां हैं।

मामचारी थाना हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह ने बताया की कैलाश चंद्र माली (46) पुत्र मिश्रा माली निवासी काछीपुरा कृषि कार्य करते समय करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना

पर परिजन झुलसी अवस्था में करौली जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर मामचारी थाना पुलिस पुलिस करौली हॉस्पिटल पहुंची। जहां पुलिस कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया। कृषि कार्य करते समय अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक कृषि कार्य करता था। मृतक के दो बेटी और दो बेटे हैं। मृतक कैलाश के पिता का पहले ही निधन हो गया। मृतक माली समाज के महात्मा ज्योतिबा फूले विकास संस्थान का सक्रिय कार्यकर्ता था। संस्थान अध्यक्ष प्रेम सिंह माली, जिला अध्यक्ष जमना माली व पदाधिकारियों ने कैलाश माली के असमय निधन पर शोक जताया है।

टोंक के अलीगढ़ में 20 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

टोंक, 5 अगस्त (एजेंसियां)। टोंक जिले की अलीगढ़ पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शुक्रवार रात को गश्त के दौरान एक बाइक सवार को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 20 किलो से ज्यादा का गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी से बाइक भी जब्त की है। जब्त किए गए गांजे की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है।

उनियारा डीएसपी रोहित कुमार मीना ने बताया कि अपराधों पर रोकथाम और अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एसपी राजर्षि राज वर्मा ने कड़े निर्देश दे रखे हैं। इसकी पालना में गश्त को प्रभावी बनाया गया है। शुक्रवार रात को अलीगढ़ थाना प्रभारी अयूब खान टीम के साथ गश्त कर रहे थे।

रेप का फरार आरोपी गिरफ्तार: नाबालिग को बंधक बनाकर किया था दुष्कर्म, पुलिस ने गुम्मट चौकी के पास से दबोचा

धौलपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। 5 दिन पूर्व नाबालिग को बंधक बनाकर रेप करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी कंचनपुर थाना पुलिस ने गुम्मट चौकी के पास से गिरफ्तार किया है।

रेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को

गिरफ्तार करने के बाद कंचनपुर थाना प्रभारी योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि 5 दिन पूर्व थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिग के माता-पिता बाड़ी अस्पताल में इलाज के लिए गए थे। इस दौरान रात के वक्त नाबालिग शौच करने के लिए घर से बाहर गई हुई थी। इसी दौरान डोगरपुर गांव के रहने वाले आरोपी सुनील उर्फ छोटू (19) पुत्र जगदीश खेतों के पास ो ही नाबालिग के हाथ पैर बांधकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था।

घटना के बाद पीड़िता के पिता ने थाने में दुष्कर्म का नामजद मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि दुष्कर्म के आरोपी सुनील के गुम्मट चौकी के पास होने की सूचना मिली थी। जिस सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर दिया है। दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है, जिसे शनिवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा।

मणिपुर हिंसा राज्य प्रायोजित : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मणिपुर में हिंसा और अपराध की कड़ी निंदा करते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि हिंसा राज्य प्रायोजित थी और केंद्र और मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार हिंसा को रोकने में विफल रही है। शनिवार को विधान परिषद में आदिवासी कल्याण और पोडु भूमि पट्टों के वितरण पर एक संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए, कविता ने कहा कि भाजपा सरकार ने कुकी और मैतेई के दो जातीय समूहों के बीच दरार पैदा कर दी है और पूरे राज्य को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है। भाजपा ने मणिपुर में दो समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। यह राज्य प्रायोजित हिंसा है। हर किसी को इसकी निंदा करनी चाहिए। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी चुनावी लाभ के लिए 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपना रही है, जबकि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस 'एकजुट और समृद्ध' के आदर्श वाक्य के साथ आगे बढ़ रही है। इस मुद्दे में शामिल होते हुए, कांग्रेस एमएलसी टी जीवन रेड्डी ने राज्य सरकार से मणिपुर में हिंसा की निंदा करते हुए विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। मणिपुर के लोगों को पता होना चाहिए कि तेलंगाना के लोग उनके साथ हैं। हमें एक स्वर से हिंसा की निंदा करने की जरूरत है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने राज्य में शांति लाने में विफलता के लिए मणिपुर सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जिस तरह से चीजें हो रही हैं, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह वास्तव में राज्य प्रायोजित हिंसा थी। बीआरएस सदस्य गोरेती वेंकन्ना ने भी हिंसा को नियंत्रित करने में विफलता के लिए मणिपुर सरकार की आलोचना की। इससे पहले, आदिवासी कल्याण पर बोलते हुए, कविता ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नए वन संरक्षण नियम लाकर अमीर कॉर्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए वन अधिनियमों को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार (पीईएसए) अधिनियम को ठीक से लागू नहीं कर रहा है, जिससे आदिवासी समुदायों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जहां पेसा अधिनियम को अक्षरश: लागू किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र को आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि केंद्र अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत राज्यों को धन जारी नहीं कर रहा है। दूसरी ओर, तेलंगाना सरकार एसटी विशेष विकास निधि (एसटीएसडीएफ) लेकर आई है, जिसके तहत अब तक उसने 91,531 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और आदिवासियों के लिए विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यक्रमों पर 56,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा की श्रावण की सैर आज

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग की श्रावण की सैर रविवार 6 अगस्त को आयोजित होगी। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शाखा के सभी सदस्य परिवार सहित रघुनाथ मल नरेंद्र कुमार गोयल के श्री वेंकटेश्वर फ़ार्म हाउस, चेगुर मण्डल, कोत्तूर के पास उपस्थित रहेंगे। प्रातः 11 बजे अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा 12 बजे से 2 बजे तक महिलाओं द्वारा विभिन्न आयु के सदस्यों हेतु गेम का आयोजन किया जाएगा। तंबोलों का विशेष आयोजन रहेगा 2 बजे से 4 बजे तक साधारण सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमे सभी सदस्यों का आपसी परिचय के साथ अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जाएगा। शाखा की अभी तक की रिपोर्ट मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले द्वारा प्रस्तुत की जाएगी तथा आगे के कार्यक्रम की रूप रेखा का निर्णय लिया जाएगा। शाखा के वरिष्ठ व विशिष्ट सदस्यों का सम्मान किया जाएगा । 6 बजे हाईटी साथ कार्यक्रम का समापन होगा। शाखा के सभी सदस्यों से आग्रह है कि समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने हेतु अपना सहयोग प्रदान करें।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्ति के बाद हैदराबाद पहुंचने पर करीमनगर सांसद बंडी संजय कुमार का स्वागत करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जैन मुकेश चौहान, भाजपा सिकंदराबाद जोन उपाध्यक्ष जैन विजय सुराणा, भाजपा नेता जैन गौतम गांधी , जैन प्रवीण वाणीगोता, भाजपा नेत्री राधिका देशपांडे एवं अन्य।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन में डीईओ की विशेषज्ञता को बढ़ाना : विकास राज

प्रशिक्षण में 33 जिलों के कलेक्टरों ने भाग लिया, पश्चिम बंगाल के सीईओ बहुमूल्य जानकारी साझा की

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) के लिए एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक कदम उठाया है। सीईओ विकास राज ने कहा कि प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं में डीईओ की विशेषज्ञता को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने चुनावों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए डीईओ के कौशल और ज्ञान को निखारने के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित किया।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आईएएस, डॉ. आरिज आफताब ने प्रशिक्षण सत्रों में गहराई और अंतर्दृष्टि जोड़ते हुए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के पहले दिन डीईओ इंटरैक्टिव प्रस्तुतियों में शामिल हुए, जिसमें कानून और व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, व्यवस्थित मतदाता शिक्षा, ई-रोल और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदाता सत्यापन योग्य पेपर की जटिलताओं सहित कई विषयों को शामिल किया गया। ऑडिट ट्रेल (वीपीएटी)। राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स (एनएलएमटी) जयमदेव पी और यू. एन. शुक्ला ने गतिशील शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देते हुए इन सत्रों का नेतृत्व किया। प्रशिक्षण में व्यापक रूप से भेद्यता मानचित्रण, चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था के उपायों की रणनीति बनाना और कर्मियों और प्रक्रिया की कमजोरियों को समझना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय चर्चाओं में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के लिए एक क्षेत्र प्रभुत्व योजना का निर्माण, पर्यवेक्षकों, नामित रिटर्निंग अधिकारियों (डीआरओ) और रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) की भूमिका और जिम्मेदारियां, साथ ही महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन शामिल था। इसके अलावा, प्रशिक्षण में मतदान पूर्व और मतदान के बाद की व्यवस्था, नामांकन अवधि, चुनाव व्यय की निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से जुड़े प्रोटोकॉल पर प्रकाश डाला गया। पूरे कार्यक्रम में नैतिक चुनाव प्रथाओं की आधारशिला, आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन पर जोर दिया गया। अतिरिक्त सीईओ लोकेश कुमार ने भी भाग लिया। अतिरिक्त सीईओ श्री लोकेश कुमार ने भी भाग लिया।

'नानी बाई का मायरा' अटूट श्रद्धा पर आधारित प्रेरणादायी कथा : रामप्रसादजी महाराज

कथा श्रवण के लिए भारी संख्या में उमड़ा जनसैलाब

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ कोलसावाडी, बेगमबाजार के तत्वावधान में श्रावण पुरुषोत्तम मास पर आयोजित नानीबाई का मायरा के दूसरे दिन कथा वाचक पूज्य गुरुदेव महन्त परमहंस श्री 108 श्री रामप्रसादजी महाराज (श्री बड़ारामद्वारा, सूरसागर, जोधपुर) ने अपने प्रवचन के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामप्रसादजी महाराज ने कहा कि नानी बाई रो मायरो अटूट श्रद्धा पर आधारित प्रेरणादायी कथा है। कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान किया जाता है। भगवान को यदि सच्चे मन से याद किया जाए तो वे अपने भक्तों की रक्षा करने स्वयं आते हैं। रामप्रसादजी महाराज ने कथा का झांकियों के साथ विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि नानी बाई रो मायरो की शुरूआत नरसी भगत के जीवन से हुई। नरसी का जन्म गुजरात के जूनागढ़ में आज से 600 साल पूर्व हुमायूं के शासनकाल में हुआ। नरसी जन्म से ही गूंगे-बहरे थे। वो अपनी दादी के पास रहते थे। उनका एक भाई-भाभी भी थे। भाभी का स्वभाव कड़क था। एक संत की कृपा से नरसी की आवाज आ गई तथा उनका बहरापन भी ठीक हो गया। नरसी के माता-पिता गांव की एक महामारी का शिकार हो गए। नरसी का विवाह हुआ लेकिन छोटी उम्र में वह भगवान को प्यारी हो गई। नरसी जी का दूसरा विवाह कराया गया। समय बीतने पर नरसी की लड़की नानीबाई का विवाह अंजार नगर में हुआ। इधर नरसी की भाभी ने उन्हें घर से निकाल दिया। नरसी श्रीकृष्ण के अटूट भक्त थे। वे उन्हीं की भक्ति में लग गए। भगवान शंकर की कृपा से उन्होंने ठाकुर जी के दर्शन किए। उसके बाद तो नरसी ने सांसारिक मोह त्याग दिया और संत बन गए। उधर, नानीबाई ने पुत्री को जन्म दिया और पुत्री विवाह लायक हो गई, किंतु नरसी को कोई खबर नहीं थी। लड़की के विवाह पर ननिहाल की तरफ से भात भरने की रस्म के चलते नरसी को सूचित किया गया। नरसी के पास देने को कुछ नहीं था। उसने भाई-बंधु से मदद की गुहार लगाई किंतु मदद तो दूर कोई भी चलने तक को तैयार नहीं हुआ। अंत में टूटी-फूटी बैलगाड़ी लेकर नरसी खुद ही लड़की के ससुराल के लिए निकल पड़े। आज के मुख्य यजमान लूणारामजी जीतमलजी हनुमानजी कच्छवाहा, अलवाल, सह यजमान रामवल्लभजी भाटी (मामाजी), दैनिक यजमान कृपाराम विकास गहलोत, ताड़बन, बलदेवराम बजरंगलाल भाटी, छगनलाल सत्यनारायण मुकेश सांखला (मिर्चा) रहे। इसी क्रम में आज के प्रसाद यजमान हस्तीमलजी, सागरजी भाटी कांटेदान, हैदराबाद रहे। भारी संख्या में महिला और पुरूष कथा श्रवण के लिए राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ में पहुंचे थे। इस दौरान गौशामहल के विधायक राज सिंह भी कथा स्थल पर पहुंचे और पूज्य गुरुदेव महंत परमहंस श्री 108 श्री रामप्रसादजी महराज का आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम के आयोजक राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ बेगम बाजार के अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी, मंत्री राधाकिशन परिहार, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम टाक हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में माली महिला संगठन की अध्यक्ष अनुरोधा सोलंकी, मंत्राणी सुमन गहलोत, तेलंगाना माली युवा संगम के अध्यक्ष अविनाश देवडा, मंत्री राहुल भाटी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के आयोजन में सहयोगी संस्थाएं न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय संघ (माली समाज), रामजाने सेवा संघ, जय श्री बाबा रामदेव संघ, संत श्री लिखमीदासजी (माली) सेवा समिति, माली युवा सेना, ह्यूमानिटी फ्रेंडस ग्रुप ने सहयोग दिया।

माओवादियों ने दंडकारण्यम-तेलंगाना सीमा पर की सार्वजनिक बैठक

कोत्तागुडेम, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) पार्टी ने 28 जुलाई से 3 अगस्त तक माओवादी शहीद सप्ताह के हिस्से के रूप में 2 और 3 अगस्त को दंडकारण्यम-तेलंगाना की सीमाओं पर एक विशाल सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया है। शनिवार को यहां मीडिया को जारी एक बयान में, माओवादी तेलंगाना राज्य समिति के प्रवक्ता जगन और दक्षिण बस्तर डिवीजन समिति के सचिव गंगाल ने कहा कि 'जनता सरकार' की तीन पंचायतों के लोगों ने स्वेच्छा से बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान मृत माओवादी नेता कटकम सुदर्शन उर्फ आनंद के सम्मान में बने स्मारक का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार और आरएसएस देश में एक फासीवादी हिंदू राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं और देश के लोगों को इसके खिलाफ लड़ना होगा, उन्होंने कहा कि कुकी और मैतेई के बीच जातीय संघर्ष ब्राह्मणवादी हिंदुत्व फासीवादी ताकतों द्वारा मैतेई की समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के बहाने शुरू किया गया था। चैतन्य नाट्य मच एवं जन नाट्य मंडली की ओर से दो दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने बताया कि माओवादी शहीदों के परिवारों को जनता से परिचित कराया गया।

तेलंगाना ने 8 वर्षों में 29 सरकारी मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद, राज्य सरकार ने पिछले आठ वर्षों में 29 सरकारी मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी थी और इनमें से 21 कार्यरत है और आठ स्थापित होने की प्रक्रिया में है। वर्तमान में, राज्य में 56 मेडिकल कॉलेज हैं जिनमें 8,515 एमबीबीएस सीटें (सरकारी और निजी) और 2,890 पीजी सीटें (सरकारी और निजी) हैं। 56 मेडिकल कॉलेजों में से 26 राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेज, एक ईएसआई मेडिकल कॉलेज, एक एम्स और 28 निजी मेडिकल कॉलेज हैं।

राज्य सरकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रति वर्ष सबसे कम 10,000 रुपये की फीस वसूलती है और एक डॉक्टर की शिक्षा व्यय पर लगभग 30 लाख रुपये खर्च करती है। मंत्री ने शनिवार को यहां विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि इसी तरह, एक पीजी डॉक्टर के लिए 45 लाख रुपये और एक सुपर स्पेशलिटी डॉक्टर के लिए 75 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं,100 सीटों और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल वाले एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना में लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत आती है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 150 सीटों और 600 बिस्तरों वाले अस्पताल वाले मेडिकल कॉलेज की लागत लगभग 500 करोड़ रुपये है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना के छात्रों को अन्य राज्यों और विदेशों में चिकित्सा की पढ़ाई करने में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, निजी कॉलेजों के लिए राज्य के छात्रों को 'बी' श्रेणी की सीटें आवंटित करना अनिवार्य कर दिया गया था।

इसके अलावा, आंध्र प्रदेश विभाजन नियमों के अनुसार, पांच मेडिकल कॉलेजों में 15 प्रतिशत सीटें आंध्र प्रदेश को 10 वर्षों के लिए आवंटित की जा रही है। हालांकि, यह खंड तेलंगाना के गठन से पहले स्थापित कॉलेजों के लिए अनिवार्य था और विभाजन के बाद स्थापित कॉलेजों में सीटें केवल तेलंगाना के छात्रों के लिए थीं। एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अल्पसंख्यक कॉलेजों में 60 प्रतिशत सीटें 'ए' श्रेणी की सीटों के रूप में निर्धारित की गई थीं और गैर-अल्पसंख्यक कॉलेजों में यह 50 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि इसके कारण, लगभग 300 मेधावी छात्र चिकित्सा की पढ़ाई करने का अवसर खो रहे हैं और उन्होंने चल रही काउंसलिंग को तुरंत रोकने और मामले का समाधान करने की मांग की। जवाब में, मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जल्द से जल्द एक बैठक बुलाई जाएगी।

साड़ी कारीगरों के साथ जुड़े निफ्ट के छात्र

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अपने क्लस्टर पहल कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) के छात्र नारायणपेट क्लस्टर में स्थानीय कारीगरों के साथ जुड़े। कुशल कारीगरों के मार्गदर्शन में, उन्होंने सूक्ष्म शिल्प कौशल को देखा, इस कालातीत कला के सार को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया। नारायणपेट कॉटन साड़ियाँ तेलंगाना के नारायणपेट शहर में बनाई जाती हैं और इन पर आंध्र और महाराष्ट्र दोनों क्षेत्रों का अलग प्रभाव है। पूर्ववर्ती युगों में, नारायणपेट साड़ियाँ देवताओं को अर्पित की जाती थीं या महाराष्ट्र क्षेत्र में राजघरानों द्वारा पहनी जाती थीं। इन हथकरघा साड़ियों के निर्माण को एक अनोखी प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया गया है जिसमें करघे पर एक बार में आठ साड़ियाँ बनाई जाती हैं। कपड़ा मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में पारंपरिक हथकरघा कारीगरों को सम्मानित कर रहा है और निफ्ट के छात्रों ने नारायणपेट साड़ी क्लस्टर को रोशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट ने की मीटिंग

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की मीटिंग अग्रसेन गार्डन में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया की ट्रस्ट के चेयरमैन चंद्रकांत अग्रवाल एवं अध्यक्ष रमेश कुमार अग्रवाल की अनुपस्थिति में मीटिंग उपाध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल के अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष द्वारा उपस्थित ट्रस्टियों का स्वागत किया गया। पिछली मीटिंग 8 जुलाई 2023 के मिनट पारित किए गए। अग्रसेन गार्डन की उपयोगिता के बारे में विस्तार से चर्चा की गई, जिसमे सर्व सम्मिति द्वारा डायग्नोस्टिक सेंटर तथा मेडिकल क्षेत्र में उपयोग होने वाले डायलिसिस मशीन, सीटी स्कैन मशीन, एमआरआई. मशीन एवं अन्य मशीन लगाने का निर्णय लिया गया। इस कार्य के लिए ट्रस्टी नरेंद्र कुमार गोयल के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया तथा उचित कार्यवाही कर काम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता द्वारा अभी तक का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया। ट्रस्ट की साधारण सभा 10 अगस्त को प्रातः 11 बजे अग्रसेन गार्डन में कराने का निर्णय लिया गया। अग्रसेन गार्डन को 31 दिसंबर तक शादी विवाह या किसी अन्य कार्य हेतु उपयोग में लाने का निर्णय लिया गया। इस मीटिंग में उपाध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी प्रमोद कुमार केडिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता अन्य ट्रस्टी गण में नरेंद्र कुमार गोयल, गोविंद कुमार दोचानिया, गोवर्धन दास अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, सुनील कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत कामगारों का अनिश्चितकालीन आंदोलन तेज

सेलफोन टावर पर चढ़कर किया विरोध-प्रदर्शन

मदनूर, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय ग्राम पंचायत कामगार अपनी मांग को लेकर 31 दिनों से आंदोलनरत है। आज तक तेलंगाना सरकार कामगार के साथ बातचीत नहीं करने से स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कामगारों का समर्थन नहीं कर रहे है। मंडल के ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारी तेलंगाना सरकार का विरोध करने के दौरान कुछ कामगार सेल फोन टावर पर चढ़कर विरोध-प्रदर्शन किया। कामगार प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत व्यवसायियों और बिल कलेक्टरों को सहायक पंचायत सचिव के रूप में विशेष दर्जा दिया जाए और न्यूनतम वेतन 21.500 रुपए दिए जाएं, ग्राम पंचायत में कार्यरत सभी कर्मचारियों को 51 जेवी संशोधित श्रेणियों (क्लीनर, पंप ऑपरेटर इलेक्ट्रीशियन, ट्रैक्टर ड्राइवर) का दर्जा दिया गया है और न्यूनतम वेतन 15,500 रुपए दिए जाए, ग्राम पंचायतों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को ग्राम पंचायत निधि से नहीं बल्कि सीधे सरकार के कर्मचारी खातों में से वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए, ग्राम पंचायत में कार्यरत किसी भी स्टाफ सदस्य की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार के एक सदस्य को रोजगार का अवसर मिले, ग्राम पंचायत में कार्यरत सभी कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा प्रदान करना, बीमा, पी.एफ. ई.एस.आई. सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग कर रहे है। कर्मचारियों का आरोप है कि तेलंगाना सरकार सफाई कामगार के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। कर्मचारियों ने तेलंगाना सरकार विनम्रतापूर्वक मांगे जाने का अनुरोध किया है। टावर पर चढ़े कर्मचारियों को मदनूर एसआई कृष्णा, सरपंच सुरेश ने बामुश्किल समझाया। आखिकार वे कर्मचारियों को टावर से उतरवाने में सफल रहे।

अग्निवीरों के पबली बैच की पासिंग आउट परेड आयोजित

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद और 1 ईएमई सेंटर, सिकंदराबाद ने शनिवार को अग्निवीरों के पहले बैच की पासिंग आउट परेड के अवसर पर पारंपरिक सैन्य राजचिह्न के साथ एक शानदार रूप धारण किया। वर्ष 2022-23 के अग्निवीरों के पहले बैच का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण जनवरी 2023 में शुरू हुआ और अपना उन्नत सैन्य प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, रेजिमेंटल प्रशिक्षण केंद्रों से पास आउट हुए। पासिंग आउट परेड अग्निवीर के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और शानदार घटना है, क्योंकि यह भारतीय सेना में उनके प्रवेश का प्रतीक है। इसका अर्थ कठिन प्रशिक्षण का अंत और "वर्दी में जीवन जो कम सामान्य है" की शुरुआत भी है। अग्निवीर फील्ड आर्मी इकाइयों को रिपोर्ट करेगा। आर्टिलरी सेंटर और 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ने परेड की समीक्षा की और उन अग्निवीरों को पुरस्कार प्रदान किए जो शैक्षणिक, शारीरिक फिटनेस में सर्वश्रेष्ठ और समग्र रूप से योग्यता में सर्वश्रेष्ठ थे। कमांडेंट ने परेड को बिल्कुल प्रभावशाली और शानदार बनाने के लिए अग्निवीरों के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की। कमांडेंटों ने उन्हें देश के सम्मान, सुरक्षा और अखंडता को बनाए रखने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ खुद को समर्पित करने के लिए भी प्रेरित किया। पासिंग आउट परेड को अग्निवीरों के गौरवान्वित माता-पिता ने देखा।

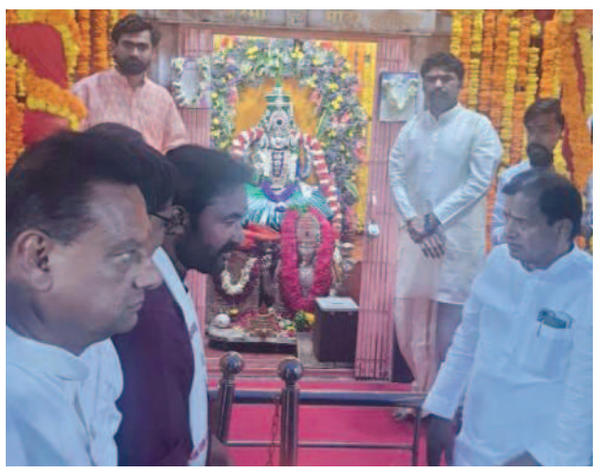

केंद्रीय मंत्री तथा प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज भाग्य लक्ष्मी मंदिर, चारमीनार में श्री लक्ष्मी माता का आशीर्वाद लिया। साथ में हैं पार्षद राकेश जायसवाल, टी. उमा महरंधर, चिंतला रामचंद्र रेड्डी व अन्य।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए आयरलैंड टीम घोषित

गैरेथ डेलानी, फिओन हैंड की वापसी; पहला मुकाबला 18 अगस्त को

मलाहाइड, 5 अगस्त (एजेंसियां)। आयरलैंड ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम आयरलैंड दौरे पर 18 अगस्त से टी-20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी। टीम इंडिया पहले ही टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर चुकी है। आयरलैंड की ICC मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में क्वालिफाई करने के बाद पहली सीरीज है।

गुरूवार को आयरलैंड ने टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम में अनुभवी लेग स्पिनर गैरेथ डेलानी की वापसी हुई है, जो जून में लगी कलाई की चोट के कारण टीम से बाहर बाहर चल रहे थे। 25 साल ऑलराउंडर फिओन हैंड भी वापसी कररहे हैं, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में अपना टी-20 डेब्यू किया था और इस साल जून में अपना पहला टेस्ट खेला था।

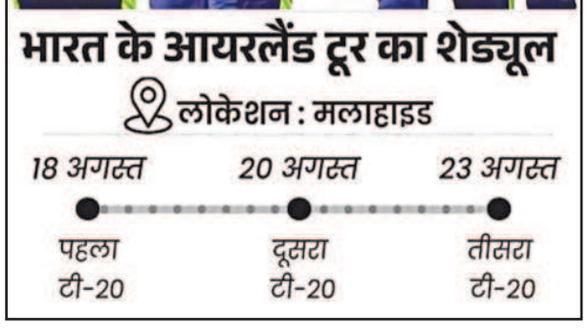

इस सीरीज में टीम की कप्तानी पॉल स्टर्लिंग को सौंपी गई है।

भारत के खिलाफ आयरलैंड टीम

पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

द्रविड़ आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे, लक्ष्मण कोच होंगे

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ को आयरलैंड दौरे से आराम दिया जाएगा। द्रविड़ के साथ बैटिंग और बॉलिंग कोच भी आयरलैंड नहीं जाएंगे। इनकी जगह एनसीए मेंबर्स टीम इंडिया के साथ कोचिंग स्टाफ के रूप में रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीवीएस लक्ष्मण आयरलैंड दौरे पर हेड कोच रहेंगे।

रोहित, कोहली, पंड्या जैसे सीनियर्स को आराम

भारतीय सिलेक्टर्स ने आयरलैंड दौरे के लिए कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या जैसे लगभग सभी सीनियर्स को आराम दिया है, जबकि तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा जैसे IPL स्टार्स को टीम में मौका दिया गया है। इन सभी ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था।

'भारत में पाकिस्तान की टीम के लिए बनेंगे गेम चेंजर...'

वकार यूनिस ने बताए 4 खिलाड़ियों के नाम

इस्लामाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान का मैच 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में प्रस्तावित है। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान वकार यूनिस ने भी इसे लेकर अपने विचार रखे हैं।

भारत में इस साल होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप को लेकर दुनियाभर की टीमें तैयारियों में जुटी हैं। भारत-पाकिस्तान का मैच 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में प्रस्तावित है। इस मैच से पहले क्रिकेट के दिग्गज अपनी-अपनी भविष्यवाणियां कर रहे हैं। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान वकार यूनिस ने भी इसे लेकर अपने विचार रखे हैं। यूनिस ने कहा- हाई-वोल्टेज मुकाबले में मैच का दबाव कभी भी बड़ी चिंता नहीं थी। हमारे समय में प्रैशर इतनी बड़ी चिंता नहीं थी जितनी अभी लगती है।

तीन गुना होगा दबाव

यूनिस ने कहा- जब भी आप उनके साथ खेलेंगे दबाव तीन गुना होगा। दबाव हमेशा अधिक होता है, लेकिन शायद हमारे समय में यह तुलनात्मक रूप से कम था क्योंकि हम अपने शुरुआती दिनों में बहुत क्रिकेट खेलते थे। फिर भी इन दिनों खिलाड़ी दबाव को निश्चित रूप से बेहतर तरीके से संभाल रहे हैं। ये मैच विनर हमें गेम जिताएंगे।

बाबर, शाहीन, फखर और इमाम कर सकते हैं कमाल

यूनिस ने आगे कहा- पाकिस्तानी टीम ने हाल के दिनों में दबाव को बेहतर तरीके से संभाला है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां खेलते हैं। चाहे भारत या पाकिस्तान में, अगर आपका प्रॉसेस कंट्रोल में है और आप अपने स्किल्स और प्लांस को लागू करते हैं तो मुझे नहीं लगता कि हमें कोई समस्या है।

हमारे पास मैच विजेता हैं, हमारे पास ऐसे व्यक्ति हैं जो अकेले दम पर आपको मैच जिता सकते हैं। जिसमें खुद बाबर भी शामिल हैं। शाहीन अफरीदी और फखर जमां चमत्कार कर सकते हैं। मैंने इमाम को भी शानदार पारियां खेलते देखा है। इसलिए मुझे लगता है कि ये पाकिस्तान के लिए गेम चेंजर बनेंगे।

ऋषभ पंत पर आया सबसे बड़ा अपडेट, थाम लिया बल्ला

नेट्स में कर रहे तूफानी गेंदों का सामना

मलाहाइड, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ऋषभ पंत को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फैंस ऋषभ पंत को दोबारा मैदान में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कार एक्सीडेंट के बाद अपनी चोट से उबर रहे पंत ने नेट्स में अभ्यास करना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंत नेट्स में तेज गेंदों का सामना कर रहे हैं।

140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की गेंदों का सामना कर रहे पंत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंत नेट्स में 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की गेंदों का सामना कर रहे हैं। फिलहाल वह एनसीए में बीसीसीआई के मेडिकल टीम की देखरेख में एक-एक स्टेप आगे बढ़ रहे हैं। बल्लेबाजी के आलावा पंत विकेटकीपिंग का भी अभ्यास कर रहे हैं। टीम में उनकी वापसी कब होगी इसपर अभी भी संस्पेंस बरकरार है।

विकेटकीपिंग की ड्रील में आ रही दिक्क्त

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि तेज गेंदों का सामना करने में पंत को कोई दिक्कत नहीं हो रही है। हालांकि विकेटकीपिंग की तीव्रता को कम रखा गया है। पंत अभी छोटे-छोटे मूवमेंट के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन बड़े मूवमेंट अभी उनके लिए आसान नहीं है। मेडिकल स्टाफ और प्रशिक्षकों का मानना है कि अगले कुछ महीनों मे पंत बड़े मूवमेंट में सहज हो जाएंगे।

पंत का हुआ था एक्सिडेंट

पंत की वापसी वर्ल्ड कप तक होगी ऐसा संभव नहीं लग रहा है। उनकी रिकवरी तेजी से हो रही है, लेकिन मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जल्दी नहीं करना चाहता। जिस तरह से वह अपनी रिकवरी में हर बाधा को पार कर रहे हैं उससे सभी खुश हैं।

बता दें कि पंत न्यू ईयर के एक दिन पहले खुद गाड़ी चलाकर अपने घर जा रहे थे। रुड़की से पहले उनकी कार का एक्सिडेंट हो गया।

ज्योति याराजी का चीन में धमाल

यूनिवर्सिटी गेम्स के 100 मीटर बाधा दौड़ में जीता कांस्य

मलाहाइड, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की सर्वश्रेष्ठ 100 मीटर बाधा दौड़ धावक ज्योति याराजी ने चीन के चेंगदू में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में कांस्य पदक जीतकर एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है। यूनिवर्सिटी गेम्स की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में यह देश का पहला पदक है। ज्योति ने 13 सेकंड से कम 100 मीटर बाधा दौड़ रिकॉर्ड करने वाली देश की एकमात्र महिला हैं, जिन्होंने 9वीं बार 12.78 सेकेंड के शानदार समय के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। स्लोवाकिया की विक्टोरिया फोर्स्टर ने 12.72 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की यानि वू ने 12.76 सेकेंड के साथ रजत पदक जीता। ज्योति इस सीज़न में ज़बरदस्त फॉर्म में है जिसमें अब तक सात मौकों पर सब-13 रेस में जीत हासिल की है। अपनी एशियाई जीत के बाद, आंध्र

की एथलीट ने स्पष्ट कर दिया था कि वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं और 12.70 से कम क्षेत्र में समय का लक्ष्य रखेंगी। धावक अमलान बोरगोहेन जो पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे थे, का भी चेंग्दू में यादगार प्रदर्शन रहा क्योंकि उन्होंने 200 मीटर में कांस्य पदक के लिए 20.55 सेकेंड का समय निकाला। उनका कांस्य जीतने का प्रयास पिछले साल फेडरेशन गेम्स में स्थापित उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड चिह्न से केवल 0.03 सेकेंड कम था।

डूरंड कप-2023 के उद्घाटन समारोह में बोले राजनाथ सिंह

फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है

गुवाहाटी, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'खेल हो या समाज या राष्ट्र, इसमें नियम बहुत जरूरी हैं और इन्हें बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक सच्चा खिलाड़ी और एक सच्चा नागरिक वह है जो खेल और समाज के नियमों के अनुसार अपना कर्तव्य निभाता है।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को असम के कोकराझार में डूरंड-कप 2023 के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मैंने सुना था कि भारत का पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र फुटबॉल के प्रति अपने उत्साह के

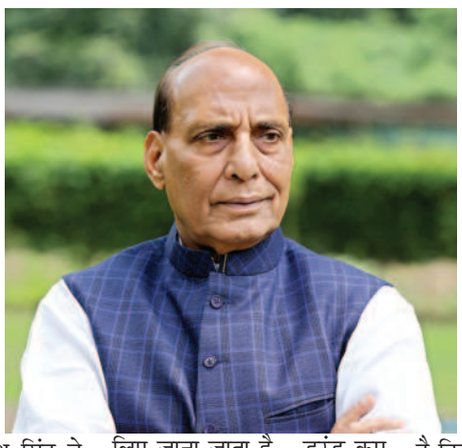

लिए जाना जाता है... डूरंड कप को लेकर मैं सभी के बीच जो उत्साह देख रहा हूं, उसने मुझे भरोसा दिलाया है कि पूर्वोत्तर के लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता फुटबॉल के माध्यम से है। फुटबॉल के लिए यह जुनून भारत में बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि एक भावना है... 1970 के दशक में नाइजीरिया में गृह युद्ध छिड़ा। उस युद्ध में हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, और माहौल बेहद तनावपूर्ण था। लेकिन जब ब्राजील के खिलाड़ी पेले वहां एक दोस्ताना मैच खेलने पहुंचे तो कहा जाता है कि 48 घंटे तक देश में शांति रही। जरा कल्पना कीजिए कि फुटबॉल ने चमत्कारी तरीके से स्थिति को कैसे सामान्य किया ... इसका मतलब केवल यह है कि फुटबॉल शांति का खेल है और जो लोगों को एकजुट करता है।'

बार-बार क्यों चोटिल हो जाते हैं जसप्रीत बुमराह? ग्लेन मैक्ग्रा ने खोला राज

कैनबरा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्टार बॉलर रहे ग्लेन मैक्ग्रा ने जसप्रीत बुमराह की इंजरी पर बड़ा बयान दिया है।

टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इन दिनों चर्चा में हैं। वह आयरलैंड दौरे से टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। उन्हें इस दौरे के लिए कप्तानी भी सौंपी गई है। पिछले 1 साल से यह दिग्गज क्रिकेट मैदान से दूर है। बुमराह को चोट हमेशा से परेशान करती रही है। आखिर क्यों ये खिलाड़ी बार-बार चोटिल हो जाता है? इसका खुलासा ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज रहे ग्लेन मैक्ग्रा ने किया है। उन्होंने बुमराह को एक खास टिप्स भी दिया।

ग्लेन मैक्ग्रा के अनुसार, जसप्रीत बुमराह का गेंदबाजी एक्शन ऐसा है कि उनके शरीर पर उसका काफी ज्यादा भार पड़ जाता है, इसी वजह से उनके चोटिल होने की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। मैक्ग्रा ने सलाह दी है कि बुमराह को अगर कुछ और साथ क्रिकेट खेलना है तो उन्हें मजबूत होना पड़ेगा।

आखिर क्यों बार-बार चोटिल होते हैं बुमराह?

स्पोर्टस्टार से बातचीत के दौरान ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा बुमराह एक अलग तरह के जबरदस्त गेंदबाज हैं। जिस तरीके से वो गेंदबाजी करते हैं, उनका रन-अप और गेंद फेंकने का तरीका काफी यूनिक है। उनके एक्शन से बॉडी पर असर ज्यादा होता है। जो चोट का कारण बनाता है। इसलिए बुमराह को मजबूत होने की जरूरत है। अगर वो ऐसा करते हैं तो कुछ सालों तक भारत के लिए खेल सकते हैं।

बुमराह जैसे गेंदबाज को तीनों फॉर्मेट में खेलना मुश्किल

ग्लेन मैक्ग्रा ने आगे कहा कि मौजूदा स्थिति में जिस तरह का इंटरनेशनल शेड्यूल होता है और आईपीएल और टी20 टूर्नामेंट्स भी होते हैं, इसकी वजह से बुमराह जैसे गेंदबाजों का तीनों ही फॉर्मेट्स में खेलना मुश्किल हो जाता है। हालांकि कुछ गेंदबाज ऐसा करने में सक्षम हैं।

पीठ की चोट से परेशान रहे हैं बुमराह

आपको बता दें कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण सितंबर 2022 से ही क्रिकेट मैदान से दूर हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भी वह टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे। हाल में उन्होंने न्यूजीलैंड में पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी कराई थी, जो सफल रही। अब आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उन्हें कप्तान बनाया गया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी: भारत-जापान मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

हरमनप्रीत ने दागा भारत के लिए इकलौता गोल

चैन्नई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के अपने दूसरे मैच में मौजूदा चैंपियन जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

इस ड्रॉ के साथ, भारत पॉइंटस टेबल में दो मैचों में चार पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है।

भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (43') ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया, जबकि केन नागायोशी (28') ने जापान के लिए गोल किया।

भारत ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपनाया जबकि वर्ल्ड रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद जापान ने डिफेंस बरकरार रखने की कोशिश की। भारत ने गुरुवार को अपने पहले मैच में चीन को 7-2 से हराया था।

भारत रविवार को मलेशिया के खिलाफ तीसरा मुकाबला खेलेगा।

पहले क्वार्टर से ही भारत ने अटैकिंग गेम खेला

पहले क्वार्टर ने भारत ने अटैकिंग गेम खेला। लेकिन, एक

भी गोल नहीं आया। पेनल्टी कार्नर पर कजापन का डिफेंस शानदार रहा। भारत ने पहले क्वार्टर में तीन कॉर्नर खेले, लेकिन एक में भी सफलता नहीं मिली।

दूसरे क्वार्टर में आया गोल

दूसरे क्वार्टर में भारत ने अटैकिंग गेम जारी रखा। लेकिन, जापान ने डिफेंस मजबूत रखा। जापान ने दूसरे क्वार्ट के आखिरी मिनट में पहला गोल किया। दूसरे क्वार्टर के खत्म होने से दो मिनट पहले केन नागायोशी ने पेनल्टी कॉर्नर से बॉल को भारतीय नेट में डाल दिया। इससे जापान को 1-0 की बढ़त मिल गई।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई

एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने जापान पर दबाव डाला और आखिर में गोल हासिल कर लिया। पेनल्टी कॉर्नर पर भारतीय हॉकी टीम ने बराबरी हासिल की। हरमनप्रीत सिंह ने अपना शानदार स्कोरिंग फॉर्म जारी रखा और स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरा क्वार्टर 1-1 की स्कोर लाइन के साथ खत्म हुआ।

आखिरी क्वार्टर में नहीं आया गोल

चौथे और आखिरी क्वार्टर में जापान ने डिफेंस लाइन पूरी तरह मजबूत कर ली। जापान ड्रॉ खेलना चाहता था, जबकि भारत जीत की तलाश में अटैक करता रहा। हालांकि, टीम बढ़त लेने में नाकाम रही।

दोनों टीमों का लाइनअप

भारतः पीआर श्रीजेश(गोलकीपर), वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, नीलकंठ शर्मा, आकाशदीप सिंह।

जापानः ताकाशी योशिकावा (गोलकीपर), शोता यामादा, सेरेन तनाका, केंटारो फुकुदा, ताकी ताकाडे, युमा नागाई, मनाबू यामाशिता, रायकी फुजीशिमा, रयोसी काटो, मसाकी ओहाशी, काइतो तनाका।

पहले मैच में भारत की एकतरफा जीत

भारत ने चेन्नई में पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन को 7-2 से हराकर अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वरुण कुमार ने दो-दो गोल किए, जबकि सुखजीत सिंह, आकाशदीप सिंह और मनदीप सिंह ने एक-एक गोल किया।

एशिया की छह शीर्ष टीमें हिस्सा ले रही है

इस टूर्नामेंट में एशिया की छह टॉप टीमें (भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान) हिस्सा ले रहे है। सिंगल-लेग राउंड-रॉबिन लीग स्टेज के आखिरी में टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 12 अगस्त को खेला जाएगा।

इंग्लिश क्रिकेटर एलेक्स हेल्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया

2022 का टी-20 वर्ल्ड कप जीता था; फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं

लंदन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेटर एलेक्स हेल्स ने 34 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। हेल्स ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेला था।हेल्स पिछले 9 महीनों से इंग्लैंड के साथ कॉन्ट्रैक्ट को ले कर संशय में बने हुए थे। वह फ्रेंचाइज क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट के बीच तालमेल नहीं बैठा पा रहे थे। इस कारण उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले कर फ्रेंचाइज क्रिकेट पर फोकस करने का सोचा।

हेल्स ने पीएसएल के साथ किए

कॉन्ट्रैक्ट को पूरा करने के लिए, इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल को ठुकरा दिया था। इस कारण उन्हें इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी इंटरनेशनल मैच देना बंद कर दिया था। वह कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी सीपीएल के साथ एग्रीमेंट में थे। इस कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा।

चार साल पहले आखिरी बार 50 ओवर का क्रिकेट खेलने के बाद, हेल्स कभी भी इस साल के विश्व कप के लिए दावेदार नहीं थे। अगर हेल्स खेलना जारी रखते तो उन्हें 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में जगह मिल सकती थी। हालांकि, उनके रिटायरमेंट ने विल जैक और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ियों के लिए टीम में दरवाजे खोल दिए है।

जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद हेल्स ने पिछले सितंबर में इंग्लैंड नेशनल टीम में वापसी की थी। उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और टी20 वर्ल्ड कप के अपने दौरों में 30.71 के औसत और 145.27 के स्ट्राइक रेट के साथ 15 टी-20 मैच खेले।

स्टुअर्ट ब्रॉड : टी-20 में एक ओवर में 6 छक्के खाए

600 टेस्ट विकेट के बाद संन्यास लिया

लंदनm 5 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 1 अगस्त को अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह ऐशेज टेस्ट 37 साल के ब्रॉड के लिए किसी सपने से कम नहीं रहा। उन्होंने बैटिंग में करियर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाया और बॉलिंग में आखिरी गेंद पर विकेट लिया। ब्रॉड के इस विकेट के साथ ही इंग्लैंड ने ऐशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में जीत हासिल की।

ब्रॉड ने 604 टेस्ट विकेट के साथ अपना करियर खत्म किया। उन्हीं के टीम मेट जेम्स एंडरसन के अलावा दुनिया के किसी अन्य

तेज गेंदबाज ने टेस्ट में इतने विकेट नहीं लिए हैं। ये नंबर बताते हैं कि ब्रॉड का करियर एक फेयरी टेल (परी कथा) जैसा रहा होगा। जिस मुकाम पर उन्होंने क्रिकेट को छोड़ा है वहां से यह बिल्कुल एक फेयरी टेल ही लगता है। लेकिन, इसी करियर का शुरुआती दौर कतई अच्छा नहीं रहा था।

वनडे वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में भी ब्रॉड को मौका मिला। यहां भारत के खिलाफ मैच में उन्होंने अपने 3 ओवर तक 24 ही रन दिए थे। 18 ओवर तक टीम इंडिया ने 171 रन बना लिए, इसी ओवर में युवराज सिंह की इंग्लैंड के बॉलर एंड्रयू फ्लिंटॉफ से बहस हो गई। युवराज ने फ्लिंटॉफ का गुस्सा अगले ओवर में ब्रॉड पर निकाला और उनके ओवर की 6 गेंदों पर 6 लगातार छक्के लगा दिए। एक समय 3 ओवर में 24 रन दे चुके ब्रॉड ने अपना 4 ओवर का स्पेल 60 रन देकर खत्म किया। टीम इंडिया ने 218 रन का स्कोर खड़ा किया और 18 रन से मैच भी जीत लिया।

सड़क पर उतरे टीएसआरटीसी कर्मचारी, ठप रहा यातायात

विलय विधेयक को मंजूरी देने की मांग की, राज्यपाल ने कर्मचारी नेताओं से की बातचीत

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न मजदूर यूनियनों के हजारों सदस्यों और टीएसआरटीसी के कर्मचारियों ने शनिवार को राजभवन तक विरोध रैली निकाली और टीएसआरटीसी विलय विधेयक को राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन की मंजूरी देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों में सैकड़ों महिला आरटीसी कर्मचारी भी शामिल थी। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर रहे थे। पीवीएनआर मार्ग से राजभवन की ओर मार्च किया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए राजभवन में भारी पुलिस तैनाती की गई थी। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल से मिलने और अपने अनुरोध रखने की योजना बनाई, लेकिन राज्यपाल उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने प्रतिनिधियों से एक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कर्मचारी नेताओं से मामले पर चर्चा की। रैली के कारण पीवीएनआर मार्ग, खैरताबाद फ्लाईओवर पर यातायात रुक गया। कई घंटों से बसों का संचालन बंद होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच, सुबह नौ बजे के आसपास डिपो से कई बसें चलनी शुरू हो गईं। उधर, राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने आरटीसी कर्मचारियों के विरोध के बारे में ट्वीट करते हुए आरटीसी (सड़क परिवहन निगम) कर्मचारियों द्वारा की जा रही हड़ताल के लिए अपनी गहरी चिंता और सहानुभूति व्यक्त की। यह हड़ताल राजभवन में लंबित आरटीसी बिल के जवाब में थी, जिससे आम जनता को असुविधा हुई। परेशानी के वास्तविक एहसास के साथ, तमिलिसाई ने अपनी भावनाओं से अवगत कराते हुए कहा कि हड़ताल के कारण जनता को होने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकर उन्हें दुख हुआ है।

चुनौतियों के बावजूद, वह आरटीसी कर्मचारियों को आश्वस्त करना चाहती थीं कि वे अपने संघर्ष में अकेले नहीं हैं। दरअसल, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह पिछली हड़तालों के दौरान भी उनका समर्थन करती रही हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''मुझे यह जानकर दुख हुआ कि आरटीसी कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल से आम जनता को असुविधा हो रही है...मैं बताना चाहती हूं कि मैं हमेशा उनके साथ हूं, यहां तक कि पिछली हड़ताल के दौरान भी मैं उनके साथ थी...अब भी मैं बिल का अध्ययन कर रही हूं।'' यह सावधानी से किया जाना चाहिए,क्योंकि उनके अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।"

बांस के सहारे ग्रामीण पार कर रहे हैं नदी

अमरावती, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्रप्रदेश के मान्यम जिले के रेब्बा गांव में सात साल की एक बच्ची बीमार पड़ गई। परिवार के सदस्यों का बांस की बनी नाव पर सवार होकर नागावली नदी पार की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मान्यम जिले के लोग अस्पताल पहुंचने के लिए बांस से नदी पार करते हैं। नागरिकों का कहना है कि हमारे देश में, जिसके पास चंद्रमा पर उपग्रह भेजने की पर्याप्त तकनीक है, कई जगहों पर अस्पतालों तक जाने के लिए सड़कें नहीं हैं। सबसे दुर्गम इलाकों में छोटी नावें और राफ्ट अभी भी झरनों और मोड़ों तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता हैं। इसका उदाहरण मान्यम जिले में हुई घटना है। पार्वतीपुरम मान्यम जिले के कुरुपम निर्वाचन क्षेत्र के कोमारदा मंडल के चोलपथम पंचायत के अंतर्गत रेब्बा गांव में एक सात वर्षीय बच्चा बीमार पड़ गया। अस्पताल जाने के लिए सड़क नहीं है। हमें नागावली नदी पार करनी है, तो कुछ युवाओं ने बांस की लकड़ियों से एक बेड़ा बनाया। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार की। पिता और माँ बहती नदी में लड़की के पास बैठे थे। फिलहाल इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डॉ. हर्षा भार्गवी को डॉ. सीवीएनआर-पीआरएसआई का सर्वश्रेष्ठ पीआर मैनेजर पुरस्कार

दक्षिण मध्य रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी के. राजेश को विशेष प्रशंसा पुरस्कार

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली की सहायक निदेशक (पीआर) डॉ. पी. हर्षा भार्गवी ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार ''डॉ. सीवीएनआर-पीआरएसआई बेस्ट पीआर मैनेजर ऑफ द ईयर 2023'' जीता है, जबकि दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ), के. राजेश ने को विशेष प्रशंसा पुरस्कार मिला।

सीवीएनपीआर फाउंडेशन और पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में छह सदस्यीय राष्ट्रीय जूरी के फैसले की घोषणा की। "तेलंगाना के सूचना और जनसंपर्क विभाग से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत डॉ. हर्षा के क्षेत्र में योगदान ने उन्हें इस वर्ष के पुरस्कार का स्पष्ट विजेता बना दिया। शैक्षणिक उपलब्धियाँ, फाउंडेशन सचिव सी.रविंदर रेड्डी और पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस. रामू ने कहा कि संचार और पत्रकारिता में पीएचडी, डॉ. हर्षा ने अपने सक्रिय पेशेवर के साथ अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। जूरी समिति के सदस्य-संयोजक वाई

बाबजी ने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे के राजेश ने भी अपने उल्लेखनीय योगदान से जूरी को प्रभावित किया, जिसके लिए उन्हें विशेष सराहना मिली है। तेलगाना के वित्त मंत्री टी. हरीश राव पीआर शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में रविवार 6 अगस्त, 2023 को आयोजित एक समारोह में पुरस्कार प्रदान करने जा रहे हैं। राजदूत राजशेखर, आईएफएस, पी. अशोक रेड्डी, आईएएस, आई और पीआर विशेष आयुक्त, डॉ. अजीत पाठक, पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति, तेलंगाना सरकार के सलाहकार डॉ. केवी रमणाचारी की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे हैं। तेलंगाना के एक प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ हेमंत

सत्यनारायण पीआर पर एआई के प्रभाव पर एक व्याख्यान देने जा रहे हैं। पीआर शिक्षकों, अकादमिक परामर्शदाताओं और मेधावी छात्रों को उनकी सेवाओं के सम्मान में सम्मानित भी किया जाएगा। पुरस्कार विजेताओं में सर्वश्रेष्ठ पीआर शिक्षक प्रोफेसर टी त्रिपुरा सुंदरी, महिला विश्वविद्यालय, तिरूपति, प्रोफेसर एस अरुलचेलवन, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, प्रोफेसर जी अनीता, नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, प्रोफेसर भासाके अंबादास लक्ष्मण, सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर और सर्वश्रेष्ठ पीआर परामर्शदाता सीएच रमाकांत शर्मा, तिरूपति, श्रीमती शोभा प्रकाश धन्वते, नागपुर शामिल है।

होमगार्ड के परिवार को मिला मुआवजा, डीजीपी ने सौंपा 30 लाख का चेक

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमार ने होमगार्ड स्वर्गीय मज्जी गोविंदा राव की पत्नी एम उमा देवी को 30 लाख रुपये का चेक सौंपा। मानवीय संवेदना के रूप में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), अंजनी कुमार ने शनिवार को तेलंगाना के होमगार्ड के दिवंगत मज्जी गोविंदा राव की पत्नी एम उमा देवी को मुआवजे के रूप में 30 लाख रुपये का चेक दिया। बीती 4 मई, 2023 को हुई एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। इस अवसर पर बोलते हुए, अंजनी कुमार ने कहा, हम जानते हैं कि किसी प्रियजन के नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता है। हालाँकि, हम उचित वित्तीय पैकेज के माध्यम से परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के साथ वेतन खाता गठजोड़ इसकी सुविधा प्रदान करता है।'' अपना समर्थन देने के लिए अभिलाषा बिष्ट, अतिरिक्त महानिदेशक कल्याण और अंबर किशोर झा, डीआइजी होम गार्ड्स उपस्थित थे। यह मुआवजा एचडीएफसी बैंक के साथ वेतन खाता पैकेज समझौते से संभव हुआ, जिसका प्रतिनिधित्व शाखा बैंकिंग प्रमुख तरुण चौधरी, जोनल प्रमुख जोस स्टीफन, जोनल प्रमुख राजीव कुमार और क्षेत्र प्रमुख के

आरटीसी एसडीआई बापू का दिल का दौरा पड़ने से निधन

कुमरम भीम आसिफाबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद आरटीसी डिपो में सेफ्टी ड्राइविंग इंस्पेक्टर एसडीआई के पद पर कार्यरत शहर के ब्राह्मणवाड़ा कॉलोनी के बूसी बापू (50) की शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। सुबह आरटीसी डिपो के गेट के सामने अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ एक आंदोलन कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, सीने में दर्द और पूरे शरीर में पसीना आने के कारण वह स्थानीय सरकारी अस्पताल गए। प्रारंभिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए कागजनगर रेफर कर दिया। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। बूसी बापू ने पहले आरटीसी श्रमिक संघ के नेता के रूप में कार्य किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बहादुरपुरा पुलिस ने चोरों को पकड़ा, चोरी माल बरामद

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बहादुरपुरा पुलिस ने शनिवार को कई मामलों में शामिल दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया और 10 ग्राम वजन के सोने के गहने तथा 1.4 लाख रुपये नकद बरामद किए। गिरफ्तार किए गए सेल्समैन ठाकुर उदय सिंह (23), तैराकी कोच सैयद शोएब अहमद (20) दोनों दोस्त है और किशनबाग के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, उदय सिंह 2021 में बलात्कार और चोरी के मामलों में भी शामिल था और बाद में उसे जेल भी हुई थी। जेल से छूटने के बाद वह शोएब के साथ मिलकर घरों में चोरियां करता रहा।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "उन्होंने आलीशान आवासीय कॉलोनियों की रेकी की और बंद घरों की पहचान की और उनमें चोरी की।" हाल ही में, वे बहादुरपुरा में एक घर में घुस गए और 1.4 लाख रुपये नकद और 10 ग्राम वजन के सोने के गहने ले गए। गुप्त सूचना के आधार पर दोनों को पकड़ लिया गया और चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली गई।

सरकारी स्कूल की छात्राओं ने विधान परिषद की कार्यवाही देखी

बीआरएस एमएलसी कविता से की मुलाकात

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी हाई स्कूल, बंजारा हिल्स की कक्षा 10 की लगभग आठ छात्राओं ने शनिवार को राज्य विधान परिषद की कार्यवाही देखी। छात्रों ने बीआरएस एमएलसी के कविता से भी मुलाकात की और उनके साथ बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। कविता ने छात्रों को परिषद की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी और सदन के बारे में कुछ बहुमूल्य जानकारी साझा की।

कविता उन्हें परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी के कक्ष में भी ले गईं, जहां उन्होंने उनके साथ बातचीत की। छात्र अपने अनुभव से बहुत खुश थे और उन्होंने परिषद परिसर में बिताए हर पल का आनंद लिया। बाद में, कविता ने ट्विटर पर स्कूल के छात्रों के

साथ अपनी बातचीत के बारे में साझा करते हुए कहा: गवर्नमेंट हाई स्कूल के कुछ युवा लोग आज परिषद में मेरे साथ शामिल हुए।

परिषद में विधायी प्रक्रिया को छात्रों की आंखों से देखना हमें याद दिलाता है कि हम जो करते हैं वह क्यों करते हैं। हमारे युवाओं का जुनून और जिज्ञासा हमें बेहतर कल की आशा देती है। आइए राजनीति, सार्वजनिक सेवा और नागरिक भावना में उनकी रुचि को बढ़ावा देते रहें।

जीएचएमसी परिधि में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने का काम जारी : विजयलक्ष्मी

महापौर ने किया बंजारा हिल्स में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर विजयलक्ष्मी गदवाल ने कहा कि बंजारा हिल्स में सभी कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाना चाहिए। शनिवार को महापौर ने बंजारा हिल्स के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर विकास कार्यों की जांच की। उन्होंने बंजारा हिल्स क्षेत्र में 10 करोड़ 72 लाख रुपये की अनुमानित लागत से किए गए बुनियादी ढांचे के कार्यों निरीक्षण किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि जीएचएमसी के भीतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कई प्रयास किए गए हैं और लोगों की जरूरतों को पहचाना गया है और सड़कों, समारोह हॉल, कब्रगाह और पेयजल जैसे कार्यों के लिए धन स्वीकृत किया गया है। अधिकारियों को युद्धस्तर पर काम पूरा करने का आदेश

दिया गया। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर, अंडरपास और आरओबी पूरे हो चुके हैं जबकि एएसआरडीपी द्वारा 48 कार्य किए गए हैं। इंदिरा पार्क से वीएसटी तक स्टील ब्रिज 450 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। इसकी घोषणा शहरी विकास मंत्री केटीआर ने की थी। उन्होंने कहा कि इस ब्रिज से इंदिरा पार्क से अशोक नगर, आरटीसी क्रॉस रोड, वीएसटी उस्मानिया यूनिवर्सिटी तक कम से कम समय में जाया जा सकता है। बंजारा हिल्स रोड नंबर 13 में उन्होंने कहा कि 200 लाख रुपए की लागत से ग्रेव यार्ड प्रवेश द्वार, (एंट्रेंस प्लाजा) शौचालय एवं बर्निंग प्लेटफार्म का निर्माण कार्य कराया जायेगा। एनबीटी नगर खेल परिसर निर्माण कार्य 590 लाख रुपये की लागत से, 75 लाख रुपये से करमपुड़ी बस्ती पुलिया कार्य, श्रीराम नगर सामुदायिक भवन, अम्बेडकर नगर सामुदायिक भवन के साथ 205 लाख रुप की अनुमानित लागत से होने वाले प्रेमनगर नाले के कार्यों का महापौर ने निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में जोनल कमिश्नर वेंकटेश दोत्रे, एसई रत्नाकर, डिप्टी कमिश्नर प्रशांति, ईई व अन्य शामिल हुए।

चंद्रबाबू की चित्तूर यात्रा के दौरान आगजनी-पथराव के आरोप में 50 लोग गिरफ्तार

चित्तूर, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की चित्तूर जिले की यात्रा के दौरान पथराव और आगजनी करने के आरोप में लगभग 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अलावा, दंगों में शामिल 200 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। पुलिस हिंसा में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। नायडू की शुक्रवार की यात्रा के दौरान पथराव और आगजनी में कम से कम 20 पुलिसकर्मी और विपक्षी दल टीडीपी (टीडीपी) के साथ-साथ सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी (वाईएसआरसीपी) के कई समर्थक घायल हो गये थे। चित्तूर जिले के पुलिस अधीक्षक वाई रिशांत रेड्डी ने बताया, हमारे पास वीडियो फुटेज है और हम 150 से 200 लोगों को और पकड़े जाने की उम्मीद कर रहे हैं। हमने जिले के भीतर और आंध्र प्रदेश विशेष पुलिस (एपीएसपी) से अतिरिक्त बल के 300 पुलिसकर्मियों को पूरे जिले में तैनात किया है। उन्होंने कहा, हमने उन सभी लोगों को पकड़ लिया है जिन्होंने महिला पुलिसकर्मियों समेत पुलिसकर्मियों पर पत्थरों, बीयर की बोतलों, लाठियों और अन्य वस्तुओं से हमला किया था।

उन्होंने कहा कि हांलाकि स्थिति अब नियंत्रण में है और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू करने की कोई जरूरत नहीं है। पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग टीडीपी से जुड़े हैं। पुलिस ने कहा कि नायडू की रैली के आयोजकों ने पुंगनूर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं ली थी।

उन्होंने कहा कि कम से कम 400 कर्मियों को बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात किया गया था। पुलिस ने कहा कि जब टीडीपी समर्थकों को पुलिस ने शहर में प्रवेश करने की कोशिश करने से रोका तो उन्होंने कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। संयोग से, पहले अन्नामय्या जिले के मदनपल्ले में एक झड़प की सूचना मिली थी, जिसने नायडू की रैली के पुंगनूर पहुंचने से पहले दंगे को भड़काने का काम किया। पुलिस ने कहा कि दंगों में कम से कम 50 पुलिसकर्मी घायल और 13 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि दंगे में 2,000 से अधिक लोग शामिल थे।

ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार के लिए ठोस कदम : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शनिवार को पुराने शहर की छह प्राचीन इमारतों का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने ईएनसी जियाउद्दीन के साथ कचरा बाजार कमान, हुसैनी आलम कमान, शेख फैज कमान, दीवान देवीदी कमान, दबीरपुरा कमान, रानीगंज कमान का निरीक्षण किया। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि पर्यटकों को आकर्षित करने के

लिए हैदराबाद की ऐतिहासिक इमारतों का जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा, इससे पहले, चारमीनार पैदल यात्री परियोजना के माध्यम से लगभग 60 करोड़ की लागत से 13 कार्य किए गए थे, जिनमें से छह कार्य पूरे हो चुके हैं और बाकी विकास के विभिन्न चरणों में हैं। हैदराबाद की विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए तीन प्राचीन विरासत भवनों के पुनर्निर्माण और संरक्षण के लिए उन्होंने कहा कि 18 करोड़ रुपए की लागत से मोजमजाही मार्केट, मौलाली कमान और क्लॉक टावर का काम शुरू किया गया है। इसके अलावा कमिश्नर ने अधिकारियों को 30 करोड़ रुपये की लागत से मुर्गी चौक के जीर्णोद्धार कार्य और 30 करोड़ रुपये की लागत से सरदार महल के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से पूरा करने का आदेश दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, डिप्टी कमिश्नर नाइक, चारमीनार जोन एसई महेश्वर रेड्डी, कुलिकुतुब शाह शहरी विकास ईई शंकर, चिकित्सा अधिकारी श्रीकांत रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.